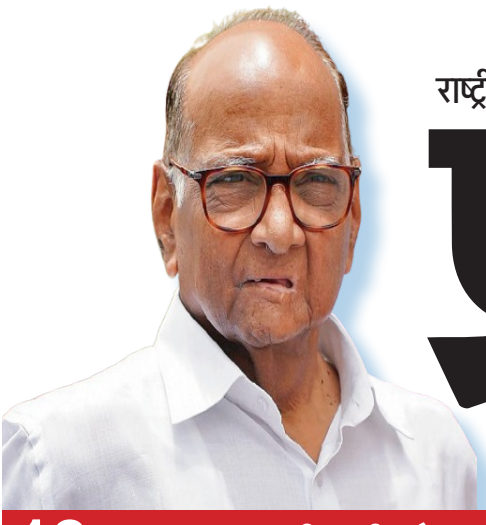

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 शरद पवार की पत्नी को बारामती हाई-टेक टेसटाइल्स पार्क के.....

उनके पास खुद का वोट बैंक तक नहीं, हम ही असली शिवसेना..... 12

वर्ष : 15 | अंक : 213 | नई दिल्ली, मंगलवार, 19 नवंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

दिल्ली में प्रदूषण को लेकर गंभीर सरकार, ग्रेप-4 की पाबंदियों को लागू करेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने को लेकर गंभीर दिल्ली सरकार ने संबंधित विभागों के अफसरों को ग्रेप-4 की पाबंदियों को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण की समस्या को देखते हुए दिल्ली में ग्रेप के चौथे चरण की पाबंदियों को लागू करने का निर्णय लिया गया है। सभी सम्बंधित विभागों के साथ मीटिंग कर उनको सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं,ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि आज प्रदूषण की गंभीर परिस्थिती के कारण बुजुर्गों को काफी तकलीफ हो रही है। बच्चों के स्कूल बंद करने पड़ रहे हैं। आज उत्तर भारत के अंदर बहादुरगढ़ में ए.क्यू.आई. 477, भिवानी में 468, चुरू में 472, गुरूग्राम में 448, धारू हेरा में 410 ए.क्यू.आई. हो गया है। पूरे उत्तर भारत में बदलते मौसम में प्रदूषण का प्रभाव मारक होता जा रहा है। पूरा उत्तर भारत गंभीर प्रदूषण की चपेट में है. लोगों को सांस लेने में दिक़्कत हो रही है. देश का आधा हिस्सा प्रदूषण की चपेट में है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को पहल करके सभी राज्यों के साथ मिलकर के काम करने का समय है। गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में ग्रेप-4 लागू हो चुका है जिसके अंतर्गत दिल्ली में बड़े ट्रक, बीएस-4 के डीजल वाहन की एंट्री पर प्रतिबंध तथा

सभी तरह के निर्माण एवं विध्वंश की गतिविधियों पर पूरी तरह से प्रतिबंद्ध लगा दिया गया है।सिर्फ सी एन जी /इलेक्ट्रिक/बी एस -6 डीजल और आवश्यक वस्तुओं/ सेवाएं प्रदान करने वाली कॉमर्शियल वाहनों को छूट रहेगी। सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है केवल 10 वीं और 12वीं के छात्रों के लिए ही स्कूल खुलेंगे। उनको मास्क देने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। स्वाथ्य विभाग को आदेश दिया गया है की वह एक स्पेशल टास्क फौर्स का गठन करे ताकि प्रदूषण संबंधित मरीजों को इलाज किया जा सके। गोपाल राय ने कहा कि हम सब लोग इस बात को जानते हैं कि इसमें पराली का एक महत्वपूर्ण फैक्टर रहा है। पंजाब में जब आम आदमी पार्टी की सरकार 2022 में बनी तो उस समय 15 अक्टूबर से 17 नवम्बर के बीच पराली जलने की कुल 47 हजार घटनाएं रिपोर्ट हुई थी। पंजाब की सरकार ने बहुत काम किया और इसका परिणाम यह हुआ कि 2024 में 15 अक्टूबर से 17 नवम्बर के बीच पराली जलाने की की केवल साढ़े सात हजार घटनाएं हुई हैं। जबकि इसी दौरान उत्तर प्रदेश में 2022 में पराली जलाने की कुल ढेड हजार घटनाएं हुई थी जो आज बढ़कर ढाई हजार हो गई है। एक तरफ हमने पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में लगभग 80 प्रतिशत की कमी लाने में सफल हुए हैं वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि हुई है। गोपाल राय ने कहा कि यदि केन्द्र सरकार ने जिम्मेदारी लेते हुए सभी संबंधित राज्यों के साथ मिलकर एक संयुक्त कार्ययोजना बनाई होती आज दिल्ली के लोगों तथा पूरे उत्तर भारत के लोगों को यह दिन नहीं देखना पड़ता। मैंने अगस्त के महीने में केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री को इस बाबत पत्र भेजा था आज ढाई महिने हो गए। मैंने आग्रह किया था कि वह सभी संबंधित केन्द्रीय एजेंसियों, राज्यों, दिल्ली सरकार और आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर यह कार्य योजना बनाएं जिससे के आज की परिस्थितियों को देखते हुए जब हवा की गति कम होने और ठंढ बढ़ने से स्मोग की चादर बन जाता है तो उसे तोड़ने के लिए कृत्रिम वर्षा कराई जा सके। लेकिन आज ढाई महीने बीतने के बाद भी एक बैठक बुलाने का समय नहीं मिला।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C

न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना 80,405

चांदी 1,1000

सेंसेक्स 80,220

निफ्टी 24,472

संक्षिप्त खबरें

इंफाल पूर्व और पश्चिम जिले में संपूर्ण कर्फ्यू, चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात

इंफाल। मणिपुर में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व जिले में संपूर्ण कर्फ्यू लगा दिया गया है। इन दोनों ही जिलों में कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखने के लिए सेना और सीआरपीएफ के जवानों द्वारा फ्लैग मार्च किया जा रहा है। दोनों जिलों में सड़कों पर वाहनों की आवाजाही न के बराबर देखी जा रही है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। नागरिकों को अपने घरों में रहने को कहा गया है। सड़क पर निकलने वाले लोगों और वाहनों को वापस भेजा जा रहा है। हालांकि, सोमवार को अभी तक कहीं से भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। मणिपुर पुलिस के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि राजधानी इंफाल में मुख्यमंत्री आवास तथा राजभवन के बाहर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। वहीं, इंफाल के दोनों जिलों में सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली में मणिपुर की सुरक्षा को लेकर उच्च स्तरीय बैठक कर रहे हैं।

संसद सत्र से पहले प्रधानमंत्री मोदी संकटग्रस्त मणिपुर का दौरा करें : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। मणिपुर में हिंसा में वृद्धि के बीच कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संसद सत्र से पहले संकटग्रस्त राज्य का दौरा करना चाहिए। पार्टी ने इसके साथ ही वहां डबल इंजन सरकार की पूर्ण विफलता के लिए गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग की। कांग्रेस के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को सबसे पहले मणिपुर के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से मिलना चाहिए और फिर 25 नवंबर से शुरू हो रहे संसद सत्र से पहले राष्ट्रीय स्तर पर एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। मणिपुर कांग्रेस प्रमुख के मेघचंद्र सिंह और राज्य के एआईसीसी प्रभारी गिरीश चोडानकर के साथ यहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रमेश ने मांग की कि शाह और मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा, 3 मई 2023 से मणिपुर जल रहा है और प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के विभिन्न देशों का दौरा कर रहे हैं, प्रवचन दे रहे हैं, लेकिन मणिपुर जाने का समय नहीं निकाल पा रहे हैं। इसलिए हमारी पहली मांग है कि प्रधानमंत्री संसद सत्र से पहले

समय निकालकर मणिपुर जाएं और वहां राजनीतिक दलों, राजनेताओं, नागरिक संस्था समूहों और राहत शिविरों में रह रहे लोगों से मिलें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यह भी मांग करती है कि प्रधानमंत्री को मणिपुर के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से मिलना चाहिए और फिर राष्ट्रीय स्तर पर भी सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। रमेश ने कहा, 31 जुलाई 2024 से कोई पूर्णकालिक राज्यपाल नहीं है। इससे पहले अनुसूचित जनजाति समुदाय का व्यक्ति राज्यपाल था लेकिन उसे 18 महीने में ही हटा दिया गया। हमारी मांग है कि तुरंत पूर्णकालिक राज्यपाल नियुक्त किया जाए कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने मणिपुर को गृह मंत्री को आउटसोर्स कर दिया है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, गृहमंत्री और नाकाम मुख्यमंत्री के बीच अजीब जुगलबंदी है। गृहमंत्री ने मुख्यमंत्री की असफलताओं का संज्ञान क्यों नहीं लिया और उन्हें बचाने का प्रयास क्यों कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि यदि भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ईमानदारी से मादक पदार्थ के कारोबार से जुड़े माफिया से लड़ना चाहते हैं तो वे अदालतों में लंबित मामलों पर कार्रवाई क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को मणिपुर का तत्काल दौरा करना चाहिए। रमेश ने कहा, मणिपुर का दर्द पूरे देश का दर्द है। 300 से ज्यादा लोग मारे गए और 60,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए। यह सरकार की पूर्ण विफलता की कहानी है। उन्होंने कहा कि 2022 के चुनावों में भाजपा को 60 में से 32 सीटें मिलीं, उन्हें बड़ा जनादेश मिला लेकिन 15 महीने के भीतर ही मणिपुर जलने लगा। उन्होंने कहा, डबल इंजन की सरकार फेल हो गई है और पटरी से उतर गई है। गृह मंत्री सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं।

शाह ने पुलिस बलों तथा राज्य पुलिस से मणिपुर में शांति व्यवस्था बनाये रखने को कहा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में हिंसा की बढ़ती घटनाओं के बीच सोमवार को यहां लगातार दूसरे दिन वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा व्यस्था की स्थिति की समीक्षा की और सुरक्षा बलों तथा राज्य एजेन्सियों से राज्य में शांति व्यवस्था कायम करने के कदम उठाने को कहा। केंद्र में सुरक्षा तंत्र से जुड़े सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री ने रविवार के बाद सोमवार को भी यहां लंबी बैठक में वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने केन्द्रीय पुलिस बलों तथा राज्य पुलिस से राज्य में शांति व्यवस्था कायम करने और शांति बहाली के कदम उठाने को कहा। इस बीच केन्द्र सरकार मणिपुर में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाये रखने के लिए केन्द्रीय पुलिस बलों की तैनाती भी बढा रही है और वहां केन्द्रीय पुलिस बलों की 50 अतिरिक्त कंपनियां भेजी जा रही हैं। इससे पहले भी केन्द्र ने वहां 20 कंपनियां तैनात की थी। मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाओं के कारण बढते तनाव के मद्देनजर श्री शाह ने रविवार को महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के कार्यक्रम को अधूरा छोड़कर नॉर्थ ब्लॉक में वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ आपात बैठक में मणिपुर की स्थिति की समीक्षा की थी। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाओं के बाद कई जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है और कुछ अन्य क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं भी बंद हैं। हिंसा की घटनाओं के बाद उग्र भीड़ ने कुछ विधायक को और मंत्रियों के घरों पर तोड़फोड़ तथा आगजनी भी की है जिससे राज्य के कुछ हिस्सों में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

इसरो के जीसैट-एन2 के लिये उल्टी गिनती शुरू

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के उन्नत संचार उपग्रह जीसैट-एन2 कोस्पेसएक्स को अमेरिका के फ्लोरिडा में केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन के स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 40 (एसएलसी-40) से जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में प्रक्षेपित करने के लिए उलटी गिनती सोमवार सुबह शुरू हो गई। इसरो ने कहा जीसैट-20 इसरो द्वारा विकसित एक संचार उपग्रह है और इसे स्पेसएक्स फाल्कन 9 द्वारा लॉन्च किया जाएगा। यह फाल्कन की 19वीं उड़ान होगी। यह एक वाणिज्यिक मिशन होगा। इसरो के एलएमवी-3 में जीटीओ में 4,000 किलोग्राम तक के उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की क्षमता है लेकिन भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने इसे एलन मस्क के स्वामित्व वाले स्पेसएक्स के अमेरिका से फाल्कन-9 लॉन्च वाहन का उपयोग करके लॉन्च करने का विकल्प चुना। इसका वजन 4,700 किलोग्राम है। न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित, स्वामित्व और संचालित जीसैट-20, संचार उपग्रहों की जीसैट श्रृंखला की निरंतरता होगी और इसका उद्देश्य भारत के स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा आवश्यक संचार अवसंरचना में डेटा संचरण क्षमता को जोड़ना है। इसको विद्युत ऊर्जा प्रणाली को लगभग 6 किलोवाट की बिजली की आवश्यकता को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। उपग्रह में एक सन सेंसर, अर्थ सेंसर, इनर्शियल रेफरेंस यूनिट और स्टार सेंसर है। सभी सेंसर पूर्ण दृष्टिकोण के रूप में दृष्टिकोण डेटा प्रदान करते हैं।

मोदी को मिला नाइजीरिया का सर्वोच्च सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी

आबुजा/नई दिल्ली। नाइजीरिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को यहां राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ नाइजर से सम्मानित किया, जिससे 55 साल पहले ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ को सम्मानित किया गया था। नाइजीरिया संघीय गणराज्य के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू ने स्टेट हाउस में एक समारोह में, भारत-नाइजीरिया संबंधों को बढ़ावा देने में शानदार योगदान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ नाइजर से सम्मानित किया। सम्मान पत्र के उद्धरण में कहा गया कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत, भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया गया है और उनके परिवर्तनकारी शासन से सभी के लिए एकता, शांति और साझा समृद्धि को बढ़ावा मिला है। पुरस्कार स्वीकार करते समय, प्रधानमंत्री ने इस सम्मान को भारत के लोगों और भारत तथा नाइजीरिया के

बीच दीर्घकालिक, ऐतिहासिक मित्रता को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह मान्यता दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझीदारी और ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं के प्रति उनकी साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। श्री मोदी ने आभार प्रकट करते हुए कहा, इनाइजीरिया के राष्ट्रीय पुरस्कार, ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ नाइजर से सम्मानित किए जाने पर मैं आपका, नाइजीरिया की सरकार और लोगों का, हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मैं इस सम्मान को विनम्रता और आदरभाव से स्वीकार करता हूँ। इस सम्मान को 140 करोड़ भारतवासियों और भारत-नाइजीरिया की गहरी मित्रता को समर्पित करता हूँ। ये सम्मान हमें भारत और नाइजीरिया के बीच रणनीतिक साझीदार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रेरित करता रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और नाइजीरिया के संबंध आपसी सहयोग, सद्भाव और परस्पर सम्मान पर आधारित हैं। दो जीवंत लोकतंत्र और प्रगतिशील अर्थव्यवस्थाओं के रूप में हम मिलकर दोनों देशों के लोगों की भलाई के लिए काम करते रहे हैं। दोनों देशों में सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता हमारी पहचान है, हमारी ताकत है। अफ्रीका में नाइजीरिया की बहुत बड़ी और सकारात्मक भूमिका रही है। अफ्रीका के साथ करीबी सहयोग भारत की उच्च प्राथमिकता रहा है। हमारे सभी प्रयासों में हम नाइजीरिया जैसे मित्र देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत और नाइजीरिया भी मिलकर दोनों देशों के लोगों और पूरे अफ्रीका महाद्वीप की समृद्धि के लिए मिलकर आगे बढ़ेंगे।

बेअंत हत्याकांडः राजोआना की दया याचिका राष्ट्रपति के समक्ष पेश करें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के सचिव को सोमवार को निर्देश दिया कि वह 1995 में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में मृत्युदंड की सजा पाए बलवंत सिंह राजोआना से संबंधित दया याचिका दो सप्ताह के भीतर फैसला करने के अनुरोध के साथ उनके (राष्ट्रपति) समक्ष पेश करें। न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने राजोआना की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। पीठ ने कहा, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि याचिकाकर्ता मृत्युदंड की सजा काट रहा है, हम भारत के राष्ट्रपति के सचिव को निर्देश देते हैं कि वे मामले को उनके (राष्ट्रपति) समक्ष पेश करें और दो सप्ताह के भीतर इस पर विचार करने का उनसे अनुरोध करें। पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि केंद्र सरकार ने अभी तक अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अन्य मामलों पर निर्णय हो चुका है, लेकिन याचिकाकर्ता के मामले में सरकार ने कहा कि निर्णय लेने का यह सही समय नहीं है। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, जब उसका जीवन समाप्त हो जाएगा, तो इस पर निर्णय कब होगा। इसके बाद पीठ ने केंद्र सरकार के अधिवक्ता के पेश न होने पर नाराजगी व्यक्त की। राजोआना की दया याचिका पर फैसला करने में 12 साल की अत्यधिक देरी पर सवाल उठाया गया था। पंजाब सरकार ने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले दावा किया था कि अगर उसे रिहा किया गया तो यह राष्ट्रीय खतरा होगा। शीर्ष अदालत ने 4 नवंबर को राजोआना को अंतरिम राहत देने पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसने अपनी दया याचिका पर निर्णय लेने में अत्यधिक देरी के कारण अपनी सजा कम करने की गुहार लगाई थी। राजोआना की ओर से पेश श्री रोहतगी ने कहा था कि यह एक चौंकाने वाला मामला है क्योंकि याचिकाकर्ता 29 वर्षों से हिरासत में है और कभी जेल से बाहर नहीं आया।

जनगणना लोकसभा में पूछा कि आरक्षण को सही तरीके से लागू कराने के लिए क्या आप जातिगत जनगणना कराएंगे.....

जातिगत जनगणना होते ही बदल जाएगी देश की राजनीति, सभी को मिलेगा न्याय : राहुल

रांची, एजेंसी

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को रांची में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि जातिगत जनगणना होते ही देश की राजनीति और व्यवस्था बदल जाएगी। 21वीं सदी में डेटा सबसे कीमती चीज है। जातिगत जनगणना से वह आंकड़ा सामने आएगा, जिससे पता चलेगा कि देश के पावर स्ट्रक्चर और विभिन्न संस्थाओं में पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों की कितनी भागीदारी है। इसी के आधार पर हमें उनके लिए योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। हम सभी वर्ग के लोगों को न्याय दे पाएंगे। पिछड़े वर्ग की आबादी और उनकी भागीदारी कोई नहीं जानता। राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक और तेलंगाना में हमारी सरकार है। हम दोनों राज्यों में लाखों लोगों के साथ जातिगत जनगणना पर चर्चा कर रहे हैं। उनसे राय ले रहे हैं कि इस जनगणना के दौरान किस तरह के सवाल पूछे जाने चाहिए। इस पर बेहतरीन सुझाव आ रहे हैं। हम जातिगत जनगणना में लोगों की राय को शामिल करेंगे। इसके लिए हमारे पास पूरा रोडमैप है। हम जानते हैं कि हमारी आबादी में 50 प्रतिशत पिछड़े, 15 प्रतिशत दलित और 8 प्रतिशत आदिवासी हैं, लेकिन भारत की संस्थाओं में उनकी भागीदारी कितनी है, यह पता नहीं। इसकी जानकारी सामने आने के बाद हम 50 फीसदी आरक्षण की सीमा तोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मेरे बारे में यह झूठ बोलते हैं कि मैं आरक्षण के खिलाफ हूं। मैं पूरी तरह आरक्षण के समर्थन में हूं। मैंने उनसे लोकसभा में पूछा कि आरक्षण को सही तरीके से लागू कराने के लिए क्या आप जातिगत जनगणना कराएंगे, तो उन्होंने मेरे सवाल का जवाब तक नहीं दिया। हम झारखंड में आदिवासियों का आरक्षण 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत, दलितों का आरक्षण 12 से 14 प्रतिशत और पिछड़ों का आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासियों को वनवासी कहती है। यह उनका अपमान है। भाजपा की सोच

आदिवासी विरोधी है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने झारखंड के मुख्यमंत्री को डराने की कोशिश की है। उन्हें गलत आरोपों में जेल भेजा। वे झारखंड के लिए दम लगाकर काम कर रहे हैं। उन्हें हमारा पूरा सपोर्ट है। केंद्र सरकार ने झारखंड का 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपए रोक रखा है। यह झारखंड के भूमि मुआवजे और कोयले की रॉयल्टी का पैसा है। यह यहां के पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों का पैसा है। केंद्र यह पैसा झारखंड को दे। इसका उपयोग झारखंड की महिलाओं, युवाओं और यहां के लोगों के विकास में होगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि गरीबों और महिलाओं को हम जो ढाई हजार, तीन हजार रुपए देने की बात कह रहे हैं, उसे मुफ्त की योजना कहना उनका अपमान है। जब उद्योगपतियों और अरबपतियों के करोड़ों के कर्ज माफ होते हैं तो उसे आप मुफ्त की योजना क्यों नहीं कहते। इसलिए, गरीबों को कुछ हजार रुपए देने की योजना हमारी न्याय की योजना है। हमारी झारखंड में नई सरकार बनते ही हम महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपए, 450 रुपए में गैस सिलेंडर, हर गरीब को महीने में सात किलो अनाज देंगे। किसानों को धान पर मिलने वाली एमएसपी की रकम 2,400 से बढ़ाकर 3,200 रुपए प्रति क्विंटल करेंगे। हमने राजस्थान में 25 लाख रुपए तक की स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की थी। झारखंड में हम 15 लाख रुपए तक की स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में हम झारखंड में 10 लाख युवाओं को रोजगार से जोड़ने की कोशिश करेंगे। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन द्वारा पिछले चुनाव के दौरान पांच लाख लोगों को नौकरी देने के वादे के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें काम करने से रोका गया। भाजपा ने उनकी राह में बाधा पैदा की। इसके बावजूद उन्होंने इस मोर्चे पर काम किया। देश में रोजगार इसलिए पैदा नहीं हो पा रहे, क्योंकि भाजपा की सरकार ने नोटबंदी और गलत जीएसटी लागू किया। राहुल गांधी ने झारखंड में हो रहे चुनाव को विचारधारा की लड़ाई बताया। उन्होंने कहा कि एक तरफ हम लोग हैं जो संविधान को बचाने और आरक्षण बढ़ाने की बात कह रहे हैं तो दूसरी तरफ आरएसएस के लोग हैं, जो संविधान खत्म करने में लगे हैं। मणिपुर में हो रही हिंसा को लेकर पूछे गए सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा कि वहां जो कुछ हो रहा है, बहुत गलत हो रहा है। वहां शांति स्थापित होनी चाहिए। प्रधानमंत्री आज तक मणिपुर नहीं गए। हम ह्यभारत जोड़ो यात्राह्न में 4 हजार किलोमीटर चले। नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान का नारा दिया। हम नफरत को मिटाना चाहते हैं। भाजपा नफरत फैलाती है। इसी की वजह से आग लगती है।

आसियान : रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए बुधवार को लाओस जायेंगे। बैठक के दौरान वह क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर अपने विचार रखेंगे। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि श्री सिंह के बैठक से इतर अमेरिका, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जापान, लाओस, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस और दक्षिण कोरिया अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है। इन बैठकों का उद्देश्य इन देशों के साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और अधिक बढ़ाना है। आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की यह बैठक आसियान में सर्वोच्च रक्षा परामर्श और सहयोग तंत्र है। यह आसियान सदस्य देशों ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम और इसके आठ संवाद भागीदारों भारत, अमेरिका, चीन, रूस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के लिए सुरक्षा तथा रक्षा सहयोग को मजबूत करने का एक मंच है। भारत 1992 में आसियान का संवाद साझेदार बना था और इस संस्था की पहली बैठक 12 अक्टूबर 2010 को वियतनाम के हनोई में आयोजित की गयी थी। वर्ष 2017 से इसकी बैठक हर वर्ष हो रही है। लाओस 11वीं बैठक का अध्यक्ष और मेजबान है।

संक्षिप्त समाचार

कार और 50 लाख के लिए महिला से उत्पीड़न

रुद्रपुर, एजेंसी। एक महिला ने पति सहित चार ससुरालियों पर फॉर्च्यूनर कार और 50 लाख रुपये दहेज में नहीं मिलने पर मारपीट और उत्पीड़न का आरोप लगाया है। कहा कि मारपीट में उसका गर्भपात हो गया था। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने चारों के खिलाफ केस दर्ज किया है। ग्राम फौजी मटकोटा निवासी अमृता गिरि ने एसएसपी को दिए प्रार्थना पत्र में कहा था कि उनका विवाह 27 जनवरी 2019 को शेखर उर्फ राजकुमार गोस्वामी निवासी रक्षा एनक्लेव, हाउस नं0-02 / पी0-3, ग्रेटर नोएडा और हाल निवासी विजय मेडिकल स्टोर, दादरी रोड सूरजपुर ग्रेटर नोएडा से हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद उनके ससुर डॉ. प्रमोद गिरि, ननद संगीता गोस्वामी, देवर राहुल गोस्वामी, पति शेखर उर्फ राजकुमार गोस्वामी ने दहेज में फॉर्च्यूनर कार और 50 लाख रुपये की मांग को लेकर उनका उत्पीड़न शुरू कर दिया था। वर्ष 2020 में गर्भवती होने पर ससुरालियों ने उन पर गर्भ गिराने को दबाव बनाया था। इस विवाद में ननद के धक्के से वह जमीन पर गिर गई थी और निजी अस्पताल में उनका गर्भपात हो गया था। इस घटना की रिपोर्ट भी दर्ज की गई थी। 12 जून 2020 को रुद्रपुर घर आए ससुर के साथ वह वापस नोएडा चली गई थी। पांच जुलाई 2020 को पति और देवर की मौजूदगी में ननद ने उसे जहरीला बिस्किट खिला दिया था। 27 अप्रैल 2022 को ननद की शादी में पति उनको अपने साथ ले गया था और शादी समारोह खत्म होने के बाद दोबारा रुद्रपुर छोड़ गया था। 29 दिसंबर 2023 को वह गंभीर रूप से बीमार होकर सर गंगा राम हॉस्पिटल दिल्ली में भर्ती रही थी लेकिन पति ने उसकी तबीयत तक नहीं पूछी थी। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज किया है।

तकनीक के अभाव में नहीं हो रहे पथरी के ऑपरेशन

बागेश्वर, एजेंसी। जिला अस्पताल में रोजाना लोग पथरी की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। हर आयु वर्ग के लोग इससे परेशान हैं लेकिन ऑपरेशन करवाने के लिए लोगों को बाहरी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। अस्पताल में तकनीकी सर्जरी की सुविधा न होना इसका मुख्य कारण है। केवल जिला अस्पताल में सर्जन की तैनाती होने के कारण कपकोट, कांडा और गरुड़ के लोग पथरी के ऑपरेशन के लिए जिला अस्पताल पर निर्भर रहते हैं लेकिन अस्पताल में आज भी पथरी के ऑपरेशन पुरानी विधि से किए जाते हैं। जिस वजह से अधिकतर लोग अस्पताल से ऑपरेशन न करवा कर अल्मोड़ा, हल्द्वानी, बरेली की तरफ नई तकनीक से बिना चीर फाड़ के ऑपरेशन करवाने जा रहे हैं। जिला अस्पताल के वरिष्ठ सर्जन डॉ. राजीव उपाध्याय ने बताया कि अस्पताल में रोजाना तीन से चार मरीज पथरी की शिकायत लेकर पहुंचते हैं। 90 फीसदी तक मरीजों का उपचार दवाइयों से हो जाता है, लेकिन 10 फीसदी मरीजों को ऑपरेशन की जरूरत पड़ती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में अधिकतर लोग पथरी का ऑपरेशन पुरानी विधि से नहीं करवाना चाह रहे हैं। अस्पतालों में उपलब्ध नई तकनीक लेप्रोस्कोपी और रोबोटिक ऑपरेशन का प्रयोग लोग करना चाह रहे हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर लोग दूरबीन विधि से ऑपरेशन कराने के लिए सहमत होते हैं, लेकिन जिला अस्पताल में फिलहाल ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। इस कारण अधिकतर मरीज अन्य जगहों से ऑपरेशन करा रहे हैं।

अगले साल होगा निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन

बागेश्वर, एजेंसी। जिले के तीनों विकासखंडों में ग्राम पंचायत की निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण कार्य की संशोधित तिथियां निर्धारित हो गई हैं। डीएम आशीष भटगांई ने बताया कि 17 जनवरी को नामावलियों का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। डीएम ने बताया कि 25 नवंबर तक संगणक घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे। 26 से 29 नवंबर तक प्रारूप निर्वाचक नामावलियों की पांडुलिपियां तैयार कर 30 नवंबर को जमा कराई जाएंगी। एक से 28 दिसंबर तक प्रारूप निर्वाचक नामावलियों की डाटा एंट्री होगी। 29 और 30 दिसंबर को नामावलियों की प्रति मतदान केंद्रों में जन सामान्य के निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। एक से सात जनवरी 2025 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी।

बिजली से रोशन हुआ दारमा घाटी का सेला गांव

पिथौरागढ़, एजेंसी। धारचूला तहसील के दारमा घाटी का सेला गांव पहली बार यूपीसीएल की बिजली से रोशन हो गया है। गांव में अभी एक घर जगमग हुआ है। शीघ्र ही सभी परिवारों को बिजली के संयोजन दे दिए जाएंगे। अगले साल तक घाटी के 12 से अधिक गांवों तक बिजली पहुंच जाएगी।

सेला में पूर्व में उरेडा की बिजली थी लेकिन तीन साल पूर्व आपदा में यह बह गई। तब से ग्रामीण बिना बिजली के रहने के लिए विवश थे। बांगलिंग से सेला के बीच उरेडा की लाइन क्षतिग्रस्त थी। इसे पिछले वर्ष यूपीसीएल को हस्तांतरित किया था। 11 किमी में से सात किमी लाइन की मरम्मत करते हुए ग्रिड से जोड़कर सेला गांव में विद्युत आपूर्ति चालू कर दी है। वहां पर रह रहे एक परिवार को कनेक्शन दे दिया गया है। ग्रिड की बिजली गांव तक पहुंचने से ग्रामीण खुश हैं। इस मौके पर यूपीसीएल के उपखंड अधिकारी अनुज कुमार त्रिपाठी, अवर अभियंता जितेंद्र भट्ट, सुपरवाइजर पवन सिंह, लाइनमैन सुखदेव सिंह आदि मौजूद रहे। यूपीसीएल के उपखंड अधिकारी त्रिपाठी ने बताया कि शेष करीब 40 परिवारों को भी विद्युत संयोजन लेने के बाद आपूर्ति की जाएगी। दारमा घाटी के सेला से आगे के गांव नागलिंग, बालिंग, दुग्तू, दांतू, सौन, फिलम, गौ, ढाकर, तिदांग समेत आईटीबीपी की अग्रिम चेक पोस्ट को भी अगले साल वाइब्रेंट विलेज के तहत बिजली आपूर्ति से जोड़ने का कार्य प्रारंभ हो जाएगा। इन गांवों को यूपीसीएल की बिजली से जोड़ने के लिए टेंडर प्रक्रिया हो चुकी है। ठंड का सीजन समाप्त होने के बाद विद्युत विभाग गांवों में लाइन बिछाने का कार्य शुरू करेगा।

पर्यटन बढ़ा तो पिघलने लगी बर्फ, काला दिखने लगा हिमालय; वैज्ञानिक और पर्यावरणविद चिंतित

पिथौरागढ़, एजेंसी। मानवीय दखल बढ़ने से बर्फ पिघलने की रफ्तार तेज हो गई है। बर्फ से लकदक रहने वाली पंचाचूली की पर्वत श्रृंखलाएं काली नजर आने लगी हैं। ऐसे में पर्यावरणविद और वैज्ञानिक भी चिंतित हैं।

सीमांत जिले के हिमालयी क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियां बढ़ी हैं लेकिन इसके दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। मानवीय दखल बढ़ने से बर्फ पिघलने की रफ्तार तेज हो गई है। बर्फ से लकदक रहने वाली पंचाचूली की पर्वत श्रृंखलाएं काली नजर आने लगी हैं। ऐसे में पर्यावरणविद और वैज्ञानिक भी चिंतित हैं।

जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयन पर्यावरण संस्थान अल्मोड़ा के निदेशक प्रो. सुनील नौटियाल ने अब तक हुए शोधों का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 1985 से 2000 तक हिमालय और ग्लेशियरों में बर्फ पिघलने की रफ्तार दो से तीन गुना बढ़ी है। बताया कि 40 साल में हिमालयी क्षेत्रों में 440 अरब टन बर्फ पिघल चुकी है जो वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा रही है।

वैज्ञानिकों ने हिमालयी क्षेत्रों में बर्फ पिघलने की रफ्तार बढ़ने पर चिंता जताई है। हालांकि जाड़ों का मौसम शुरू होने पर उनमें थोड़ी राहत भी है। उनके मुताबिक जाड़ों में अच्छी बर्फबारी होने की संभावना है। ऐसे में काली पड़ चुकीं हिमालय की श्रृंखलाओं में बर्फबारी होने से ये फिर से अपने वास्तविक स्वरूप में लौटेंगी।

सीमांत जिले में आदि कैलाश और मानसरोवर दर्शन यात्रा शुरू होने से पर्यटन गतिविधियां तेजी से बढ़ीं हैं। आदि कैलाश और कैलाश दर्शन के लिए बीते एक वर्ष में ही 28 हजार से अधिक यात्री हिमालयी क्षेत्रों में पहुंचे हैं। यह सिलसिला जारी है। वैज्ञानिकों के मुताबिक हिमालयी क्षेत्रों में मानवीय दखल यहां के पर्यावरण असंतुलन की बड़ी वजह है।

हिमालय के नजदीक वाहन पहुंचने, इनसे निकलने वाले कार्बन और बढ़ते मानवीय दखल से तापमान में बढ़ोतरी के साथ पर्यावरण भी परिवर्तित हो रहा है। नतीजतन, हिमालय श्रृंखलाओं में तेजी से बर्फ पिघल रही है। आदि कैलाश के नजदीक विश्व प्रसिद्ध पंचाचूली की हिमालयी श्रृंखलाओं के काला दिखने के पीछे भी यही वजह है।

सृष्टि डबराल को मिला बेस्ट स्टूडेंट का खिताब

ऋषिकेश, एजेंसी। पारस पब्लिक विद्यालय में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। पूर्व मुख्यमंत्री और हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत और सहायक वन संरक्षण अधिकारी अनिल पैन्यूली ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में भगवान कृष्ण की लीला, अयोध्या के राम मंदिर की गाथा, मां काली की ओर से रक्तबीज का संहार आदि प्रस्तुतियां दी गई। विभिन्न प्रदेशों की संस्कृति को नृत्य के माध्यम से बच्चों ने प्रस्तुत किया, जिसमें गुजराती, बंगाली, हिमाचली, मराठी, नेपाली, पंजाबी की भी धूम रही। बच्चों ने निकला गड्डी लेके..., अंबर तारे.., हरियाणवी नृत्य, गला गोरियां आदि गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी। बच्चों ने विशेष रूप से उत्तराखंड के पलायन की समस्या, अनेकता में एकता और उद्योगपति रतन टाटा के जीवन से संबंधित प्रेरणादायक नाटक प्रस्तुत किए। स्कूल प्रबंधक राम रतन रतूड़ी ने स्कूल में आने वाले समय में स्कूल में एनएसएस के अलावा एनसीसी की स्थापना का भी आश्वासन दिया। विभिन्न श्रेणियो में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में बेस्ट स्टूडेंट सृष्टि डबराल और बेस्ट टीचर का अवार्ड हेमलता परमार को दिया गया।

भाऊराव देवरस जयंती समारोह का आयोजन

ऋषिकेश, एजेंसी। वीरभद्र रोड स्थित माधव सेवा विश्राम सदन में भाऊराव देवरस जयंती समारोह का आयोजन किया गया। शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल कार्यक्रम में शामिल हुए। भाऊराव देवरस सेवा न्यास के सचिव राहुल सिंह ने भाऊराव देवरस के जीवन के बारे में जानकारी दी। कहा कि वह उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के काम के मुख्य सूत्रधार थे। आजादी के बाद राष्ट्र धर्म मासिक पत्रिका, पाञ्चजन्य साप्ताहिक, तरुण भारत दैनिक तथा विद्या भारती जैसे अनेक कार्य उत्तर प्रदेश में उनके नेतृत्व में शुरू हुए। भाऊराव देवरस निधन के बाद 1993 में अटल बिहारी वाजपेयी की अध्यक्षता में भाऊराव देवरस सेवा न्यास का लखनऊ में गठन किया गया। इस न्यास ने देश में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक सेवा कार्य हो रहे हैं। इनमें एक विशेष प्रकल्प विश्राम सदन है। लखनऊ, दिल्ली, पटना और झज्जर में ऐसे पांच सदन संचालित हो रहे हैं। इसी कड़ी में जुलाई 2024 से ऋषिकेश में माधव सेवा विश्राम सदन का संचालन किया जा रहा है। ऋषिकेश प्रकल्प के सचिव संदीप मल्होत्रा ने बताया कि अब तक 7,000 लोग विश्राम सदन के माध्यम से सेवा प्राप्त कर चुके हैं। उन्हें बहुत कम मूल्य में भोजन और आवास की सुविधा उपलब्ध है।

शराब पीकर वाहन दौड़ा रहे छह लोग गिरफ्तार, वाहन सीज

रुद्रपुर, एजेंसी। रुद्रपुर और ट्रांजिट कैंप पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया। सार्वजनिक जगहों पर शराब पीकर माहौल खराब करने वाले 17 लोगों का पुलिस एक्ट में चालान किया गया, जबकि एक नाबालिग सहित पांच लोगों के दोपहिया वाहनों को एमवी एक्ट में सीज कर दिया।

एसएसपी के निर्देश पर शनिवार देर शाम रुद्रपुर कोतवाली और ट्रांजिट कैंप थाना पुलिस की टीमों ने विभिन्न जगहों पर चेकिंग अभियान चलाया। ट्रांजिट कैंप थाने की चार टीमों ने शराब पीकर शोर शराब और माहौल खराब करने वाले 17 लोगों का पुलिस एक्ट में चालान किया।

शराब पीकर कार चलाने वाले मलकीत सिंह निवासी सुवा नगला करतारपुर रामपुर यूपी और सुदीप कुमार निवासी प्रतापनगर मैट्रो स्टेशन आजादनगर मलका गंज दिल्ली को गिरफ्तार कर वाहन सीज कर दिए।

वहीं यातायात नियमों के उल्लंघन पर आठ वाहन चालकों से चार हजार रुपये का जुर्माना वसूला। एक थ्री व्हीलर का कोर्ट चालान किया गया। कागज नहीं होने पर एक नाबालिग सहित पांच लोगों की बाइक और स्कूटी सीज क दी।

रुद्रपुर कोतवाली पुलिस ने शराब पीकर बाइक चला रहे रमेश चंद्र निवासी गैस गोदाम रोड हल्द्वानी, रोहित निवासी ग्राम सहसवान जिला बदायूं, संजय कुमार निवासी ग्राम बनकोटडी थाना बिलनी राजस्थान और अनिकेत निवासी संजयनगर खेड़ा थाना ट्रांजिट कैंप को गिरफ्तार कर उनके दोपहिया वाहन को सीज कर दिया। पुलिस ने गिरफ्तार लोगों को थाने से जमानत पर छोड़ दिया।

सेना की ओपन भर्ती में पिथौरागढ़ जाने के लिए बस अड्डे पर उमड़ी युवाओं की भीड़

टनकपुर (चंपावत), एजेंसी। पिथौरागढ़ में सेना की ओपन भर्ती में शामिल होने के लिए यूपी, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों के युवाओं की रविवार को टनकपुर बस अड्डे पर युवाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ अधिक होने के कारण पिथौरागढ़ की बस में सीट के लिए युवाओं को जद्दोजहद करने पड़ी। इस दौरान धक्का मुक्की तक हुई। रोडवेज प्रशासन ने दोपहर तक टनकपुर से दस और लोहाघाट डिपो की तीन बसों को पिथौरागढ़ भेजा।

रोडवेज बस अड्डे परिसर में पिछले तीन दिनों से पिथौरागढ़ भर्ती में जाने वाले युवाओं की भीड़ जुट रही है। सुबह बरेली से दो पैसेंजर ट्रेनों के आते ही खासी संख्या में यूपी, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों के युवा बस अड्डे पर पहुंचे। वहां कुछ युवा पिथौरागढ़ की बसों में सवार होने लगे। बस कम होने से युवाओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मध्य प्रदेश के मुरैना निवासी अरुण कुमार ने बताया कि वह दस साथियों के साथ आया है और मध्य प्रदेश की 18, 19 नवंबर को ओपन भर्ती है। यूपी के बुलंदशहर से आए अर्जुन ने बताया कि यूपी की भर्ती 20 और 21 नवंबर को है। बसों की कमी के सवाल पर एआरएम विनोद कुमार गौतम ने बताया कि जैसे-जैसे छोटी बसें आ रही हैं, उन्हें पिथौरागढ़ भेजा जा रहा है। इस बीच लोहाघाट डिपो की भी तीन अतिरिक्त बस पिथौरागढ़ भेजी गई। टनकपुर डिपो के काउंटर पर तैनात आशीष कुमार ने बताया कि शनिवार को छह बसें अतिरिक्त पिथौरागढ़ के लिए भेजी गई थी।

कार दुर्घटना में घायल बच्ची की अस्पताल में मौत

देहरादून, एजेंसी। कालसी ब्लॉक के दोऊ गांव निवासी जयपाल बुधवार को खमरौली स्थित अपने ससुराल से बेटी ताशी चौहान (4) को कार में साथ लेकर अपनी दुकान की ओर जा रहे थे। छिबरौ पावर हाउस के पास कार अनियंत्रित होकर 250 मीटर गहरी खाई में गिर गई।

देहरादून के विकासनगर में हरिपुर-कोटी-मीनस राज्य राजमार्ग पर छिबरौ पावर हाउस के पास दुर्घटनाग्रस्त हुई कार में घायल बच्ची की देहरादून में एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं, बच्ची के पिता की हालत भी गंभीर बनी हुई है। हादसे में कार में लिफ्ट मांग कर बैठे युवक की पहले ही मौके पर मौत हो चुकी थी।

जानकारी के अनुसार कालसी ब्लॉक के दोऊ गांव निवासी जयपाल (32) का खेरूवा तुनिया खेड़ा में प्रोविजन स्टोर है। वह बीते बुधवार को खमरौली स्थित अपने ससुराल से बेटी ताशी चौहान (4) को कार में साथ लेकर अपनी दुकान की ओर जा रहे थे। छिबरौ पावर हाउस के पास कार अनियंत्रित होकर 250 मीटर गहरी खाई में गिर गई।

इस दौरान कार में लिफ्ट मांग कर बैठे हिमाचल प्रदेश

के सिरमौर के कमरो तहसील के जामना निवासी अंकित (25) पुत्र दिलीप सिंह की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि, जयपाल और ताशी चौहान दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को देहरादून स्थित हायर सेंटर में भर्ती करवाया गया था।

रविवार सुबह अस्पताल में उपचार के दौरान ताशी चौहान ने दम तोड़ दिया। ताशी चौहान के पिता का उपचार भी वेंटिलेटर पर चल रहा है। थाना प्रभारी भुवनचंद पुजारी ने बताया कि कार मालिक की हालत भी गंभीर बनी हुई है।

कपकोट में पानी नहीं आने से लोक परेशान

कपकोट (बागेश्वर), एजेंसी। कपकोट में चौथे दिन भी पेयजल आपूर्ति बाधित रही। जल संस्थान के तकनीशियन और यूपीसीएल के कर्मचारी मिलकर भी फॉल्ट को सही नहीं कर सके। नलों से पानी नहीं आने पर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोग प्राकृतिक स्रोत, हैंडपंप और सरयू नदी से पानी ढोकर लाने के लिए मजबूर हैं।

छेती से बनी पंपिंग पेयजल योजना से नगर पंचायत और कपकोट गांव में पेयजल आपूर्ति की जाती है। बीते बृहस्पतिवार से पंपिंग योजना में तकनीकी खराबी आने के कारण नगर में पानी की सप्लाई ठप है। जल संस्थान का कहना है कि बिजली लाइन में फॉल्ट आने से दिक्कत हुई है।

कबड्डी के बालक वर्ग में कपकोट, बालिका वर्ग में बागेश्वर की टीम रही विजेता

बागेश्वर, एजेंसी। डिग्री कॉलेज के खेल मैदान जिला स्तरीय खेल महाकुंभ जारी है। प्रतियोगिता के तीसरे दिन अंडर-20 आयु वर्ग के बालक और बालिकाओं की एथलेटिक्स प्रतियोगिता कराई गई। विकासखंड स्तर के विजेता खिलाड़ियों कई खेलों में दमखम दिखाया।

रविवार को आयोजित खेलकूद के 100 मीटर दौड़ में सूजल जोशी और खुशी गोस्वामी, 200 मीटर दौड़ में पवन सिंह और खुशी गोस्वामी, 400 मीटर दौड़ में पवन सिंह और निर्मला परिहार, 800 मीटर दौड़ में राहुल शाही और मोनिका, 1500 मीटर दौड़ में रोहन गोस्वामी और पूनम गोस्वामी ने क्रमशः बालक और बालिका वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। 5000 मीटर के बालक वर्ग की दौड़ में राहुल शाही और 3000 मीटर की बालिका वर्ग के दौड़ में भावना मेहता विजेता रहे। लंबी कूद में संतोष कुमार और ज्योति कोरंगा, ऊंची कूद में विनीत हरड़िया और प्रिया, चक्का क्षेपण में सचिन सिंह और रिया भंडारी, गोला क्षेपण में महेंद्र सिंह और दीपा, भाला क्षेपण में राजेंद्र सिंह और हिमानी परिहार ने अपने-अपने वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। कबड्डी में कपकोट और बागेश्वर की टीम ने बालक और बालिका जबकि वॉलीबाल में बागेश्वर की टीम ने दोनों वर्ग में खिताब जीता।

देहरादून से दिल्ली जाने वाले यात्रियों की बढ़ी परेशानी, नहीं मिली बसें

देहरादून, एजेंसी। दिल्ली जाने वाले यात्रियों की परेशानी तब बढ़ गई जब उनको ग्रामीण डिपो से समय पर बसें ही नहीं मिली। ऐसे में यात्रियों को घंटों तक बसों का इंतजार करना पड़ा। सैकड़ों यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी है।ढ्ढ

दिल्ली सरकार की ओर से ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान की पॉलिशी लागू होने के बाद उत्तराखंड से दिल्ली जाने वाली 194 बीएस-3 और बीएस-4 बसों का संचालन पूरी तरह रोक दिया गया है। इसमें देहरादून के ग्रामीण डिपो कुल 29 बसें शामिल हैं। ग्रामीण डिपो की एक साथ इतनी अधिक बसों का संचालन रुकने से रविवार को देहरादून से दिल्ली जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है। ऐसी स्थिति में यात्रियों को घंटों तक दिल्ली जाने वाली बसें नहीं मिली। यात्रियों के मुताबिक डिपो में दिल्ली जाने वाली बसों की संख्या काफी कम हो गई है। ऐसे में जो भी बस दिल्ली के रूट के लिए लगाई जाती है। उसमें तुरंत यात्री सवार हो जाते हैं। इसकी वजह से बसों में जगह ही नहीं मिल रही है। हालांकि ग्रामीण डिपो की ओर से लोकल रूट पर चलने वाली बीएस-6 की 5 बसों को दिल्ली रूट पर लगाया गया है। जबकि दिल्ली रूट के संचालन से बाहर हुई सभी 29 बसों को लोकल रूटों पर भेजा जा रहा है।

नादेही चीनी मिल में पूजा-अर्चना के साथ पेराई सत्र शुरू

जसपुर, एजेंसी। नादेही चीनी मिल के पेराई सत्र का शुभारंभ पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस वर्ष 32 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्य अतिथि गन्ना मंत्री सौरभ बहुगुणा कार्यक्रम में नहीं पहुंच सके। आयोग के अध्यक्ष मुकेश कुमार, पूर्व विधायक डॉ. शैलेंद्र मोहन सिंघल, भाजपा कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों ने पूजा-अर्चना के बाद चीनी मिल चेन में गन्ना डाल कर पेराई का शुभारंभ किया। इसके बाद प्रथम गन्ने की बैलगाड़ी लेकर पहुंचे कृषक विनोद सिंह निवासी गांव राजपुर को उपहार देकर सम्मानित किया।

मंगशीर बग्वाल की तैयारियों में जुटे बूढ़ाकेदार क्षेत्र के लोग

नई टिहरी, एजेंसी। भिलंगना ब्लॉक के बूढ़ाकेदार क्षेत्र में मंगशीर बग्वाल को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। मुख्य दीपावली के ठीक एक माह बाद 30 नवंबर को टिहरी जिले के थाती कठूड़ के लोग मंगशीर की दीपवाली (बग्वाल) मनाएंगे। दीपावली के अगले दिन एक दिसंबर को गुरु कैलापीर मंदिर समिति की ओर से बूढ़ाकेदार में तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया जाएगा।

बूढ़ाकेदार क्षेत्र के थाती कठूड़ पट्टी के लोग मंगशीर माह की बग्वाल बड़े उत्साह से मनाते हैं। क्षेत्र के लोग इन दिनों अपने घरों को सजाने और संवारे के काम में लगे हैं। देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों में नौकरी पेशा वाले वाले लोग मंगशीर की बग्वाल पर अपने घर लौटते हैं।

स्थानीय निवासी गोपेश्वर जोशी और राम प्रसाद सेमवाल ने बताया कि थाती कठूड़, गाजणा कठूड़ और नाल्ड कठूड़ पट्टी में

मंगशीर की दीपावली मनाने के पीछे पौराणिक मान्यता है कि गुरु कैलापीर देवता हिमाचल प्रदेश से गढ़वाल भ्रमण पर आए थे। बाबा बूढ़ाकेदार की धरती उन्हें इतनी पसंद आई कि उन्होंने यहीं रुकने का फैसला लिया। देवता के फैसले से क्षेत्र लोग खुशी से झूम उठे थे। उस समय लोगों ने गुरु कैलापीर के रुकने की खुशी में अपने घरों में विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाएं और रात को दीपोत्सव किया। तब से इस क्षेत्र के तीनों पट्टियों के लोग मंगशीर की बग्वाल मनाते आ रहे हैं।

बग्वाल पर क्षेत्र की ध्याणियां अपने मायके आती हैं। नाते-रिस्तदारों को भी आमंत्रित किया जाता है। रात को क्षेत्र के लोग अपने आराध्य देवता बूढ़ाकेदार मंदिर और आसपास के सेरों (सिंचित खेतों) में सामूहिक रूप से भैले खेलते हैं। दीपावली के अगले दिन क्षेत्र के लोग गुरु कैलापीर देवता के दर्शन और पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि का आशीर्वाद लेते हैं। कई जोड़ी ढोल-दमाऊं और रणसिंग की ताल और धुन पर गुरु कैलापीर के निशान को मंदिर से बाहर लाया जाता है। देवता के पश्वा देवता के निशान को लेकर सेरों में दौड़ लगाते हैं। देवता के निशान के पीछे बड़ी संख्या लोग भी दौड़ लगाते हैं। इसके पीछे मान्यता है कि देवता के निशान के साथ सेरों में दौड़ लगाने से अच्छी फसल की पैदावार होती है। गुरु कैलापीर मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह नेगी, विनोद सेमवाल, सुशील सेमवाल, धीरेंद्र नौटियाल ने बताया कि मंगशीर की दीपवाली पर्व को लेकर लोग अपने घरों में रंगाई-पुताई के काम में जुटे हैं।

संक्षिप्त खबरें

खराब मौसम के कारण दिल्ली के हवाई अड्डे पर पांच विमानों का मार्ग बदला गया

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी में खराब मौसम के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर पांच विमानों का सोमवार को मार्ग परिवर्तित कर दिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि चार विमान को जयपुर और एक विमान को देहरादून की ओर मोड़ दिया गया। राष्ट्रीय राजधानी प्रदूषण के उच्च स्तर की गिरफ्त में है, जिसके कारण शहर के विभिन्न हिस्सों में दृश्यता का स्तर भी कम हो गया है।

दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डीआईएएल) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सोमवार को तड़के एक पोस्ट में कहा, दिल्ली हवाई अड्डे पर कम दृश्यता है। वर्तमान में सभी उड़ानों का संचालन सामान्य है। डीआईएएल, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करता है। यहां से प्रतिदिन लगभग 1,400 विमानों की आवाजाही होती है। इसने यात्रियों को उड़ान संबंधी अद्यतन जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन्स से संपर्क करने की भी सलाह दी।

कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव के नेतृत्व में दिल्ली में जारी है न्याय यात्रा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में न्याय यात्रा निकाली जा रही है। इस यात्रा के तहत दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस पार्टी के नेता लोगों से मुखातिब होंगे और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की मौजूदा राजनीतिक स्थिति को कांग्रेस के पक्ष में करने का प्रयास करेंगे, ताकि आगामी चुनाव में कांग्रेस का झंडा बुलंद हो सके।यह यात्रा गत 8 नवंबर को देवेंद्र य ादव ने राजघाट से शुरू की थी। इसका समापन 4 दिसंबर को होना है। इस यात्रा में बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता शामिल होकर लोगों से संवाद स्थापित कर रहे हैं, ताकि कांग्रेस की जीत का मार्ग प्रशस्त हो सके। इस बीच, देवेंद्र यादव कांग्रेस पार्टी की जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त दिख रहे हैं। इस यात्रा को चार चरणों में संपन्न करने की पूरी रूपरेखा निर्धारित की जा चुकी है।बीते दिनों देवेंद्र यादव ने इस यात्रा के संबंध में बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था, मुझे राजधानी दिल्ली के लोगों से अपार प्यार मिल रहा है, जिसे प्राप्त करके मुझे आनंद की अनुभूति हो रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की राजनीति में यह यात्रा ऐतिहासिक यात्रा साबित होगी। वहीं कांग्रेस को विजय दिलाने की दिशा में यह यात्रा अहम भूमिका निभाने जा रही है।उन्होंने कहा था, मुझे पूरा विश्वास है कि यह यात्रा आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए बेहद ही सकारात्मक माहौल तैयार करेगी। उन्होंने कहा था, इस यात्रा के जरिए कांग्रेस एक बार फिर से अपने खोये हुए वोटों को प्राप्त करने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा था, यह यात्रा हम इसलिए निकाल रहे हैं, क्योंकि हमारी पार्टी का मुख्य उद्देश्य आम आदमी पार्टी के अन्याय से दिल्ली के लोगों को बचाना है और वो किसी भी कीमत पर बचाकर रहेंगे।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता बेहद खराब स्तर पर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में सोमवार को वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई और सुबह सात बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 481 तक पहुंच गया, जिसे बेहद गंभीर श्रेणी में रखा गया है। दिल्ली के इंडिया गेट से लेकर कर्तव्य पथ तक इसका असर साफतौर पर देखने को मिल रहा है। इस खतरनाक स्तर का स्वास्थ्य पर चिंताजनक प्रभाव पड़ता है।

आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण के विभिन्न स्तर दर्ज किए गए, नोएडा की हवा 384 एक्यूआई के साथ बहुत खराब श्रेणी में थी, फरीदाबाद में 320 एक्यूआई को खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। जबकि गाजियाबाद और गुरुग्राम को क्रमशः 400 और 446 के एक्यूआई के साथ गंभीर स्थितियों का सामना करना पड़ा।

भारतीय मौसम विभाग ने घने कोहरे के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कोहरे ने दृश्यता को काफी कम करके स्थिति को और भी खराब कर दिया है। कोहरे और जहरीली हवा के संयोजन ने उड़ान संचालन को बाधित कर दिया है, जिससे बड़े पैमाने पर देरी हो रही है। प्रदूषण पर अंकुश लगाने के कड़े उपायों के बावजूद दिल्ली धुंध में डूबी हुई है। स्थानीय लोग शहर को गैस चैंबर के रूप में बता रहे है। स्थिति बद से बदतर हो गई है और नागरिकों को जहरीली हवा में सांस लेने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ठंडी हवा के आने से स्वास्थ्य संकट बढ़ गया है।

पश्चिमी दिल्ली में सुबह की सैर करने वाले लोगों ने अपनी चिंताएं साझा करते हुए कहा, यह कोहरा नहीं, प्रदूषण है। सांस लेना मुश्किल हो गया है, खासकर 50 साल से ऊपर के लोगों के लिए। इससे पहले रविवार को, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बिगड़ती हवा के बीच सोमवार से दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के चरण-क्ष के तहत सभी कार्रवाइयां शुरू कर दी हैं। यह निर्णय जीआरएपी के संचालन के लिए गठित उप-समिति द्वारा दिल्ली-एनसीआर में प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर बुलाई गई आपातकालीन बैठक के बाद लिया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के दैनिक एक्यूआई बुलेटिन के अनुसार, रविवार को दिल्ली का दैनिक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक शाम 4 बजे 441 रहा और शाम 7 बजे यह बढ़कर 457 हो गया।

सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच को संतोषजनक, 101 से 200 के बीच को मध्यम, 201 से 300 के बीच को खराब, 301 से 400 के बीच को बहुत खराब, 401 से 450 के बीच को गंभीर और 450 से ऊपर को गंभीर से अधिक माना जाता है। बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर दिल्ली सरकार ऑफलाइन कक्षाओं को पूरी तरह बंद करने, कार्यालयों में 50% उपस्थिति और अन्य आपातकालीन उपाय जैसे फैसले ले सकती है।

भाजपा नेताओं ने मेट्रो स्टेशन पर बांटा मास्क

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने सोमवार को केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर जनता को मास्क वितरित किए। इस मौके पर इन नेताओं ने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली में हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। इसके कारण से लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि ये वायु प्रदूषण दो महीने तक सीमित नहीं हैं, इसे हल करने के लिए पूरे साल काम करने की जरूरत है।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में हालात बदतर होते जा रहे हैं। दिल्ली सरकार जिस तरह का शासन चला रही है, उससे दिल्ली के लोग परेशान हैं। धूल पर नियंत्रण करना होगा और पंजाब में पराली जलाना बंद करना होगा। वायु प्रदूषण की समस्या दिल्ली सरकार के खराब काम के कारण है, जिसका परिणाम दिल्ली की जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि भाजपा लगभग एक महीने से लगातार कह रही है कि प्रदूषण कोई मुद्दा नहीं है, हमें इस मुद्दे को हल करने के लिए पूरे साल काम करना होगा। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि ग्रैप-4 लागू हो गया है, एक्यू 475 से ऊपर है, लोग बीमार पड़ रहे हैं। हर कोई खांस रहा है। पिछले 10 वर्षों में आम आदमी पार्टी के कुशासन से लोग त्रस्त हैं। यदि ये उपाय किए जा रहे हैं और इसके बावजूद प्रदूषण नियंत्रित नहीं हो रहा है तो उन्हें धूल पर नियंत्रण करना होगा और पंजाब में पराली जलाने पर रोक लगानी होगी, जिसके बारे में वे बात नहीं कर रहे हैं।

10 साल में कितना प्रदूषण कम हुआ, दिल्ली की जनता को बताए दिल्ली सरकार : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को कहा कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण, भाजपा में दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत के शामिल होने पर प्रतिक्रिया दी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के लिए भाजपा और भाजपा शासित प्रदेशों को जिम्मेदार ठहराया है। जब इस पर दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी प्रदूषण के मुद्दे पर राजनीति कर रही हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं दिल्ली सरकार की नाकामी की वजह से आज दिल्ली की दो करोड़ जनता को जहरीली हवा में सांस लेने पर मजबूर होना पड़ा है। आज जो स्थिति है, उस पर आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री आतिशी सिर्फ अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए आरोप-प्रत्यारोप कर रही हैं। दिल्ली की शर्मनाक स्थिति पर उन्हें माफी मांगनी चाहिए। लेकिन वह पड़ोसी राज्यों पर आरोप लगा रही हैं। पंजाब में पराली दूसरे राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा जलाई जा रही है। सारे रिकॉर्ड ध्वस्त हो चुके हैं। दिल्ली की जनता समझ चुकी है कि आप किस तरह लोगों से झूठ बोल रहे हैं। आप सिर्फ अपनी विफलताओं को छिपा रहे हैं। प्रदूषण पर आप राजनीति कर रहे हैं। मैं आपके कड़ी शब्दों में निंदा करता हूं। 10 साल में दिल्ली सरकार ने कितना प्रतिशत प्रदूषण कम किया, आप दिल्ली की जनता को बताएं। दिल्ली में स्मॉग टावर पर ताला लटका हुआ है। प्रदूषण को कम करने के लिए ऑड ईवन फॉमूर्ला लेकर आए। लेकिन, इसकी वजह से दिल्ली में प्रदूषण तो कम नहीं हुआ, लेकिन, गाड़ियों की संख्या में इजाफा हो गया।

दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत ने भाजपा ज्वाइन की है। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि सभी लोग जानते हैं कि पार्टी बनाते वक्त अरविंद केजरीवाल ने क्या कहा था। भ्रष्टाचार के खिलाफ बनाई पार्टी आज एक व्यक्ति की पार्टी बन चुकी है। इस पार्टी से लोग ईमानदारी के कारण जुड़े थे। लेकिन आज यह पार्टी भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, कुमार विश्वास ने पार्टी छोड़ दी। ऐसे कई और लोग हैं, जिन्होंने आम आदमी पार्टी छोड़ दी है। कैलाश गहलोत इस पार्टी के फाउंडर मेंबर थे। उन्होंने पार्टी छोड़ दी है। क्योंकि यह पार्टी भ्रष्टाचार में डूबी है और अरविंद केजरीवाल खुद को सच्चा साबित करने में लगे हैं। यह वही केजरीवाल हैं, जिनके बारे में अन्न हजारे ने कहा था कि केजरीवाल ने उनके आंदोलन का फायदा अपनी राजनीति के लिए किया था।

आप के साथ नहीं होगा दिल्ली विधानसभा चुनाव में समझौता

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस द्वारा दिल्ली में न्याय यात्रा, दिल्ली विधानसभा चुनाव पर अरविंद केजरीवाल के बयान सहित अन्य मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। आम आदमी पार्टी के साथ क्यो कांग्रेस का गठबंधन होगा? इस सवाल पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि आप के साथ दिल्ली विधानसभा चुनाव में कोई समझौता नहीं होगा। अरविंद केजरीवाल कह रहे हैं कि यह चुनाव धर्म युद्ध होगा। इस पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि तीन चुनाव वह जीत चुके हैं और दिल्ली की जनता को ठग चुके हैं। धर्म युद्ध के नाम पर वह दिल्ली की जनता को फिर से झुनझुना दे रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि अब यह काम करने वाला नहीं है। दिल्ली में कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही न्याय यात्रा पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि न्याय यात्रा को जनता की ओर से भरपूर समर्थन मिल रहा है।

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटके पर झटका

- हर एक बुराई का बदल लेके खड़े हैं।
- हम जुर्म की दुनिया में गजल लेके खड़े हैं।।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटके पर झटका लग रहा है। सोमवार को कांग्रेस के दिल्ली देहात के बड़े नेता, पूर्व विधायक सुमेश शौकीन आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। पार्टी कार्यालय पर राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उन्हें टोपी और पटका पहनाकर उनको सदस्यता दिलाई। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम दिल्ली के शहरी इलाकों में हो रहे विकास को दिल्ली के देहात के इलाकों तक लेकर गए हैं। दिल्ली के देहात एरिया में हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर सुमेश शौकीन आम आदमी पार्टी के साथ जुड़ रहे हैं। उनके जुड़ने से दिल्ली देहात में हमारे कामों को गति मिलेगी और पूरी दिल्ली में आम आदमी पार्टी को बहुत बड़ी ताकत मिलेगी। बता दें कि इससे पहले कांग्रेस के ही बड़े नेता चौधरी मतीन अहमद आम आदमी पार्टी में शामिल हुए थे। इससे पहले, 15 नवंबर को पूर्वी दिल्ली के सीमापुरी से तीन बार के विधायक कांग्रेस के बड़े दलित नेता वीर सिंह धींगान आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। वहीं 10 नवंबर को सीलमपुर से पांच बार विधायक रहे कांग्रेस के बड़े नेता चौधरी मतीन अहमद आप में शामिल हुए थे। जबकि मतीन अहमद के बेटे और बहू भी कुछ दिन पहले कांग्रेस छोड़कर आप में शामिल हो गए थे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज दिल्ली देहात के, दिल्ली के बहुत बड़े नेता सुमेश शौकीन अपनी कांग्रेस पार्टी छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। मैं तहेदिल से उनका स्वागत करता हूं। हमारी सरकार के आने से पहले दिल्ली देहात इलाके को पूरी तरह से अनदेखा किया जाता था। वहां पर रहने वाले लोगों को नहीं लगता था कि वो दिल्ली का हिस्सा हैं। मुझे अभी भी एक वाकया याद है जब 2013 के चुनाव के पहले दिल्ली में ओले पड़े थे, 2012 में या 2013 में और फसलें खराब हो गई थीं। तो किसी ने पत्रकार ने उस वक्त की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित से पूछा कि मेडम फसलें खराब हो गईं, इस पर आपको क्या कहना है? इस पर शीला दीक्षित ने कहा कि अच्छा, दिल्ली में खेती भी होती है। तो उस वक्त की मुख्यमंत्री, जो 15 साल से मुख्यमंत्री थीं, उन्हें यह भी नहीं पता था कि दिल्ली के अंदर किसान भी रहते हैं और दिल्ली के अंदर खेती भी होती है।

अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि 2015 में जब हमारी सरकार बनी तो उसके तुरंत बाद ओले पड़े थे, खेती खराब हुई। मैं खुद गया था और बीस हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से हमने किसानों को मुआवजा दिया था। उसके बाद से दिल्ली देहात का जो विकास का सिलसिला चालू हुआ। हमने इतने सारे सीवर ट्रीटमेंट प्लांट लगाए हैं। सीवर की कनेक्टिविटी दी है। सड़कें बनाई हैं। मैं जब दिल्ली देहात जाता था तो लोगों की सबसे बड़ी डिमांड स्कूल की होती थी। हमने वहां पर बहुत शानदार स्कूल बनाए हैं। हमने बहुत सारे प्ले ग्राउंड बनाए हैं। बहुत बड़े-बड़े स्टेडियम बनाए हैं, जो दिल्ली देहात के लोगों की सबसे बड़ी डिमांड होती थी। मोहल्ला क्लीनिक बनाए हैं, अस्पताल बनाए हैं। जो विकास मेन दिल्ली देख रही थी, वही विकास हम दिल्ली देहात के लोगों तक लेकर गए हैं। उन विकास के कामों से प्रभावित होकर सुमेश शौकीन हमारे साथ जुड़ रहे हैं। मैं समझता हूं कि इनके जुड़ने से दिल्ली देहात में हमारे कामों को बल मिलेगा, उनको गति मिलेगी और ओवरऑल दिल्ली में आम आदमी पार्टी को एक बहुत बड़ी ताकत मिलेगी। मैं उनका तहेदिल से स्वागत करता हूं। वहीं, सुमेश शौकीन ने कहा कि दिल्ली देहात का जितना भी विकास का काम हुआ है, चाहे वो सड़कों की कनेक्विटी से लेकर, ग्रामीण पृष्ठभूमि में बस सर्विस, ग्रामीण पृष्ठभूमि में छोटे-छोटे सीवर ट्रीटमेंट प्लांट बनाकर दिल्ली देहात को दिल्ली से जोड़ने का काम हो, वो अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में हुआ। मैंने इस पार्टी में लोगों के काम करने के जज्बे को देखा है। अपने कार्यकाल में मैंने भी अपने लोगों के लिए काम किया।

चिकित्सीय आपात स्थिति का सामना कर रहा है उत्तर भारत : आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से में वायु प्रदूषण के गंभीर स्तर पर पहुंचने को लेकर सोमवार को चिंता जताई। आतिशी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन वाले कई राज्यों में बड़े पैमाने पर पराली जलाने की घटनाओं के कारण उत्तर भारत को चिकित्सीय आपात स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली में संवाददाताओं से मुखातिब आतिशी ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार संकट का समाधान करने के बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार की निष्क्रियता की वजह से उत्तर भारत का दम घुट रहा है। हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश जैसे भाजपा शासित राज्यों में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ी हैं, जबकि आम आदमी पार्टी (आप) के शासन वाले पंजाब में इनमें गिरावट दर्ज की गई है।आतिशी के आरोपों पर भाजपा की तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। मुख्यमंत्री ने आधिकारिक आंकड़ों की तरफ इशारा किया और दावा किया कि आप शासित पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में कमी एक प्रभावी शासन को दशार्ती है

केजरीवाल का फॉमूर्ला: 15 दिन में 65 हजार बैठकें फतह कराएंगी दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होना अभी बाकी है। लेकिन राजनैतिक दल अभी से अपनी जीत का रास्ता ढूंढने लगे हैं। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और विपक्षी दलों भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस ने जोरशोर से प्रचार भी शुरू कर दिया है। इस बीच आप के राष्ट्रीय संयोजक ने अपने नेताओं को अहम टास्क देते हुए कहा है कि यदि 15 दिनों में 65 हजार बैठकें कर लीं तो फिर जीत तय है। केजरीवाल ने 65 हजार बैठकों का फॉमूर्ला तैयार किया है। उन्होंने अपने नेताओं को पूरी दिल्ली को मथ देने का तरीका बताया है। इसके साथ ही उन्होंने कमी निकालने वालों से बहस नहीं करने की नसीहत दी है। केजरीवाल ने कहा है कि सभाओं के दौरान यदि कोई कमी निकाले तो उससे बहस नहीं करनी है, बल्कि एक और मौका मांगते हुए कहना है कि अब इसे ठीक कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, किसी से बहस नहीं करनी है, दिल जीतना है उसका। कई बार बहस तो जीत जाते हो आप, दिल हार जाते। आप बहस हार जाओ दिल जीत लो। वह आपको कुछ कह रहा है, कहिए कि हां यार बात तो तू ठीक कर रहा है। इतना कहते ही वह आपका दीवाना हो जाएगा। वह आपकी कोई कमी निकाले, वह कहे कि केजरीवाल तुम्हारा ऐसा, बोलो हां यार तू ठीक कह रहा है, हम ठीक करेंगे इसको। एक मौका और चाहिए। कई काम किए हैं, कई काम रह भी गए। सारे काम थोड़े ना पूरे होते हैं। सबका दिल जीतना है, बहस नहीं करनी, लड़ाई नहीं करनी अपने को।दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यदि संभव हो तो मंडल अध्यक्ष और अन्य नेता तीन महीने की अपने काम से छुट्टी ले लें। केजरीवाल ने कहा, पार्टी को समय देना पड़ेगा। कई लोग हैं जो फुल टाइम हैं, कई फुल टाइम नहीं हैं। अगर हो सके तो तीन महीने की छुट्टी ले लो। जो-जो छुट्टी ले सकता है ले लो।

किरेन रिजिजू ने युवाओं को समझाया वन नेशन, वन इलेक्शन का महत्व

नई दिल्ली। केन्द्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को आगामी संसद सत्र से पहले युवाओं को वन नेशन, वन इलेक्शन का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि 25 नवंबर को संसद की बैठक होने वाली है। कई विधेयक आने वाले हैं और उनका मानना है कि वन नेशन, वन इलेक्शन जैसे मुद्दे भी आने वाले हैं। रिजिजू ने यहां के हंसराज कॉलेज में विकासशील भारत एम्बेसडर युवा कनेक्ट कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने युवा छात्रों को विकसित भारत 2047 से जुड़ने की अपील की। उन्होंने आज यहां एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत एक पौधा भी लगाया। एक देश एक राष्ट्र को जरूरी मानते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश को आगे ले जाने के लिए 5 साल में एक बार चुनाव होना चाहिए। उनका मानना है कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में बनी समिति ने ह्यवन नेशन वन इलेक्शन पर अनपी रिपोर्ट दी जिसे संसद में लाया जाएगा। हमारी सरकार का भी मानना है कि एक देश, एक चुनावह्ल जरूरी है। हम एक देश हैं, हमें एक साथ वोट करना चाहिए और पूरे देश में एक ही मुद्दा चलना चाहिए। इस दौरान रिजिजू ने तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग संविधान को आगे रखते हैं लेकिन संविधान की मूल बातें और महत्व को नहीं समझते। उन्होंने बताया कि हम संविधान पर पुस्तिकाएं छाप रहे हैं। इसमें तस्वीरें होंगी, संविधान के हर अध्याय, हर हिस्से में कुछ तस्वीरें होंगी। उन्होंने भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के युवाओं का आह्वान किया। विकसित भारत 2047 वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा है। इसे प्राप्त करने के लिए कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं को कॉलेजों और स्कूलों के छात्रों के जीवन में एकीकृत किया जाना चाहिए। हंसराज कॉलेज को मातृ संस्था बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां आने का उनके लिए भावनात्मक महत्व रखता है। हंसराज कॉलेज में उन्हें प्रिंसिपल, शिक्षकों और छात्रों से मिलने का अवसर मिला। हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का बड़ी छात्र संख्या वाला एक बहुत अच्छा कॉलेज है।

ग्रैप-चार के तहत लागू प्रतिबंधों में न्यायालय की अनुमति के बिना ढील न दी जाए: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उच्चतम न्यायालय ने ग्रैप-चार के तहत उठाए जाने वाले प्रदूषण रोधी कदमों के क्रियान्वयन में देरी को लेकर दिल्ली सरकार से सोमवार को सवाल किया और कहा कि निवारक कदमों में कटौती करने के लिए न्यायालय की पूर्व अनुमति लेनी होगी।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के खतरनाक स्तर पर पहुंच जाने के बाद भी चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के चौथे चरण के तहत उठाए जाने वाले निवारक उपायों के क्रियान्वयन में देरी हुई है।

दिल्ली सरकार के वकील ने मामले की सुनवाई की शुरूआत में पीठ से कहा कि ग्रैप का चौथा चरण सोमवार से लागू कर दिया गया है और भारी वाहनों के राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

पीठ ने वकील से कहा, जैसे ही एक्यूआई 300 से 400 के बीच पहुंचता है, तो चौथा चरण लागू करना पड़ता है। आप ग्रैप के चौथे चरण को लागू करने में देरी करके इन मामलों में जोखिम कैसे उठा सकते हैं। उसने राज्य सरकार से कहा कि अदालत जानना चाहती है कि उसने प्रदूषण के स्तर में खतरनाक वृद्धि को रोकने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

पीठ ने कहा, यदि वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 से नीचे चला जाता है, तब भी हम चौथे चरण के तहत उठाए जाने वाले निवारक उपायों में ढील नहीं आने देंगे। चौथा चरण तब तक लागू रहेगा, जब तक न्यायालय इसमें ढील की अनुमति नहीं देता। पीठ ने कहा कि वह दिन के कामकाज के अंत में मामले पर विस्तार से सुनवाई करेगी। केंद्र की वायु गुणवत्ता समिति ने ग्रैप के चौथे चरण के तहत दिल्ली-एनसीआर के लिए कड़े प्रदूषण नियंत्रण उपायों की रविवार को घोषणा की, जो सोमवार सुबह आठ बजे से प्रभावी हो गए। ग्रैप के चौथे चरण के तहत ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध और सार्वजनिक निर्माण परियोजनाओं पर अस्थायी रोक शामिल है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने यह आदेश तब जारी किया, जब दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) रविवार को गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। दिल्ली में एक्यूआई शाम चार बजे 441 दर्ज किया गया, जो प्रतिकूल मौसम के कारण शाम सात बजे तक बढ़कर 457 हो गया।

आदेश के मुताबिक, आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले या स्वच्छ ईंधन (एलएनजी/सीएनजी/बीएस-श्क डीजल/इलेक्ट्रिक) का उपयोग करने वाले ट्रकों को छोड़कर किसी भी ट्रक को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आदेश के अनुसार, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), सीएनजी वाहनों और बीएस-श्क डीजल वाले वाहनों को छोड़कर दिल्ली के बाहर पंजीकृत हल्के वाणिज्यिक वाहन भी प्रतिबंध के दायरे में होंगे।

आदेश के मुताबिक, राजमार्ग, सड़क, पुल और अन्य सार्वजनिक परियोजनाओं सहित सभी निर्माण गतिविधियों पर अस्थायी रोक रहेगी। न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण पर अंकुश लगाने के उपायों को लागू करने का अनुरोध करने वाली याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने पर 14 नवंबर को सहमति व्यक्त की थी।

वाहनों की फिटनेस जांच को लेकर परिवहन विभाग ने जारी किया नया आदेश

नई दिल्ली। टैक्सियों की फिटनेस जांच अब फिर से झुलझुली से हटाकर बुराड़ी अथॉरिटी में शुरू की गई है। यह कार्य वाहन निरीक्षण इकाई (वीआईयू) को सौंपा गया है। इसे लेकर परिवहन विभाग ने एक आदेश जारी किया है, जिसके तहत फिटनेस जांच के लिए अब डीएल-1 जेड श्रृंखला के अंतर्गत पंजीकृत लगभग 35,000 पुरानी और नई टैक्सियां जांच के लिए अब बुराड़ी स्थानांतरित हो गई हैं। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली जल बोर्ड और नगर निगमों से जुड़े सभी सरकारी वाहनों की जांच भी फिर से बुराड़ी केंद्र पर होगी। दरअसल, वाहनों की फिटनेस का झुलझुली सेंटर स्वचालित है, मगर बुराड़ी में जांच मैन्युअल की जाती है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि झुलझुली केंद्र प्रतिदिन इकाई में आने वाले करीब 400 वाहनों का भार उठाने में असमर्थ है, क्योंकि केंद्र पूरी तरह से स्वचालित है, इसलिए प्रत्येक वाहन को इकाई में प्रवेश करने से लेकर बाहर निकलने तक ढाई घंटे लगते हैं। वाहनों की फिटनेस के लिए प्रतीक्षा समय 22 दिन तक जा रहा था। वहीं, खासकर सार्वजनिक सेवा वाहनों के मामले में यह एक बड़ी समस्या बन रही थी, अब कुछ श्रेणियों की कारों को बुराड़ी में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिससे झुलझुली का भार कम हो गया है। साथ ही बताया कि नजफगढ़ से करीब 12 किमी दूर इस इलाके में कानून-व्यवस्था की समस्या भी सामने आ रही है। ऐसे माफिया हैं, जो फिटनेस टेस्ट के लिए झुलझुली आने वाली टैक्सियों, बसों और भारी वाहनों से पैसे वसूलते हैं और इसी परेशानी के कारण से दो लाइसेंसिंग अधिकारियों ने इस्तीफा भी दे दिया है और कुछ माफिया के खिलाफ परिवहन विभाग ने दो एफआईआर भी दर्ज की हैं और इसी कारणों से बुराड़ी की तरह झुलझुली में भी दलाली की संस्कृति पनप रही है।

CATVISION LIMITED

CIN: L92111DL1985PLC021374
Regd. Office: H-17/202, Second Floor, Main Vikas Marg, Laxmi Nagar, Delhi - 110092
Corporate Office: A-23, Sector 57, Noida 201301, Uttar Pradesh
Tel.: +91(120) 4229116, Website: www.catvisionindia.com
Email: catvision@catvisionindia.com

NOTICE

NOTICE is hereby given that pursuant to Section 110 and other applicable provisions, if any, of the Companies Act, 2013 ("Act") (including any statutory modification(s) or re-enactment(s) thereof for the time being in force) read with Rule 20 and Rule 22 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014 (including any statutory modification(s) or re-enactment(s) thereof for the time being in force) ("Rules"), Regulation 44 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 ("Listing Regulations"), General Circular Nos. 14/2020 dated April 8, 2020 and 17/2020 dated April 13, 2020 read with other relevant circulars, including General Circular Nos. 10/2021 dated June 23, 2021 and 20/2021 dated December 8, 2021, General Circular No. 03/2022 dated 5th May, 2022, General Circular No. 11/2022 dated 28th December, 2022, General Circular No. 09/2023 dated 25th September, 2023 and General Circular No. 09/2024 dated 19 September, 2024 issued by the Ministry of Corporate Affairs, Government of India ("MCA Circulars"), Secretarial Standard on General Meetings ("SS-2") issued by the Institute of Company Secretaries of India and any other applicable law, rules and regulations (including any statutory modification(s) or re-enactment(s) thereof for the time being in force), for seeking the approval of the Members of Catvision Limited ("the Company") to transact the Business as contained in the Postal Ballot Notice dated 14th November, 2024 ("Postal Ballot Notice"), by passing the said resolutions through Postal Ballot, only by way of remote e-voting process.

In accordance with the MCA Circulars, the Company has on 18th November, 2024 completed the dispatch of Postal Ballot Notice along with the Explanatory Statement by electronic mode to those members whose names appear in the Register of Members / List of Beneficial Owners as on Friday, 15th November, 2024 ("Cut-Off Date") received from the Depositories and whose email addresses are registered with the Company/ Registrar and Share Transfer Agent / Depository Participant/ Depositories. Physical Copies of Postal Ballot Notice along with Postal Ballot Forms and pre-paid Business Reply Envelopes are not being sent to the Members for this Postal Ballot.

In terms of provisions of Sections 108 and 110 of the Act, read with Rule 20 and Rule 22 of the Rules and other applicable provisions of the Act, Regulation 44 of Listing Regulations read with Section VI-C of the Securities and Exchange Board of India Master Circular bearing reference no. SEBI/HO/CFD/PoD2/CIR/P/2023/120 dated July 11, 2023, the Company is providing the facility of remote e-voting to its Members. The Company has engaged the services of National Securities Depository Limited ("NSDL") for providing remote e-voting facility to the members of the Company. The voting period begins on Wednesday, 20th November, 2024 at 9.00 A.M. (IST) and ends on Thursday, 19th December, 2024 at 05.00 P.M. (IST). The remote e-voting module shall be disabled by NSDL thereafter.

A copy of the Postal Ballot Notice along with explanatory statement and remote e-voting instructions are available on the Company's website **www.catvisionindia.com,** NSDL's website **www.evoting.nsdl.com** and also on the website of the BSE Limited **www.bseindia.com.** Members who have not registered their email-addresses with the Company/ Registrar and Share Transfer Agent / Depository Participants / Depositories are requested to do so by following the process mentioned in the Postal Ballot Notice dated 14th November, 2024.

In case of any queries, you may refer the Frequently Asked Questions (FAQs) for Shareholders and e-Voting user manual for Shareholders available at the download section of **www.evoting.nsdl.com** or call on 022 - 4886 7000 or send a request at **evoting@nsdl.com.**

The Company has appointed Mr. Pramod Kothari (FCS-7091, COP-11532), Proprietor of M/s Pramod Kothari & Co., Company Secretaries to act as the Scrutinizer, for conducting the Postal Ballot process, in a fair and transparent manner. The Scrutinizer will submit his report to the Chairman of the Company or any other person authorized by the Chairman, and the results of the voting by Postal Ballot will be announced not later than 48 hours from the conclusion of the e-voting. The results declared along with the Scrutinizer's Report shall be communicated in the manner provided in this Postal Ballot Notice.

The results of the remote e-voting along with the Scrutinizer's Report will be hosted on the Company's website at **www.catvisionindia.com** and on NSDL's at **www.evoting.nsdl.com** for the information of the Members, besides being communicated to BSE Limited where the shares of the Company are listed.

For Catvision Limited
Sd/-
Syed Athar Abbas
Managing Director
DIN: 00770259

Date: 18th November, 2024
Place: Noida, U.P

कैलाश गहलोत ने थामा भाजपा का दामन, कहा- ईडी-सीबीआई के दबाव में आप नहीं छोड़ी

रविवार को ही उन्होंने आम आदमी पार्टी पर कई आरोप लगाते हुए इस्तीफा दिया था

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे चुके कैलाश गहलोत ने आज आखिकार भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। बीजेपी हेडक्वार्टर में आधिकारिक रूप से बीजेपी नेता मनोहर लाल खट्टर, दुष्यंत गौतम और हर्ष मल्होत्रा की मौजूदगी में बीजेपी की सदस्यता ली। रविवार को ही उन्होंने आम आदमी पार्टी पर कई आरोप लगाते हुए इस्तीफा दिया था। उइसके बाद लगातार कयास लगाए जा रहे थे कि वे भाजपा में शामिल हो सकते हैं। अब उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली है। भाजपा में शामिल होने के बाद कैलाश गहलोत ने कहा कि लोग सोचते होंगे कि रातों-रात ये फैसला ले लिया। किसी के दबाव में आकर फैसला लिया। लेकिन मैं

बता दूं कि मैंने जीवन में कभी दबाव में कोई काम नहीं किया है। सुनने में आ रहा है कि ईडी, सीबीआई के दबाव में मैंने ऐसा कर दिया, लेकिन ऐसा नहीं है। गहलोत ने कहा कि, वकालत छोड़कर मैं आम आदमी पार्टी से जुड़ा। अन्नाजी के वक्त से जुड़ा था। हजारों-लाखों कार्यकताओं ने अपनी नौकरी और काम छोड़ा। हम एक विचारधारा से जुड़े, एक पार्टी और एक व्यक्ति में हमें उम्मीद दिखी थी। लगातार दिल्लीवासियों की सेवा के मकसद से जुड़ा था, राजनीति से जुड़ने का सिर्फ यही मकसद था। उन्होंने जब अपनी आंखों के सामने जिन मूल्यों के लिए पार्टी जॉइन की थी, उनके साथ समझौता होते देख रहा हूं। कष्ट होता है। मेरी पीड़ा है और हजारों-लाखों कार्यकताओं की यही भावना है। आम आदमी की सेवा के लिए जुड़े थे, लेकिन वो सभी आम आदमी लगता है कि खास हो गए हैं। बता दें गहलोत ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को चिट्ठी लिखकर कहा था कि नया बंगला जैसे कई शर्मनाक और अजीबोगरीब विवाद हैं, जो अब सभी को संदेह में डाल रहे हैं कि क्या हम अभी भी आम आदमी होने में विश्वास करते हैं। अब यह स्पष्ट है कि अगर दिल्ली सरकार अपना अधिकांश समय केंद्र से लड़ने में बिताती है तो दिल्ली के लिए वास्तविक प्रगति नहीं हो सकती। मेरे पास आप से अलग होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है और इसलिए मैं आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। बता दें कि कैलाश गहलोत ने आप पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा था कि एक और दर्दनाक बात यह है कि लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने के बजाय हम केवल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रहे हैं, इससे दिल्ली के लोगों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करने में भी कठिनाई हो रही है। मैंने अपनी राजनीतिक यात्रा दिल्ली के लोगों की सेवा करने की प्रतिबद्धता के साथ शुरू की थी और मैं ऐसा करना जारी रखना चाहता हूं, यही कारण है कि मेरे पास किसी भी पार्टी से अलग होने का कोई विकल्प नहीं बचा है और मैं आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।

पराली जलाने के कारण उत्तर भारत में चिकित्सकीय आपात स्थिति : आतिशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को कहा कि पराली जलाने की वजह से वायु गुणवत्ता के खतरनाक स्तर पर पहुंचने के कारण उत्तर भारत चिकित्सकीय आपात स्थिति का सामना कर रहा है।

आतिशी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार प्रदूषण के मुद्दे पर राजनीति कर रही है लेकिन उसने हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। इन सभी राज्यों में भाजपा की सरकार है। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) शासित पंजाब की सराहना करते हुए कहा कि यह एकमात्र राज्य है जहां पराली जलाने के मामलों में काफी कमी आई है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में पराली जलाने के मामले बढ़ गए हैं।

आतिशी ने कहा कि दिल्ली की बिगड़ती वायु गुणवत्ता के कारण बुजुर्गों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ रहा है और बच्चों को सांस लेने के लिए इन्हेलर और स्टेरॉयड की जरूरत पड़ रही है। राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता सोमवार को अत्यधिक गंभीर श्रेणी में पहुंच गई और यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 484 दर्ज किया गया। दिल्ली में सुबह से ही ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया और सार्वजनिक परियोजनाओं पर निर्माण कार्य को रोकने सहित प्रदूषण नियंत्रण के लिए कड़े उपाय कदम उठाए गए हैं। घनी विषैली धुंध के कारण सुबह के समय दृश्यता में तेजी से गिरावट हुई।

गर्भावस्था के दौरान सीओपीडी का प्रबंधन कैसे करें?

डॉ. मंजू गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, मदरहुड हॉस्पिटल्स, नोएडा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

गर्भावस्था में क्या आप श्वसनसंबंधी समस्या का सामना कर रहे हो? सीओपीडी इसका एक कारण हो सकता हैं। सीओपीडी एक पुरानी फेफडे की बिमारी हैं। जो आपके और बच्चे के सेहत पर बुरा असर डाल सकती हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) फेफड़ों की एक तरह की बीमारी है। सीओपीडी से पीड़ित व्यक्ति को सांस लेने में लगातार कठिनाई होती है। यह वायुप्रवाह में रुकावट, सूजन और फेफड़ों को काफी नुकसान, सिगरेट पीना और हानिकारक पदार्थों के अत्यधिक संपर्क में आने जैसे कई कारकों के कारण हो सकता है। सीओपीडी जैसी फेफड़ों की बीमारी विभिन्न आदतों के कारण हो सकती है। सीओपीडी के कारण श्वसनसंबंधी समस्या, फेफडों में संक्रमण और हृदयसंबंधी बिमारी होने का खतरा रहता हैं। गर्भवती महिलाओं को सावधान रहना चाहिए क्योंकि उन्हें गर्भावस्था के दौरान सीओपीडी जैसी फेफड़ों की बीमारी होने का अधिक खतरा होता है। सीओपीडी उनकी गर्भावस्था के साथ-साथ भ्रूण पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। इसमें समय से पहले जन्म, बच्चे का वजन कम रहना और बच्चे के विकास में देरी जैसी जटिलताएँ शामिल हो सकती हैं। यही कारण है कि गर्भवती महिलाओं

के लिए सीओपीडी के जोखिम को कम करने के लिए कोशिश करना काफी जरूरी हैं।

गर्भावस्था के दौरान सीओपीडी से बचने के लिए क्या करें

ट्रिगर से बचें : कई चीजें आपके लक्षणों को ट्रिगर कर सकती हैं। यही कारण है कि आपके ट्रिगर्स की पहचान करना आवश्यक हो जाता है। ट्रिगर्स में आमतौर पर धुआँ, रूसी, धूल और पर्यावरण में मौजूद एलर्जी शामिल हो सकते हैं। गर्भावस्था के दौरान अपने घर या आस-पास को साफ रखना सीओपीडी से खुद को बचाया जा सकता हैं। उचित वेंटिलेशन के लिए अपने बेडरूम या हॉल में एयर प्यूरीफायर लगाने पर विचार करें।

प्रसवपूर्व देखभाल : गर्भावस्था के दौरान नियमित डॉक्टर के पास जाए। इससे आपको अपने फेफड़ों के कामकाज और स्वास्थ्य की निगरानी करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा कोई लक्षण दिखाई दिए तो तुरंत डॉक्टर की सलाह ले।

शारीरिक रूप से सक्रिय रहें : गर्भावस्था के दौरान शारीरिक रूप से सक्रिय रहना फायदेमंद हो सकता है। हालाँकि, किसी को अपना वर्कआउट शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। आपका डॉक्टर आपकी स्वास्थ्य स्थिति और भ्रूण का मूल्यांकन कर सकता है और उसके अनुसार सलाह दे सकता है। योग, ध्यान और लंबी सैर जैसी हल्की और कम प्रभाव वाली गतिविधियाँ आपके फेफड़ों के कार्यों को बढ़ाते हुए सक्रिय रहने में मदद कर सकती हैं। यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बेहतर बनाने में काफी फायदेमंद हो सकता है।

साँस लेने के व्यायाम: गर्भावस्था के दौरान गहरी साँस लेने के व्यायाम करना चाहिए। इससे न केवल आपले जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बना सकता हैं बल्कि आपके फेफडों के कार्यों को भी बेहतर बनाता हैं। नियमित व्यायाम से तनाव और चिंता कम करने में मदद मिल सकती हैं।

अपने लक्षणों की निगरानी करें : गर्भावस्था के दौरान सीओपीडी के लक्षणों पर नजर रखना चाहिए। खांसी, घरघराहट, सांस लेने में कठिनाई, थकान, सीने में जकड़न और सांस फूलने जैसे लक्षण दिखाई दिए तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी हैं। समय रहते बिमारी का पता चला तो इलाज करना आसान हो सकता हैं।

सलाम नमस्ते में हमारे बुजुर्ग, हमारा अभिमान कार्यक्रम की शुरूआत

नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते में हमारे बुजुर्ग हमारा अभिमान कार्यक्रम की शुरूआत की गई। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत अटल वयो अभ्युदय योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए इसका आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को आश्रय, भोजन, चिकित्सा देखभाल और मनोरंजन के अवसर जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करके उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना तथा समुदाय के क्षमता निर्माण के लिए सहायता प्रदान करके उनकी सक्रिय वृद्धावस्था को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि हमारा मानना है कि बुजुर्ग हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनकी मेहनत और संघर्ष से हमने आगे बढ़ने की प्रेरणा पाई है। यह कार्यक्रम उनके प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का एक छोटा-सा प्रयास है। वहीं भारत दादा अविनाश दवे ने कहा कि यह कार्यक्रम वरिष्ठ नागरिकों की प्रतिभा को सम्मानित करने का मंच है। जहां ताकि वे अपने अनुभव, संघर्ष और उपलब्धियों को साझा करेंगे। यह पहल न केवल बुजुर्गों को अपनी आवाज देने का मंच प्रदान करेगी, बल्कि परिवारों और समुदायों में उनके महत्व को भी रेखांकित करेगी। वहीं सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज के विभिन्न आयु वर्गो को जोड़ने का काम करेगा। यह कार्यक्रम बुजुर्गों के समस्याओं और समाधान पर केन्द्रित होगा जिनमें उनकी कहानियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाएगा। इस कार्यक्रम के दो मुख्य पात्र भारत दादा और उनकी युवा पोती लक्ष्मी होंगी। यह जोड़ी कहानियों और संवाद के माध्यम से बुजुर्ग से जुड़ी योजना और मुद्दों पर बात करेगी। उन्होंने बताया कि हमारे बुजुर्ग हमारा अभिमान कार्यक्रम सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के प्रायोजन में कम्युनिटी रेडियो एसोसिएशन द्वारा निर्मित अटल वयो अभ्युदय योजना पर आधारित है। इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के 30 सामुदायिक रेडियो पर कार्यक्रम का प्रसारण होगा जिसमें सलाम नमस्ते स्टेट मॉनिटरिंग सामुदायिक रेडियो के रूप में अपनी भागीदारी निभाएगा।

दिल्ली में फैले प्रदूषण की जिम्मेदार आम आदमी पार्टी : हरीश खुराना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता हरीश खुराना ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रदूषण को लेकर सोमवार को दिल्ली सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ह्लयह दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार का दुर्भाग्य है कि यह लोग राष्ट्रीय राजधानी की हर समस्या का जिम्मेदार दूसरे राज्यों को ठहरा देते हैं। लेकिन, अब हम इस स्थिति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं। आज की तारीख में दिल्ली में चौतरफा धुआं फैला हुआ है। आलम यह है कि हम लोग गैस चेंबर में जीने को मजबूर हो चुके हैं। लेकिन, दुर्भाग्य देखिए कि आम आदमी पार्टी की सरकार इस दिशा में कोई भी कदम उठाती हुई नजर नहीं आ रही है। ऐसे में मेरा सीधा-सा सवाल है कि आखिर ऐसी स्थिति दिल्ली में कब तक बरकरार रहेगी। उन्होंने कहा, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी लोगों को बता रही थी कि सिर्फ दिल्ली ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों में भी प्रदूषण है। लेकिन, आतिशी आपको यह समझना होगा कि दिल्ली की जनता ने आपकी पार्टी को चुनाव में विजयी दिलाकर सत्ता में पहुंचाया है, तो ऐसे में आपकी यह जिम्मेदारी बनती है कि आप दिल्ली के लोगों की समस्याओं को सुने और उसके समाधान की दिशा में कदम उठाए। दिल्ली सरकार की कार्यशैली देखिए कि वो अपनी गलती स्वीकार करने के बजाए दूसरे राज्यों को प्रदूषण का जिम्मेदार ठहरा रही है। वो कह रही है कि फलां सरकार यह कर रही है, तो फलां सरकार यह कर रही है। उन्होंने आगे कहा, आतिशी वर्तमान में पंजाब के किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली का जिक्र नहीं कर रही है, जबकि आंकड़े यह कहते हैं कि सबसे ज्यादा पराली अगर किसी राज्य में जलाए जा रहे हैं, तो वो पंजाब है।

पंजाबी बाग फ्लाई ओवर को चालू करने को दिया अल्टीमेट

- लोगों का, RWA पदाधिकारी, इखढ कार्यकर्ता का प्रोटेस्ट

संवाददाता

पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग में बनकर लगभग तैयार हो चुके फ्लाई ओवर को लोगों के लिए शुरू करने कीमांग ' लेकर आज सुबह से प्रदर्शन शुरू हो चुका है। पंजाबी बाग से पार्षद और एसडीएमसी के पूर्व डिप्टी मेयर रहे कैलाश सांकला की अगुवाई यह धरना प्रदर्शन हो रहा है। जिसमें काफी संख्या में बीजेपी के कार्यकर्ता, स्थानीय लोग और फ्हअ के पदाधिकारी भी शामिल हुए हैं। इनका कहना है, की कहा गया था कि अक्टूबर में ही शुरू हो जाएगा यह फ्लाई ओवर। उसके बाद बताया गया नवंबर में जरूर हो जाएगा। लेकिन नवंबर का महीना खत्म होने जा रहा है। पूर्व डिप्टी मेयर ने कहा कि रोजाना यहां से हजारों गाड़ियां गुजरती हैं और लाखों लोग यहां से होकर सफर करते हैं। फ्लाई ओवर शुरू नहीं होने से लोग परेशान हैं। धूल उड़ रहा है पॉल्यूशन बढ़ गया है। ट्रैफिक जाम रहता है, यह सब कब तक चलेगा। चुनाव नजदीक आने पर लाखों रुपए उद्घाटन पर खर्च करके फिर शुरू करने का इंतजार किया जा रहा है। लेकिन लोगों की चिंता नहीं है। चुनावी फायदा उठाने के लिए जानबूझकर देर किया जा रहा है।

इस प्रदर्शन में पंजाबी बाग की निगम पार्षद सुमन त्यागी, पंजाबी बाग मंडल अध्यक्ष कमल तवर, मादीपुर मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण दास पप्पी और रघुवीर नगर मंडल अध्यक्ष नीरज गुप्ता सहित कई फ्हअ के पदाधिकारी और समाजिक संस्था के लोग भी मौजूद रहे।

लखटकिया केटीएम बाइक से ताबड़तोड़ लूट की वारदात

- कीर्ति नगर, जनकपुरी, मोती नगर, मॉडल टाउन में वारदात
- मेट्रो पार्किंग में खड़ी करता था वारदात वाली बाइक
- कीर्ति नगर पुलिस ने किया सीसीटीवी से गिरफ्तार

संवाददाता

फरार्टा भरने वाली महंगी बाइक से दिल्ली के कई थाना इलाकों में स्नैचिंग/लूट की कई वारदात को अंजाम देकर दिल्ली पुलिस की नींद उड़ाने वाले एक शातिर बदमाश को उसके साथी के साथ कीर्ति नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके पास से चोरी की केटीएम बाइक भी बरामद की गई है। डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि यह कीर्ति नगर, जनकपुरी, राजौरी गार्डन, मोती नगर और मॉडल टाउन थाना इलाके में 10 वारदात को अंजाम दे चुका है। पुलिस के अनुसार 30 अक्टूबर को रमेश नगर इलाके में इन दोनों बदमाशों ने गोल्ड चेन लूटने की वारदात को अंजाम दिया था। उस मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम ने छानबीन शुरू की थी। एसीपी पंजाबी बाग विजय सिंह की देखरेख में एसएचओ संजीव ढोडी, सब इंस्पेक्टर कपिल थांगा इत्यादि की टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से बाइक के बारे में जानकारी इकट्ठा की थी। उससे पता चला कि वह बाइक मॉडल टाउन थाना इलाके से चुराई गई थी। और उसी से वारदात को अंजाम दिया जा रहा था। फिर पुलिस टीम ने राजा के बारे में पता लगाया और इसे गिरफ्तार किया गया। फिर इसकी निशानदेही पर इसके साथी सौरभ को भी पकड़ा गया। इसने केटीएम मोटरसाइकिल को इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पार्किंग में छुपा रखा था। आगे की जांच पुलिस टीम कर रही है, जिससे कि और भी इसके पुराने मामलों के बारे में पता चल सके।

नांगलोई जाट से विधायक शौकीन को आप की मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के नांगलोई जाट सीट से विधायक रघुविंदर शौकीन को आतिशी सरकार की मंत्रिपरिषद में सोमवार को शामिल किया गया। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख जाट नेता और परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत के पार्टी छोड़ने के एक दिन बाद शौकीन को मंत्री बनाया गया है। शौकीन बाहरी दिल्ली से जाट नेता हैं। गहलोत के पार्टी से नाता तोड़ लेने से हुए नुकसान की भरपाई के लिए आप ने तुरंत कदम उठाते हुए शौकीन को मंत्रिपरिषद में शामिल करने की घोषणा की। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आप के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने फैसला किया है कि शौकीन दिल्ली सरकार की मंत्रिपरिषद में मंत्री होंगे। सिसोदिया ने बताया कि शौकीन नांगलोई जाट से दो बार विधायक रह चुके हैं। इससे पहले वे दो बार पार्षद भी रहे हैं। शौकीन ने कहा कि आप हमेशा सभी समुदायों को साथ लेकर चली है। उन्होंने कहा, सबसे पहले मैं केजरीवाल और सिसोदिया समेत पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे यह मौका दिया। शौकीन ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, आप ने हमेशा सभी समुदायों को साथ लेकर चलने का काम किया है जबकि भाजपा ने हमेशा जाटों के खिलाफ काम किया है, चाहे वह किसानों का विरोध हो, पहलवानों का मुद्दा हो या हरियाणा चुनाव हो। कैलाश गहलोत के भाजपा में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर सिसोदिया ने कहा, यह उन पर निर्भर है। वह लंबे समय से हमारे साथ रहे। अगर वह भाजपा के साथ काम करना चाहते हैं तो यह उनका फैसला है। गहलोत सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

खराब मौसम के कारण दिल्ली के हवाई अड्डे पर 11 विमानों का मार्ग बदला

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में खराब मौसम के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर 11 विमानों का सोमवार को मार्ग परिवर्तित किया जबकि कई विमानों का देरी से आवागमन हुआ। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में खराब मौसम के कारण दृश्यता कम हुई जिसके चलते विमान परिचालन पर इसका असर पड़ा। एयरलाइन स्पाइसजेट और इंडिगो ने सोशल मीडिया मंच एक्स के माध्यम से यात्रियों को सूचित किया कि प्रदूषण के उच्च स्तर से जूझ रही राष्ट्रीय राजधानी में खराब दृश्यता की स्थिति के कारण उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। अधिकारी ने बताया कि 11 विमानों में से 10 को जयपुर और एक को देहरादून की ओर मोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि कुछ विमान चालकों को सीएटी-3ह्ल परिचालन के लिए प्रशिक्षण नहीं मिला था,

सीजेआई ने दिल्ली रिज क्षेत्र में पेड़ों की कटाई से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई से खुद को अलग किया

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने दिल्ली रिज क्षेत्र में सैकड़ों पेड़ों को कथित तौर पर अवैध रूप से काटने से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई से सोमवार को खुद को अलग कर लिया। इससे पहले, सेवानिवृत्त हो चुके तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले में दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना से व्यक्तिगत हलफनामा मांगा था। पीठ ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के कुछ अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने का भी निर्देश दिया था। शुरूआत में, सीजेआई खन्ना ने कहा, ह्यमैं एक बात बताना चाहूंगा कि राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (नालसा) का अध्यक्ष रहते हुए मैं पटना गया था और दिल्ली के उपराज्यपाल के साथ वहां की जेलों का दौरा किया था। इसलिए, मेरे लिए याचिका पर सुनवाई करना उचित नहीं होगाङ्क। पीठ ने इन याचिकाओं को 27 नवंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में उस पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने का आदेश दिया, जिसके सदस्य प्रधान न्यायाधीश नहीं हैं। सात नवंबर को शीर्ष अदालत ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) से दिल्ली रिज क्षेत्र में पेड़ों की कटाई से पूर्व की स्थिति बहाल करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछा था। रिज क्षेत्र में कथित तौर पर कई सौ पेड़ अवैध रूप से काट दिए गए थे। न्यायालय ने यह भी पूछा था कि प्राधिकारियों ने वहां कितना वृक्षारोपण किया है। पीठ ने पूछा था कि क्या लगाए गए पेड़ों की संख्या का पता लगाने के लिए कोई स्वतंत्र तंत्र मौजूद है। हालांकि, तत्कालीन सीजेआई चंद्रचूड़ के अंतिम कार्य दिवस 8 नवंबर को पीठ ने कोई आदेश पारित नहीं किया। रिज दिल्ली में अरावली पर्वत श्रृंखला का विस्तार है और पठारी वन क्षेत्र है। प्रशासनिक कारणों से इसे चार क्षेत्रों झ्र दक्षिण, दक्षिण-मध्य, मध्य और उत्तर झ्र में विभाजित किया गया है। चारों का कुल क्षेत्रफल लगभग 7,784 हेक्टेयर है।

निजामुद्दीन पुलिस ने हथियार के साथ बदमाश को दबोचा

संवाददाता

निजामुद्दीन थाना की पुलिस टीम ने एक शातिर बदमाश को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। इसके पास से दो मोटरसाइकिल भी पुलिस टीम ने बरामद किया है। इसकी गिरफ्तारी से 10 मामलों का खुलासा करने का दावा पुलिस ने किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान समीर खान के रूप में हुई है। यह निजाम नगर का रहने वाला है। डीसीपी रवि कुमार के निर्देश पर हेड कांस्टेबल राजपाल और कांस्टेबल राजेंद्र की टीम ने नीला गुंबद पिकेट के पास शाम के समय इसको पकड़ा। तलाशी में इसके पास से कंट्रीमेड पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किया गया। फिर इसकी निशानदेही पर दो मोटरसाइकिल बरामद किया गया। आगे की पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता बिगड़कर गंभीर प्लस श्रेणी में, ग्रैप के चौथे चरण के तहत प्रतिबंध लागू

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता सोमवार को गंभीर प्लस श्रेणी में पहुंच गई और यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 484 दर्ज किया गया। दिल्ली में सुबह से ही ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया और सार्वजनिक परियोजनाओं पर निर्माण कार्य को स्थगित करने सहित प्रदूषण नियंत्रण के कड़े उपाय लागू किए गए हैं। घने विषैले धुंध के कारण सुबह के समय दृश्यता में तेजी से गिरावट होने लगी। अधिकारियों के अनुसार, सफदरजंग हवाई अड्डे पर दृश्यता 150 मीटर रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह आठ बजे दिल्ली का एक्यूआई 484 रहा। एक्यूआई इस मौसम में अब तक का सबसे खराब स्तर पर पहुंच गया है। दिल्ली में रविवार को शाम चार बजे एक्यूआई 441 दर्ज किया गया और शाम सात बजे तक यह बढ़कर 457 पहुंच गया। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग

ने एक्यूआई 450 के पार पहुंच जाने के बाद दिल्ली व एनसीआर में चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के चौथे चरण के तहत प्रतिबंधों को लागू करने का आदेश दिया। आदेश के अनुसार, आवश्यक वस्तुओं को लाने जाने वाले या स्वच्छ ईंधन (एलएनजी/सीएनजी/बीएस-6 डीजल/इलेक्ट्रिक) का उपयोग करने वाले ट्रकों को छोड़कर किसी भी अन्य ट्रक को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईवी और सीएनजी तथा बीएस-6 डीजल वाहनों को छोड़कर, दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर-आवश्यक हल्के वाणिज्यिक वाहनों पर भी प्रतिबंध रहेगा। आदेश में कहा गया है कि आवश्यक सेवाओं को छोड़कर, दिल्ली में पंजीकृत बीएस-4 या उससे पुराने डीजल मध्यम माल वाहनों और भारी माल वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा। राजमार्ग, सड़क, फ्लाईओवर, बिजली लाइनें, पाइपलाइनें और अन्य सार्वजनिक परियोजनाओं सहित सभी निर्माण गतिविधियां निलंबित कर दी गई हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीएक्यूएम) ने एनसीआर में 50 प्रतिशत क्षमता पर ही कार्यालय संचालित करने और शेष लोगों से घर से काम करने की अनुमति देने की सिफारिश की है। दिल्ली सरकार ने सभी स्कूलों में 10वी और 12वीं कक्षा को छोड़कर अन्य सभी कक्षाओं को प्रत्यक्ष रूप से बंद करने के निर्देश दिए हैं। सीपीसीबी के अनुसार, 400 या इससे अधिक का आईक्यू गंभीर माना जाता है और इससे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता को चार अलग-अलग चरणों में वगीर्कृत किया गया है: चरण 1 खराब (एक्यूआई 201-300), चरण 2 बहुत खराब (301-400), चरण 3 गंभीर (401-450) और चरण 4 गंभीर प्लस (450 से अधिक)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 3.9 डिग्री अधिक है। अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने दिन में बहुत घना कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया है।

आम आदमी पार्टी सभी समाज को साथ लेकर चलती है : रघुविंदर शौकीन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने नया जाट कार्ड खेलते हुए कैलाश गहलोत के इस्तीफे के बाद सीएम आतिशी की कैबिनेट में रघुविंदर शौकीन को जगह दी है। रघुविंदर शौकीन पश्चिमी दिल्ली की नांगलोई जाट सीट से पार्टी के विधायक हैं। वहीं दूसरी तरफ कैलाश गहलोत ने आधिकारिक तौर पर भाजपा का दामन थाम लिया है। एक लंबा समय आम आदमी पार्टी के साथ बिताने के बाद चुनाव के समय कैलाश गहलोत अब भाजपा के साथ हैं।

दिल्ली सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रघुविंदर शौकीन का परिचय कराते हुए कहा कि यह आम आदमी पार्टी पढ़े लिखे लोगों की पार्टी है और इसमें शामिल हर आदमी में काबिलियत है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल खुद पढ़े लिखे हैं उनकी टीम पढ़ी लिखी है। रघुविंदर शौकीन सिविल इंजीनियर रहे हैं। इससे पहले दो बार विधायक और दो बार काउंसलर भी रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में इन्होंने बहुत काम किया है और साथ ही साथ दिल्ली के देहात इलाकों में इनकी काफी पकड़ है और उन्होंने काम भी किया है।

रघुविंदर शौकीन ने कैबिनेट में शामिल किए जाने पर अरविंद केजरीवाल को धन्यवाद देते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी सभी समाज को साथ लेकर चली है। जबकि भाजपा जाटों के खिलाफ रहती है। चाहे किसान आंदोलन हो या फिर पहलवानों का मुद्दा है या फिर हरियाणा में इलेक्शन हो। भाजपा ने हरियाणा में जाट और नॉन जाट करके लोगों को बांटने का काम किया। आम आदमी पार्टी ने हमेशा प्रदेश के विकास का काम किया है।

रघुविंदर शौकीन ने कहा कि मुझे जो मौका मिला है इसके लिए नागलोई की जनता आम आदमी पार्टी को धन्यवाद देगी और मैं पूरे प्रदेश में विकास का काम करता रहूंगा। मैं सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं और यही कहूंगा कि मैं पूरी ईमानदारी और सच्चाई से अपना काम करता रहूंगा। जय हिंद।

स्कूटी और बाइक चुराने वाला ऑटो लिफ्टर गिरफ्तार

संवाददाता

वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने एक शातिर ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान साहिल के रूप में हुई है। यह पहले से भी कई मामलों में शामिल रहा है। इसके पास से पुलिस टीम ने चोरी की दो स्कूटी और एक मोटरसाइकिल बरामद किया है इसकी गिरफ्तारी से तिलक नगर और सागरपुर थाना के तीन मामलों का खुलासा करने का दावा किया है। डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि एसीपी ऑपरेशन अरविंद कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर मनीष चौधरी की टीम सीसीटीवी फुटेज की मदद से ऑटो लिफ्टर के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रही थी। इस जानकारी में पुलिस को इस ऑटो लिफ्टर के बारे में इनफार्मेशन मिली पुलिस टीम ने रात के समय पैसिफिक मॉल के बैक साइड नाला रोड पर इसको ट्रैक किया। जब यह स्कूटी से जा रहा था, पकड़े जाने पर पूछताछ की गई। इसकी पहचान की गई और जिस स्कूटी से यह जा रहा था वह चोरी की निकली। फिर इसकी निशानदेही पर एक मोटरसाइकिल और दूसरी एक और स्कूटी बरामद की गई।

संक्षिप्त खबरें

ई.अलीगंज प्रखंड में आज नाम वापसी के बाद प्रत्याशियों को मिलेगा चुनाव चिन्ह

जमुई/ई०अलीगंज प्रखंड में प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स)के अध्यक्ष एवं प्रबंध समिति के सदस्यों के लिए, प्रथम चरण 26 नवंबर को अलीगंज प्रखंड के ग्यारह पंचायतों में पैक्स चुनाव होना है जिसको लेकर प्रसाशन ने पूरी तैयारी कर ली है,वहीं मंगलवार को नाम वापसी के बाद चुनाव चिन्ह आवंटित होंगे, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निवार्ची पदाधिकारी अभिषेक भारती ने जानकारी देते हुऐ बताया की मंगलवार दोपहर तीन बजे तक नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव चिन्ह का वितरण किया जायेगा। नामांकन की प्रक्रिया 11 नवंबर नवंबर से 13 नवंबर तक चली , 14 से 16 नवम्बर तक संवीक्षा की गई , 19 नवंबर तक नाम वापसी एवं चिन्ह आवंटन किया जाएगा। मतदान 26 नवंबर को होगा. पहले चरण में विभिन्न पदों के लिए मतपत्र का रंग निर्धारित विभिन्न पदों के लिए मतपत्र का रंग निर्धारित किया गया है.लाल रंग का मतपत्र अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए होगा. आसमानी रंग का मतपत्र, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति कोटि से प्रबंध समिति के सदस्य के दो पदों के लिए एक महिला उम्मीदवार एवं शेष उम्मीदवारों में से एक पुरुष अथवा अन्य महिला उम्मीदवार के नाम के सामने मुहर लगानी ह।

लक्ष्मीपुर प्रखंड अंतर्गत 10 पैक्सों में होने वाले चुनाव में नामांकन के दुसरे दिन लगी भीड़

अध्यक्ष पद पर 23 अभ्यर्थी और सदस्य पद पर 46 उम्मीदवारों ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच किया नामांकन पत्र दाखिल

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई/ लक्ष्मीपुर प्रखंड अंतर्गत मटिया, गौरा,पिड़रौन,दिग्धी, मड़ैया, ककनचौर, मोहनपुर,नजारी, हरला एवं खिलार पंचायत के नावाबांध पैक्सों में चौथे चरण में चुनाव 01 दिसम्बर को होना है और उसी दिन शाम में मतगणना भी होना है। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी प्रेम प्रकाश ने बताया कि प्राथमिक कृषि साख सहयोग समिति (पैक्स) चुनाव 2024 के लिए प्रखंड मुख्यालय में 04 काउंटर बनाया गया है। प्रथम काउंटर पर एआरओ सह लेवर इंस्पेक्टर विकास कुमार एवं अन्य कर्मीयों के साथ अध्यक्ष पद पर नामांकन पत्र जमा लिया जा रहा है। दुसरे काउंटर पर एआरओ सह प्रखंड कृषि पदाधिकारी कपिल देव पासवान के गरीमामयी उपस्थित में प्रबंध समिति सदस्य पद पर 04 पैक्सों का नामांकन पत्र जमा लिया जा रहा है। तीसरे काउंटर पर 03 पैक्स का एआरओ सह प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी तारकेश्वर मिश्र की उपस्थिति में नामांकन पत्र जमा लिया जा रहा है और चौथे काउंटर पर भी 03 पैक्स का एआरओ सह प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार की उपस्थिति में प्रबंध समिति सदस्य पद का नामांकन पत्र जमा लिया जा रहा है। पैक्स चुनाव के लिए लक्ष्मीपुर प्रखंड में 17 नवम्बर से 19 नवम्बर तक नामांकन पत्र अभ्यर्थी दाखिल करेंगे। नामांकन के दुसरे दिन सोमवार को अध्यक्ष पद पर 23 उम्मीदवारों ने अपने अपने पैक्स से नामांकन पत्र दाखिल किया है।

मटिया पैक्स से अध्यक्ष पद पर वर्तमान अध्यक्ष सह व्यापार मंडल अध्यक्ष सह जमुई,मुंगेर कोऑपरेटिव के निदेशक मुकेश यादव, हरला पैक्स से वर्तमान अध्यक्ष नरेश यादव उर्फ भगत जी की धर्मपत्नी रूणा देवी, संतोष कुमार मंडल और रंजीत कुमार यादव, मड़ैया पैक्स से सुरेन्द्र यादव,खिलार पंचायत के नावाबांध पैक्स से शरीफ यादव, विजयकांत यादव और शिवन यादव,नजारी पैक्स से ललन कुमार उर्फ ललन दास, ककनचौर पैक्स से परमेश्वर यादव और बालदेव प्रसाद यादव, मोहनपुर पैक्स से कुमारी सुलोचना और बहादुर यादव, गौरा पैक्स से राजेंद्र प्रसाद राय और कुन्दन कुमार,पिड़रौन पैक्स से विवेकानन्द सिंह, रौशन सिंह, देवेन्द्र यादव और सरिता देवी एवं दिग्धी मड़ैया से वर्तमान पैक्स अध्यक्ष सुनील कुमार यादव, रमेश कुमार सिंह और 86 वर्षीय दरोगा यादव ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। वहीं प्रबंध समिति सदस्य पद पर 10 पैक्सों में कुल 46 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है।

पैक्स चुनाव को लेकर हुई बैठक 19- 21 नवंबर तक होगा नामांकन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] सोमवार को प्रखंड कार्यालय में निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ रविजी की अध्यक्षता में एक बैठक निर्वाचन प्राधिकार के तहत झाझा प्रखंड क्षेत्र के 11 पंचायतों में होने वाले पैक्स चुनाव को लेकर आयोजित की गई। बीडीओ ने बताया कि चुनाव को लेकर 11 बूथ, पीसीसीपी 7, सेक्टर 3, एआरओ 4 बनाया गया है। बीडीओ ने बताया कि नामांकन से लेकर मतगणना कार्य तक सुरक्षा का पुख्ता इंतेजाम रहेगा।बैठक के संदर्भ में बीडीओ ने बताया कि पैक्स चुनाव को लेकर नाम निर्देशन की तिथि 19- 21 नवंबर तक समय अवधि सुबह 11 बजे से 3 बजे शाम तक सुनिश्चित किया गया। उसके बाद संवीक्षा की तिथि 22 -23 नवंबर तक रखा गया है। अभ्यर्थिता वापसी, प्रतीक आवंटन की तिथि 26 नवंबर, मतदान की तिथि 3 दिसम्बर और मतगणना की तिथि भी 3 दिसम्बर को शाम 5 बजे तक किया जाएगा। जिसने एसएचओ संजय कुमार के अलावे चुनाव के लिए चयनित सभी एआरओ शामिल हुए। प्रखंड क्षेत्र के 11 पंचायत जिसमे कनोदी, छापा, खुरण्डा, कानन, पैरगाहा, टेलवा, केशोपुर, धमना, जामूखरैया, रजला, चांय शामिल हैं। इन सभी पंचायतों में शांतिपूर्ण रूप से चुनाव को शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न करने और विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर कई बिंदुओ पर चर्चा की गई।

आयुष्मान कार्ड बनाने की आशाकर्मी को दी गई जिम्मेवारी

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] क्षेत्र में काम करने वाली आशाकर्मी को एक ओर बड़ी जिम्मेवारी स्वास्थ्य विभाग की ओर से दे दी गई है। क्षेत्र में टीकाकरण एवं अन्य कार्यो के साथ साथ आशाकर्मी को आयुष्मान कार्ड बनाने का भी काम दिया गया। इस संदर्भ में रेफरल अस्पताल झाझा में पदस्थापित बीसीएम पंकज कुमार ने बताया की वरीय पदाधिकारी के द्वारा पत्र जारी कर निर्देश लागू किया गया। इसके लिए आशाकर्मी के बीच बैठक भी रखने का निर्देश मिला है लेकिन वर्तमान में आशाकर्मी क्षेत्र में पोलियो अभियान में जुटी हुई है इसलिए आशाकर्मी को पोलियो अभियान के समापन के बाद बैठक कर उनलोगों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। बीसीएम ने आगे बताया कि क्षेत्र में वैसे लोग जिनका राशनकार्ड बना हुआ है और आयुष्मान कार्ड से वह वंचित हैं वैसे लोगों के बीच आशाकर्मी पहुंचेगी और फिर उनलोगों का आयुष्मान कार्ड बनाएगी। बीसीएम न आगे बताता की आशाकर्मी को अपने मोबाइल से ही आयुष्मान कार्ड लोगों का बनाना है। क्षेत्र में कई लोग ऐसे भी होते हैं जो अपना ओटीपी बताने से हिचकिचाहट रखते हैं तो वैसे लोग पूर्ण रूप से संतुष्ट हो जाये कि सिर्फ क्षेत्र में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए जाने वाली आशाकर्मी का सहयोग करे जिससे आयुष्मान कार्ड से वंचित लोगों का आसानी से कार्ड बनाया जा सके। बीसीएम ने कहा कि क्षेत्र में आशाकर्मी लोगों के बीच आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाएगी।

दस दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर प्रखंड के सिमरिया भिंडी पंचायत भवन पर यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के तत्वाधान में अनमोल उपहार सेवा फाउंडेशन के सहयोग से नाबार्ड संपोषित औसेफा गोटरी किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड के सदस्यों का दस दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डीडीएम नाबार्ड अभिनव कृष्ण, आरसेटी के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह, प्रशिक्षक मुकुंद कुमार सिंह, औसेफा के निदेशक देव कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। डीडीएम नाबार्ड श्री कृष्ण ने एफपीओ के सदस्यों से रूबरू होते हुए कहा कि वैज्ञानिक तरीके से बकरी पालन कर अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण रोजगार सृजन में काफी मददगार साबित होगा। उन्होंने बकरी पालने से लेकर बिक्री करने तक का लाभ के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एफपीओ द्वारा मार्केटिंग की सुविधा प्रदान करने से बकरी पालकों को सही कीमत मिलने के साथ-साथ बिचौलिए से भी मुक्ति मिलेगी। आरसेटी के निदेशक श्री सिंह ने कहा कि बकरी पालन ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण करी है। अच्छे नस्ल की बकरी पालने से सालाना लाखों की कमाई की जा सकती है। प्रशिक्षक मुकुन्द कुमार सिंह द्वारा बकरी की प्रजाति, आवास, रखरखाव, आहार, टीकाकरण, रोगों का उपचार, बकरियों का बाजार तथा बैंकिंग संबंधी जानकारी दी जाएगी।

ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर प्रवृष्टि के बाद अब स्कूली बच्चों का बनेगा यूनिक अपार आईडी

शिक्षा विभाग की तैयारी:अपार आईडी मे होगी बच्चों से संबंधित संपूर्ण जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर।राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत स्कूली बच्चों का स्वचालित स्थाई शैक्षणिक खाता पंजीकरण (अपार आईडी) बनाया जाएगा।अपार आईडी आधार कार्ड की तरह ही 12 अंकों की पहचान प्रणाली होगी।अपार आईडी स्कूली बच्चों के लिए एक यूनिक आईडी होगी।जिसमें छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक से लेकर उनसे संबधित सभी जानकारियां सम्माहित होगी।अपार आईडी पहली से लेकर बारहवीं कक्षा तक के सभी छात्र-छात्राओं की बनाई जाएगी।विभागीय निर्देश पर जिले में इसकी कवायद शुरू कर दी गई है।अपार आईडी निर्माण के लिए शिक्षा विभाग ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को नोडल अधिकारी तथा जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा को सह नोडल अधिकारी नामित किया है।अपार आईडी के लिए बीईओ नोडल अधिकारी होंगे।जबकि बीपीएम सहायक नोडल अधिकारी।वहीं डाटा इन्ट्री ऑपरेटर तकनीकी नोडल अधिकारी नामित किए गए है।प्राथमिक शिक्षा एवं समग्र शिक्षा की जमुई जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सीमा कुमारी ने बताया कि जिले में स्कूली बच्चों के अपार आईडी निर्माण की पहल तेज कर दी गई है। सभी प्रखंड साधन सेवी को इस कार्य के लिए सीआरसी/पंचायत आवंटित कर। अपार आईडी निर्माण की जिम्मेदारी दी जा रही है।विद्यालय निरीक्षणकर्ता को भी इसकी जिम्मेदारी देकर प्रतिदिन रिपोर्ट प्रखंड स्तर पर समेकित कर जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।वही जारी पत्र में बताया है कि सहमति पत्र (अनुलग्नक-1) की छपाई या फोटोस्टेट पर होने वाले व्यय का वहन वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट में यू-डायस के क्रियान्वयन अथवा चाइल्ड ट्रैकिंग प्रणाली के लिए स्वीकृत राशि से किया जायेगा। सरकारी एवं निजी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक द्वारा प्रमाण पत्र के साथ विपत्र प्रखंड संसाधन केन्द्र में समर्पित किया जायेगा, जिसे प्रखंड संसाधन केन्द्र द्वारा समेकित कर भुगतान हेतु जिला स्तरीय कार्यालय को उपलब्ध कराया जायेगा। छात्रझछात्राओं के सामान्य प्रोफाइल को अपडेट करने एवं माताझपिता अथवा अभिभावक का सहमति पत्र प्राप्त करने के पश्चात अपार आईडी जनरेट करेंगे। इस काम को सर्वोच्च प्राथमिकता 25 नवंबर तक सुनिश्चित रूप से हो जाना जरूरी है।

नव विवाहिता दहेज की बलि बेदी पर चढ़ी महज छह माह पहले हुई थी शादी

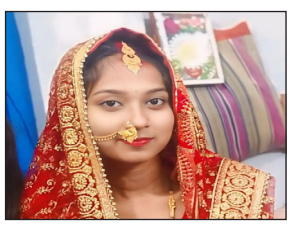

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी हरलाखी थाना क्षेत्र के हुर्राहि गांव का घटना मृतिका के परिजनो ने ससुराल वालो पर लगाया हत्या का आरोप । मृतिका की पहचान हुरार्ही गांव निवासी 20 वर्षीय चांदनी कुमारी के रूप में हुआ है। मृतिका के पिता बेता परसा गांव निवासी सुरेश दास ने बताया की इसी वर्ष 5 मई को काफी दान दहेज देकर धूम धाम से अपनी लाडली की शादी किया था ।हाथ की मेहंदी भी नहीं उड़ी दहेज दानवो ने हत्या कर दिया। माता सूर्य कला देवी का आरोप है कि शादी में उपहार स्वरूप पांच लाख रुपया, बाइक, पांच भर सोना, पचास भर चांदी,फ्रीज आदि अनेको सामान दिया. शादी के कुछ महीने ठीक ठाक से रही। बाद में पुत्री के ससुराल वाले कार के लिए पंद्रह लाख रुपया दहेज की मांग करने लगे, नही देने पर ससुराल वाला लड़के की दूसरी शादी करने का धमकी देने लगे और लड़की के साथ मारपीट करने लगा। इस मामले को लेकर कई बार पंचायत भी हुआ था। इसी बीच अहले सुबह पुत्री चांदनी के ससुराल से किसी का फोन आया कि उसकी पुत्री की हालत बहुत खराब है आनन-फानन में पुत्री के ससुराल पहुंचे। लडकी को उम गांव के एक निजी क्लिनिक ले गए जहां से मधुबनी और फिर पटना रेफर कर दिया गया। पटना में ईलाज के दौरान उसकी मौत हो गया। परिजनो का आरोप है कि मृतिका के पति श्याम दास भैसुर रामबाबू दास दियादनी अंजू देवी लड़का का मौसेरा भाई संजय दास व सास सहित अन्य लोगो ने योजना बनाकर लड़की को प्वाइजन खिलाकर हत्या कर दिया। घटना के बाद मृतिका के मायके में मातम पसरा हुआ है. परिजनो का रोते रोते बूरा हाल हो रहा है। पुलिस घटना की जांच कर रहे है। आरोपी की गिरफ्तारी नही होने से परिजनो में पुलिस के खिलाफ आक्रोश है।इसी बीच खबर को घटना को लेकर थाना प्रभारी से संपर्क साझा करना चाहे पर नहीं हो पाया खबर लिखने तक।

रेलवे क्रॉसिंग बंद किये जाने की जा रही पहल पर ग्रामीणों ने किया विरोध

रेलवे लाइन पर बेरिकेटिंग किये जाने का विरोध कर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] आसनसोल रेल डिवीजन अंतर्गत पड़ने वाले रजला हॉल्ट से पीछे स्थित हरना गांव के पास रेलवे क्रॉसिंग बंद किये जाने की कि जा रही पहल के खिलाफ सोमवार को ग्रामीणों ने इसका विरोध करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अगुवाई विनोद यादव, पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार यादव ने संयुक्त रूप से किया। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे विनोद यादव ने बताया कि हरना गांव के समीप रेलवे क्रॉसिंग के दोनो दिशाओं में रेलवे की ओर से बेरिकेटिंग किया जा रहा है जिससे रेलवे लाइन के दोनो दिशाओं में दर्जनों गांव स्थित है उनसभी लोगों को आवागमन में काफी परेशानी होगी। इसलिए ग्रामीणों की तरफ से मांग रखा गया कि अगर क्रॉसिंग के दोनो दिशाओं में बेरिकेटिंग लगाया जा रहा है तो उससे पहले हरना गांव के समीप एक ओवर ब्रीज या फिर अंडर ग्राउंड पुलिया का निर्माण कर दिया जाए जिसे लोगों की समस्याओं का समाधान हो सके। ग्रामीण संदीप यादव,धर्मेंद्र यादव, सुरेश यादव, टुनटुन साव, दिलीप यादव, बमबम यादव आदि ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि हमलोगों को मुख्यालय जाने के लिए अपने गांव से रेलवे क्रॉसिंग करके ही जाना पड़ता है। अस्पताल हो या बच्चों के लिए शिक्षा ग्रहण करना, इस क्षेत्र के दैनिक मजदूर हो या अन्य लोगों का गांव से जाने के लिए रेलवे क्रॉसिंग का ही सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में अगर रेलवे क्रॉसिंग बंद कर दिया जाएगा तो हमलोगों का आवागमन प्रवाहित हो जाएगा और हमलोगों के सामने कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।अगर ग्रामीणों की मांग पर रेलवे के अधिकारियों ने पहल नही किया तो हमलोग डिवीजन के वरीय रेल पदाधिकारी से मुलाकात करेंगे और समस्या के समाधान को लेकर अपनी मांगो को रखने का काम करेंगे।

बेहतर काम करने वाले सरकारी विद्यालयों के शिक्षक हर माह किए जाएंगे पुरस्कृत

- सभी प्रखंडों में बेहतर काम करने वाले एक-एक शिक्षक को मिलेगा पुरस्कार

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। शिक्षा विभाग की ओर से प्राथमिक,मध्य,माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षणिक स्थिति सुधारने के लिए पहल की गई है। सरकारी स्कूलों में प्रखंड स्तर पर बेहतर काम करने वाले पहली से 12वीं तक के शिक्षकों के साथ ही प्रधान शिक्षक व प्रधानाध्यापकों को हर महीने पुरस्कृत किया जाएगा। इसके लिए अगले महीने की 10 तारीख तक ई- शिक्षा कोष पोर्टल पर अपनी उपलब्धि अपलोड करनी होगी। मासिक पुरस्कार हर महीने सभी प्रखंडों में बेहतर काम करने वाले एक-एक शिक्षक को दिया जाएगा। इसको लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशक में मासिक शिक्षक पुरस्कार योजना की जानकारी सरकारी स्कूलों के सभी शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों को दी है। साथ ही अधिक से अधिक आवेदन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कहा है। इच्छुक शिक्षक को प्रत्येक महीने अपनी उपलब्धि से संबंधित प्रतिवेदन के साथ डाटा और फोटोग्राफ पोर्टल पर अपलोड करना होगा। जिलास्तर पर सभी को किया जाएगा पुरस्कृत जिला शिक्षा विभाग कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार मासिक शिक्षक पुरस्कार योजना की शुरूआत विभाग द्वारा नवंबर से ही कर दी गई है। यानी पहला पुरस्कार दिसंबर में मिलेगा। नवंबर में शिक्षक जो भी विशेष कार्य करेंगे,उसका आवेदन 10 दिसंबर तक करना होगा। 30 नवंबर तक की उपलब्धियां का प्रतिवेदन आवश्यक फोटोग्राफ के साथ पोर्टल पर सबमिट करना होगा। इसके आधार पर सभी प्रखंडों से सबसे बेहतर काम करने वाले शिक्षक या प्रधानाध्यापक का चयन किया जाएगा। जिला स्तर पर सभी को पुरस्कृत किया जाएगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि शिक्षकों को पुरस्कृत करने के लिए विभाग ने 12 सूचक तैयार किए हैं। इसकी जानकारी शिक्षक को खुद ही देनी है। मासिक शिक्षक पुरस्कार के लिए बीईओ के माध्यम से सभी प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को जागरूक किया जाएगा, ताकि वे समय से पोर्टल पर आवेदन कर सके।

सीपीएम विभूतिपुर उत्तर का दो दिवसीय शाखा सम्मेलन संपन्न

- शाखा सम्मेलन में 18 सदस्यीय लोकल कमिटी सदस्य का हुआ चयन

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) लोकल कमेटी विभूतिपुर उत्तर का सत्रहवा लोकल सम्मेलन के दूसरे दिन का सांगठनिक सत्र मनोज कुमार नगर यशोदा स्वरूप पब्लिक स्कूल केराई सरपत्ती में सिया प्रसाद यादव,शशिकांत झा और जागेश्वर महतो की अध्यक्षता में प्रारम्भ हुआ।सर्वप्रथम पार्टी के केन्द्रीय कमेटी सदस्य अवधेश कुमार ने सम्मलेन का विधिवत उद्घाटन किया।अपने सम्बोधन में उन्होंने भारत में कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना काल से वर्तमान इतिहास के बारे में बताया।देश और राज्य की वर्तमान राजनैतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आजादी के बाद देश और राज्य सरकार की गलत नीति के कारण देश की स्थिति बदतर होती गई। बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है। उन्होंने जनता के जन कल्याणकारी मुद्दों पर संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। वहीं सर्वसम्मति से श्याम किशोर कमल, अरविन्द कुमार दास, शशिकांत झा, सिया प्रसाद यादव, क्रान्ति कुमार, जागेश्वर महतो, शंभु कुमार यादव, रघुनंदन सिंह, विद्यानन्द विद्यार्थी, राजेश कुमार, दिलीप कुमार पंजियार, राधेश्याम पासवान, उमेश दास, वासुदेव पोद्दार, कुमारी किरण कमल, अब्दुल जब्बार मंजर, रामज्ञान महतो, ललन सिंह को अट्ठारह सदस्यीय नई लोकल कमेटी के सदस्य के रूप में चयनित किया गया। वहीं सर्वसम्मति से श्याम किशोर कमल पुनः लोकल सचिव चुने गए। जिला सम्मेलन के लिए एकतीस सदस्यों का चयन किया गया। प्रमाण समिति के संयोजक क्रान्ति कुमार ने प्रमाण समिति के प्रतिवेदन को प्रस्तुत किया। वहीं सम्मलेन के समापन सत्र को स्थानीय विधायक अजय कुमार ने सम्बोधित करते हुए कहा कि पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत करके जनता की ज्वलंत समस्याओं का हर स्तर से निदान किया जाएगा। सम्मेलन में पर्यवेक्षक के रूप में राज्य कमेटी सदस्य राम दयाल भारती, जिला सचिव रामाश्रय महतो तथा जिला सचिव मंडल सदस्य सत्यनारायण सिंह मौजूद थे।

कार्तिक मास की समाप्ति के साथ ही बाबा झुमराज मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का जन सैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : कार्तिक मास की समाप्ति और अगहन मास कि शुभारंभ होते ही जमुई जिले के प्रसिद्ध बाबा झुमराज मंदिर बटिया में श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा । बिहार , झारखंड , पश्चिम बंगाल आदि राज्यों से आये यात्रियों से भरी छोटी बड़ी वाहनों पर सवार एन एच 333 से बाबा झुमराज मंदिर तक जाम की स्थिति बनी रही । धार्मिक न्यास पार्षद पटना के द्वारा गठित नई कमेटी के सदस्यों द्वारा यात्रियों के लिए विशेष व्यवस्था देखा गया । कमेटी सदस्यों को माइकिंग के द्वारा यात्रियों को समुचित साधन ओर उचित व्यवस्था की जानकारी देते हुए देखा गया , तो कहीं वाहनों की लगी कतारों को व्यवस्थित करते देखा गया । इधर मंदिर में पुजा अर्चना करने आने वाले यात्रियों द्वारा मंदिर की उत्थान के लिए यथा शक्ति सहयोग राशी देते हुए देखा गया है । नई कमेटी के सदस्यों द्वारा सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है , जहाँ पर कमेटी सदस्य मंदीर परिषर की निगरानी ध्यान पुर्वक करते देखा गया है । कमेटी के सचिव राकेश कुमार सिंह , कोषाध्यक्ष श्री लल्लू प्रसाद बरनवाल , उपाध्यक्ष आशीष बरनवाल सहित अन्य सभी सदस्यों को यात्रियों की सुविधा मे बड़ी मशक्कत करते देखा गया है । भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कमेटी सदस्यों द्वारा तकरीबन दो दर्जन से अधिक भोलेंटियर की व्यवस्था की गई थी । मौके पर उपस्थित कमेटी के सचिव राकेश कुमार सिंह ने बताया कि कार्तिक मास मे बाबा झुमराज मंदीर मे पुजा पर रोक लगा दी गई थी , जिस कारण कार्तिक मास की समाप्ति ओर अगहन मास की शुभारंभ के प्रथम सोमवार को बड़ी संख्या में यात्री बाबा झुमराज का दर्शन करने पहुंचे । कोषाध्यक्ष लल्लू प्रसाद बरनवाल ने बताया कि नये कमेटी सदस्यों द्वारा मंदिर की विकास के लिए काफी सजगता से काम रही है । जिसमें सर्व प्रथम मंदिर के प्रांगण मे मार्बल बिछाने का कार्य शुभारंभ कर दिया गया है , जो अंतिम चरण पर है । साथ ही पैयजल की समुचित व्यवस्था की गई है , शेष बचे स्थानीय सभी दुकानदारों को भी बहुत ही जल्द पैयजल की आपुर्ति कर दिया जायेगा । कोषाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने बताया कि यात्रियों मे खासकर महिलाओं के लिए शौचालय एवं स्नान घर की व्यवस्था के लिए कमेटी सदस्य लगी हुई है जिसे अविलंब पुरा कर लिया जायेगा ।

जिलाधिकारी ने पैक्स चुनाव 2024 को लेकर विभिन्न कोषांगों के नोडल अधिकारियों के साथ की समीक्षात्मक बैठक तथा दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार 18 नवम्बर को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष आगामी पैक्स निर्वाचन 2024 की तैयारी से संबंधित विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई तथा आवश्यक निर्देश दिये गये । बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी महोदया ने प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी को 22 नवंबर 2024 तक मतदान दल एवं गश्ती दल को प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से देने तथा मतदान दल को मतपेटीकाओं को हस्तगत कराते मतपेटीकाओं समय खोल कर देखने का निदेश दिया ताकि मतदान केंद्र पर समस्या उत्पन्न ना हो । जिला निर्वाचन पदाधिकारी महोदया ने मानव प्रबंधन कोषांग के नोडल पदाधिकारी को मतदान दल के कर्मियों का रेन्डमैजिशियन शाम 4:00 बजे अपराह्न तक कर लेने का निर्देश दिया तथा 18 नवंबर एवं 19 नवंबर तक अनिवार्य रूप से सभी मतदान दल को द्वितीय नियुक्ति पत्र व गश्ती दल का प्रथम नियुक्ति पत्र संबंधित पदाधिकारी को भेजने का निर्देश दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी महोदया ने वाहन कोषांग के नोडल पदाधिकारी को मतदान दल, गश्ती दल, दंडाधिकारी एवं सेक्टर पदाधिकारी को ससमय वाहन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया इसके अलावा सभी प्रखंडों से वाहन की उपलब्धता एवं ईंधन आपूर्ति से संबंधित समन्वय सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी से करने का निदेश दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी महोदया ने मतपेटिका एवं सामग्री कोषांग के नोडल पदाधिकारी को प्रखंडों में भेजे गए मतपेटिकाओं का सुरक्षित भंडारण हो इसका सत्यापन अपने स्तर से करने का निर्देश दिया गया ' साथ ही प्रत्येक मतदान केंद्र /मतगणना केंद्रों पर उपलब्ध कराई जाने वाली सामग्री तथा कुल लागत के साथ चेक लिस्ट तैयार कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया ' इसके अलावा उन्होंने जिला कल्याण पदाधिकारी के सहायतार्थ सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को लगाने हेतु निर्देशित किया गया । जिला निर्वाचन पदाधिकारी महोदया ने मतपत कोषांग के नोडल पदाधिकारी को चयनित प्रेस का अधिग्रहण करते हुए दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति से संबंधित पत्र अभिलंब निकालने हेतु निर्देश दिया गया तथा सभी प्रखंडों से समन्वय स्थापित करते हुए ससमय विधि मान्य अभ्यर्थियों की सूची एवं प्राप्त करने हेतु निर्देश दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी महोदया ने शिकायत एवं अनुश्रवण कोषांग को निदेशित किया गया कि एक मोबाइल नंबर प्रकाशित किया जाए, ताकि आम नागरिकों के द्वारा पैक्स निर्वाचन से संबंधित सूचना प्राप्त हो सके ' साथ ही उन्होंने निदेश दिया की एक कर्मठ एवं सुयोग्य कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति अपने स्तर से करे, जो प्राप्त शिकायतों को निर्धारित ग्रुप में भेज सके तथा उसका जवाब ससमय दे सके। जिला निर्वाचन पदाधिकारी महोदया ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा मतदान केंद्रों के अनुसार भेजे गए मतगणना टेबल को अपने स्तर से आकलन करने हेतु उप विकास आयुक्त जमुई को निदेश दिया गया।

संकट के बादलों में फंसे सुखबीर बादल

पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष पद से सुखबीर बादल के इस्तीफे की खास चर्चा नहीं हुई क्योंकि इस समय ये क्षेत्रीय दल पंजाब और देश की राजनीति मेंपहले की तरह प्रासंगिक नहीं रहा। देश में भी इस समय सुर्खियों में महाराष्ट्र और झारखण्ड के विधान सभा चुनावों का भी जोर है। लेकिन अकालियों की राजनीति में आज भी यही एक ऐसा क्षेत्रीय दल है जिसे पंजाबियों का अलमबरदार कहा जा सकता है। अपनी स्थापना के 104 साल पूरे करने वाले इस दल के सबसे बुरे दिन शायद आजकल ही हैं। खबर आई है कि अकाल तख्त की ओर से तनखैया घोषित किए जाने के करीब 2 महीने बाद पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता दलजीत सिंह चीमा ने बताया कि बादल ने पार्टी की कार्यसमिति को अपना इस्तीफा सौंप दिया। बादल के इस्तीफे से नए पार्टी प्रमुख के चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। मजे की बात ये है कि पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने से कुछ दिन पहले बादल ने खुद अकाल तख्त के जत्थेदार से धार्मिक कदाचार के आरोपों में उन्हें सजा सुनाने का आग्रह किया था। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने 2007 से 2017 तक अकाली दल और उसकी सरकार की ओर से की गई गलतियों के लिए बादल को 30 अगस्त को तनखैया घोषित किया था। सुखबीर बादल पर आरोप है कि बादल की कथित गलतियां पंथ की छवि को गहरा नुकसान पहुंचाने और सिख हितों को नुकसान पहुंचाने वाली थीं। इसमें 2015 की बेअदबी की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित करने में विफलता और 2007 के ईशनिंदा मामले में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को माफ करना शामिल है। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल पर 1996 से ही बादल परिवार काबिज है। पहले सुखबीर सिंह बादल के पिता स्वर्गीय प्रकाश सिंह बादल दल के अध्यक्ष हुआ करते थे, वर्तमान में पार्टी के अध्यक्ष पद .पर सुखबीर सिंह बादल थे। बादल को अपने नेतृत्व के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि पार्टी का चुनावी प्रभाव तेजी से कम हो रहा है. साल 2022 से विधानसभा चुनावों में यह रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया, जब पार्टी पंजाब में सिर्फ तीन सीटें ही जीत पाई. इस साल हुए लोकसभा चुनाव में अकाली दल का वोट प्रतिशत घटकर 13.4 प्रतिशत रह गया, जो 2019 में 27.5 प्रतिशत था। साथ ही अकाली दल राज्य की 13 लोकसभा सीटों में से सिर्फ एक पर जीत हासिल कर पाया। आज पंजाब में शिरोमणि अकालीदल कि हैसियत उत्तर प्रदेश में बसपा कि हैसियत जैसी हो चुकी है। आमतौर पर ये माना जाता है कि सुखबीर सिंह बादल, उनके पिता प्रकाश सिंह बादल और यहां तक कि सुखबीर के दादा का भी सिस्टम से लड़ने का इतिहास रहा है। सुखबीर के कार्यकाल में राज्य में सड़क नेटवर्क, अतिरिक्त बिजली आदि के मामले में उल्लेखनीय विकास हुआ। जब 2012 में अकाली-भाजपा गठबंधन ने पंजाब में दोबारा अपना कार्यकाल पूरा करके इतिहास रचा, तो इसका सारा श्रेय सुखबीर को ही दिया गया। सुखबीर सिंह बादल को राजनीती विरासत में मिली है। सुखबीर के पिता प्रकाश सिंह बादल शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष और पंजाब के मुख्यमंत्री भी रहे। वे जनता शासन में केंद्र में मंत्री भी रहे। प्रकाश सिंह बादल ने अपना पहला विधानसभा चुनाव वर्ष 1957 में जीता था। 1969 में वह दोबारा विधानसभा चुनाव में जीत गए।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने की मांग

अनेक अनुसंधान एवं शोध में बताया गया है कि ध्यान एवं योग करने वाले व्यक्तियों की मनोविज्ञान में असाधारण रूप से परिवर्तन होता है। ऐसे व्यक्तियों में घबराहट, उत्तेजना, मानसिक तनाव, उग्रता, मनोकायिक बीमारियां, स्वार्थपरता और विकारों में कमी पाई गयी हैं तथा आत्मविश्वास, सहनशक्ति, स्थिरता, कार्यदक्षता, विनोदप्रियता, एकाग्रता आदि गुणों में वृद्धि देखी गयी है। ये ध्यान-साधना एवं योग में प्रत्यक्ष लाभ अनुभूत किये गये हैं जो तरह-तरह की बीमारियों पर नियंत्रण का सशक्त माध्यम है। इसीलिये आधुनिक बीमारियों को परास्त करने के लिये इन गुणों युक्त जीवनशैली को अपनाया जाना चाहिए। सम्पूर्ण आस्था एवं विश्वास के साथ जीवनरूपी प्रयोगशाला में इसे प्रायोगिक रूप देकर जीवन में तरह-तरह की बीमारी रूपी-राक्षस को निस्तेज करके जीवन में आनन्द का अवतरण किया जा सकता है।

ललित गर्ग
लेखक

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करने की मांग वाली एक याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया था। यह मांग बिल्कुल प्रासंगिक एवं भारत के पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास है। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। आज जबकि देश में लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इजाफा हुआ है। सरकार को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए काम करते हुए एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की समृद्ध एवं शक्तिशाली परम्पराओं यानी योग, आयुर्वेद आदि को बल दे रहे हैं। वे आधुनिक चिकित्सा को सस्ता एवं जनसुलभ बनाने के लिये भी योजनाएं ला रहे हैं। इन्हीं सन्दर्भों में सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों दायर इस याचिका में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग समयोचित एवं सूझबूझभरा प्रयास है। ऐसा करने से जहां एक बड़ी आबादी को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगी, वहीं पारंपरिक चिकित्सा को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती एवं सुगम हैं। इसके लिए ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है। इससे न सरकार पर ज्यादा बोझ आएगा और न जनता पर, बल्कि स्वास्थ्य बीमा का विस्तार होने से देश की कुल चिकित्सा लागत में कमी ही आएगी। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना या आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। लगभग 55 करोड़ लोग इसके दायरे में आते हैं। लेकिन एक बड़ी आबादी अब भी इसके लाभ से छूटी हुई है। पारंपरिक चिकित्सा और भी लोगों को जोड़ सकती है। इसको तेजी से विकसित कर व्यक्ति-व्यक्ति एवं घर-घर पहुंचाया जा सकता है। पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए सरकार ने काम शुरू कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर यह भी देखा जा रहा है कि किस तरह से भारत का पारंपरिक ज्ञान दुनिया को सेहतमंद रखने में योगदान दे सकता है। इस दिशा में रिसर्च और इनोवेशन पर ध्यान दिया जा रहा है। याचिका में उठाई गई मांग को पूरा करके सरकार अपने काम को ही आगे बढ़ाएगी एवं दुनिया के लिये एक स्वास्थ्य उजाला करेगी। दुनिया में आयुर्वेद एवं योग दोनों की मांग बढ़ रही है। बाजार की दृष्टि से देखें, तो इसकी ग्रोथ रेट 15 प्रतिशत से अधिक है। साल 2014 में आयुष का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 2.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 2020 में बढ़कर 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। अमेरिका और यूरोप समेत 100 से अधिक देशों में भारत के हर्बल प्रॉडक्ट एवं आयुर्वेद इलाज पहुंच रहा है। आयुष्मान भारत के तहत इसे लाने से इसमें और तेजी आएगी। मांग बढ़ेगी तो जाहिर है कि उत्पादन भी बढ़ाना होगा। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बनेंगे, आर्थिक प्रगति होगी। भारत के आयुर्वेद का दुनिया बाजार बनेगी। इससे निश्चित ही भारत के दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने को बल मिलेगा। आयुर्वेद को दुनिया भर में स्वीकृत सबसे पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में से एक माना जाता है। आयुर्वेद में, पौधों, खनिजों, पशुओं से प्राप्त उत्पादों, आहार, व्यायाम, संयमित जीवनशैली और प्राकृतिक जीवन को शामिल किया जाता है। आयुर्वेद की शुरूआती अवधारणाएं अथर्ववेद में बताई गई हैं। इस पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में प्राचीन ज्ञान का अभी भी पूरी तरह से पता नहीं लगाया गया है। विभिन्न पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के समृद्ध ज्ञान के संगम से हर्बल दवा खोज प्रक्रिया में नए रास्ते खुल सकते हैं। इन प्रणालियों के सैद्धांतिक सिद्धांतों के बीच अंतर और समानता की समझ की कमी, पौधों पर आधारित दवाओं की खोज में अन्य बाधाओं के अलावा उनके अभिसरण की दिशा में सबसे बड़ी बाधा है। इस समीक्षा का उद्देश्य आयुर्वेद के सदियों पुराने इतिहास और बुनियादी सिद्धांतों को सामने लाना है। इससे नवोदित विद्वानों, शोधकताओं और चिकित्सकों को पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की गहरी समझ हासिल करने, समानताओं को मजबूत करने और ऐसी औषधीय प्रणालियों की वैश्विक स्वीकृति और सामंजस्य की चुनौतियों को दूर करने में मदद मिलेगी। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति सदियों से आज तक जीवित और समृद्ध रही है। इस प्रकृति आधारित चिकित्सा के विशाल ज्ञान, मानव शरीर की संरचना और प्रकृति के साथ कार्य करने के संबंध और ब्रह्मांड के तत्व में समन्वय में कार्य करते हैं और जीवित प्राणियों को प्रभावित करते हैं, के साथ यह प्रणाली आने वाले युगों में भी समृद्ध होने की संभावनाओं को ही उजागर कर रही है। शोधकताओं, चिकित्सकों और क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा अभी भी कई रास्ते तलाशे जाने बाकी हैं ताकि इस ज्यादा सुरक्षित, कारगर एवं कम खचीर्ली पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को जीवंत बनाकर स्वास्थ्य की चुनौतियों को कमतर किया जा सके। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में से हर साल लगभग 58 लाख लोगों की मौत होती है। इनसे बचाव में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति कारगर साबित हो सकती है। केंद्र ने कुछ अरसा पहले ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को भी शामिल करने की मंजूरी दी थी। पारंपरिक चिकित्सा बढ़ती बुजुर्ग आबादी की जरूरतों को भी बेहतर तरीके से पूरा कर सकती है। आयुर्वेद दवाओं के साथ-साथ असाध्य बीमारियों को दूर करने में सहज, प्रकृतिमय और चिन्तामुक्त जीवन, शुद्ध वातावरण, शुद्ध हवा-पानी, सात्विक-संतुलित आहार और भरपूर मेहनत को बल दिया जाता है। महानगरों की भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में आदमी मात्र मशीन बनकर रह गया है। अपने स्वास्थ्य के बारे सोचने एवं समझने का समय भी उसके पास नहीं है। विकास की तीव्र गति से उपजी अति तनावपूर्ण जीवनशैली एवं प्रतिस्पधाओं ने चिन्ता एवं तनावों को जन्म दिया है, जो आधुनिक बीमारियों को बढ़ाते हैं।

पाकिस्तान कत्तई न जाए भारतीय क्रिकेट टीम

पृथकतावादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), जिसने हाल के वर्षों में पाकिस्तान में विकास परियोजनाओं में शामिल चीनी नागरिकों पर बार-बार हमले किए हैं, ने कहा है कि उसने हमला किया है। इसने कहा कि उसने कराची हवाई अड्डे से आ रहे चीनी इंजीनियरों और निवेशकों के एक काफिलेह्व को निशाना बनाया। यह हमला उस वक्त हुआ है जब पाकिस्तान शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा था। यह भी याद रखा जाए कि चीनियों पर हमला उस वक्त हुआ था जब वहां इंग्लैंड की क्रिकेट टीम टेस्ट मैच खेल रही है।

डॉ. आर.के. सिन्हा
लेखक

भारत ने साफ कर दिया है कि उसकी क्रिकेट टीम आगामी साल पाकिस्तान में होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग नहीं लेगी। इस तरह से उसने दुनिया को एक सख्त और स्पष्ट संदेश दे दिया है कि जब तक पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद जारी रहेगा, तब तक भारत अपने पड़ोसी मुल्क के साथ अन्य क्षेत्रों में भी सामान्य व्यवहार का दृष्टिकोण नहीं रख सकता। भारतीय क्रिकेट टीम का पाकिस्तान में क्रिकेट न खेलना एक जटिल मुद्दा है, जिसके राजनीतिक और सुरक्षात्मक दोनों पहलू हैं। आपको इस तरह के कई पिलपिले तर्क देने वाले मिल जाएँगे कि खेल को राजनीति से अलग रखना चाहिए। क्रिकेट के माध्यम से दोनों पड़ोसियों के बीच संबंध बेहतर हो सकते हैं। खेल प्रशंसकों को एकजुट करता है और सद्भावना का संदेश देता है। तो क्या हम इस काल्पनिक सद्भावना के लिये अपने लोकप्रिय खिलाड़ियों की जान खतरे में डाल दें? पाकिस्तान में आतंकवाद की घटनाएं थमने का नाम ही नहीं ले रही हैं। हाल के दौर में वहां पर दर्जनों चीनी नागरिकों और सेना के जवानों का कत्ल हो चुका है। पाकिस्तान में कई आतंकी संगठन सरकार के खिलाफ बागी तेवर अपनाते हुए आतंकी घटनाओं को अंजाम देने में खुलेआम लगे हुए हैं। क्या इन परिस्थितियों में हमें अपनी टीम को सीमा के उस पार भेजना चाहिए? कहना न होगा कि इस तरह का कोई भी कदम बहुत महंगा पड़ सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से राजनीतिक तनाव चल रहा है, जिसके कारण दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य नहीं हो सके, न तो होने की कोई संभावना ही दिख रही है। इसलिए, सुरक्षा चिंताएं एक महत्वपूर्ण कारण हैं, राष्ट्रहित में लिये गए इस निर्णय का! पाकिस्तान में सुरक्षा की स्थिति कभी भी स्थिर नहीं रहती। इसलिए भारतीय खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता करना लाजिमी है। यह याद रखना होगा कि कुछ साल पहले पाकिस्तान में श्रीलंका की क्रिकेट टीम पर भीषण हमला लाहौर शहर में हुआ था। श्रीलंका की क्रिकेट टीम पर यह हमला 3 मार्च 2009 को हुआ था, जब लाहौर में गद्दाफी स्टेडियम के पास एक बड़े काफिले का हिस्सा श्रीलंकाई क्रिकेटरों को ले जा रही एक बस पर 12 बंदूकधारियों ने गोलीबारी की थी। क्रिकेटर पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन खेलने के लिए जा रहे थे। उस घटना को सारी दुनिया ने अपने टीवी सेटों और मोबाइल सेटों पर देखा था। भारत यूं ही पाकिस्तान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप नहीं लगाता। पाकिस्तान ने भारत पर बार-बार प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से आतंकवादी हमले किये है। पाकिस्तान ने ही 1948, 1965, 1971 और कारगिल के युद्ध शुरू किए। यह अलग बात है कि उसे हर बार कसकर मार पड़ी। पर वह तो एक नंबर का धूर्त है। उसे मार खाने में ही आनंद आता है। हालांकि यह भी सच है कि पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद ने भारत पर गहरा प्रभाव डाला है।

दशकों से, विभिन्न आतंकवादी समूहों ने भारत में कई आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया है, जिससे बड़ी संख्या में निर्दोष लोगों की मौत हुई है और सैकड़ों को चोटें लगी हैं और बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है। इन हमलों के परिणामस्वरूप भारत को व्यापक आर्थिक नुकसान हुआ है। मुंबई पर हुए 2008 के आतंकवादी हमलों में हुए नुकसान का आंकलन करना मुश्किल है, क्योंकि; इसमें मानवीय और आर्थिक दोनों तरह के नुकसान शामिल हैं। मुंबई हमलों में 164 से ज्यादा लोग मारे गए, जिसमें कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे। सैकड़ों लोग घायल हुए, कई को गहरी चोटें आईं। उस भयावह हमलों के बाद मुंबई पहले की तरह कभी नहीं हुई। हमलों का उन लोगों पर गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ा जो जीवित बचे, उनके परिवारों और समूचे शहर पर। अगर आर्थिक नुकसान की बात करें तो हमलों से संपत्ति को व्यापक नुकसान हुआ, जिसमें होटल, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थान शामिल हैं। मरम्मत और पुनर्निर्माण की लागत का सटीक आकलन तो नहीं किया जा सकता। पर्यटन उद्योग पर भारी प्रभाव पड़ा, जिससे व्यापार में गिरावट आई और सैकड़ों की नौकरियां चली गईं। यह आर्थिक नुकसान दीर्घकालिक था। सारी दुनिया जानती है कि हमला पाकिस्तान के आतंकी संगठनों से किया था। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान में होना है। भारत ने लाहौर में अपने सभी मैचों को दुबई में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है, क्योंकि भारतीय सरकार अपनी टीम को पाकिस्तान में खेलना नहीं चाहती। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद से लड़ने और साथ ही सामान्य व्यवहार को अपनाने की दोहरी नीति नहीं अपनाना चाहता। यह पाकिस्तान को जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के लिए अपने छद्म समर्थन को वैध बनाने की अनुमति देगा। पाकिस्तान इसलिए भारतीय टीम की भागेदारी चाहता है कि अगर उसने भाग नहीं लिया तो सारा आयोजन चौपट हो जाएगा। प्रायोजक नहीं आएंगे। जरा सोचिए कि जब पाकिस्तान चीनी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाता तो भारतीय टीम की क्या करेगा। चीन के सामने तो सारी पाकिस्तान सरकार कटोरा लेकर खड़ी रहती है। पाकिस्तान में बीते अक्टूबर महीने में कराची हवाई अड्डे के पास आत्मघाती हमले में दो चीनी नागरिक मारे गए और कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। विस्फोट सिंध प्रांत में बिजली परियोजना पर काम कर रहे चीनी इंजीनियरों के काफिले पर हुआ था।

भारत का आर्थिक विकास एवं अतिगरीबी में कमी

विश्व के विभिन्न देशों, विशेष रूप से विकसित देशों, में अतिगरीबी को कम करने के लिए लम्बे आर्थिक विकास के चक्र की आवश्यकता रही है। यह सही है कि इन देशों में लम्बे समय तक तेज गति से हुए आर्थिक विकास एवं पूंजी निर्माण के चलते ही अतिगरीबी को कम किया जा सका है, परंतु, इन देशों में अतिगरीबी का उन्मूलन तो शायद अभी भी नहीं हो पाया है। विकासशील देशों सहित विकसित देशों, विशेष रूप से अमेरिका में तो आज भी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की अच्छी खासी संख्या दिखाई देती है। जबकि अमेरिका में तो विकास का चक्र बहुत लंबे समय तक लगभग लगातार चलता रहा है। भारत में पिछले 10 वर्षों में अतिगरीबी को कम करने सम्बंधी क्षेत्र में अतुलनीय कार्य हुआ है एवं अतिगरीबी में जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारतीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य सुश्री शमिका रवि द्वारा हाल ही में सम्पन्न किए गए एक रिसर्च पेपर में आंकड़ों के साथ कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। इस रिसर्च पेपर में यह बताया गया है कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के गरीबतम नागरिकों तक पहुंच रहा है। वैश्विक स्तर पर गरीबी को दूर करने सम्बंधी कई दीर्घकालीन लक्ष्यों को विभिन्न देशों के लिए निर्धारित किया गया है। इन लक्ष्यों में इस धरा से अतिगरीबी को समाप्त करने का लक्ष्य भी शामिल हैं। कोविड महामारी के खंडकाल एवं इसके बाद के खंडकाल में पूरे विश्व में केवल भारत ने ही अतिगरीबी को कम करने में अतुलनीय सफलता अर्जित की है। अन्यथा, कई विकसित देश तक आज भी कोविड महामारी के समय के विपरीत आर्थिक परिणामों से उबर नहीं पाए हैं। भारत ने अन्य कई अमीर देशों की तुलना में भी अच्छी सफलताएं अर्जित की हैं। दक्षिणी अफ्रीका, जो भारत से तीन गुणा अधिक अमीर है और ब्राजील, जो भारत से 2.5 गुणा अधिक अमीर है, की तुलना में भारत में अतिगरीबी तेज गति से कम हुई है। इसलिए यहां प्रशन्न यह नहीं है कि आपके पास कितने संसाधन उपलब्ध हैं बल्कि प्रशन्न यह है कि आप इन संसाधनों का कितनी सक्षमता से उपयोग कर पा रहे हैं। भारत अपने पास उपलब्ध विभिन्न संसाधनों का दक्षता से उपयोग करने में सफल रहा है, इसी के चलते आज भारत में निरपेक्ष गरीबी, कुल जनसंख्या के, 3 प्रतिशत से भी कम रह गई है। इस प्रकार, पूरे विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश होने के बावजूद भारत आज इस मामले में विकसित देशों के आसपास पहुंच गया है। वर्तमान काल में यह पहली बार हुआ है कि भारत में निरपेक्ष गरीबी, 3 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। पिछले 75 वर्षों से भारत में गरीबी कम करने हेतु लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं परंतु इस क्षेत्र में सफलता अब जाकर मिली है। दीर्घकालीन लक्ष्यों में माताओं की मृत्यु दर एवं बच्चों की मृत्यु दर भी शामिल है। बच्चे को जन्म देते समय माताओं की मृत्यु की संख्या में भी भारत में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। जबकि, विश्व के अन्य कई देशों में अभी भी यह संख्या भारत से कहीं अधिक है। हाल ही के समय में भारत में विश्व के अन्य देशों की तुलना में इस क्षेत्र में तेज गति से कमी हो रही है। इसी प्रकार, भारत में बच्चों की मृत्यु दर में भी कमी दृष्टिगोचर है। माताओं एवं बच्चों की मृत्यु दर में कमी देश के प्रत्येक राज्य में दिखाई दे रही है। भारत के बारे में यह धारणा बनाए जाने का प्रयास किया जाता है कि भारत एक असहिष्णु देश हैं। जबकि इस सम्बंध में हाल ही में जारी किए गए आंकडें कुछ और ही कहानी बता रहे हैं। हाल ही के समय में भारत में दंगों की संख्या में भारी कमी दिखाई दी है। भारत में पिछले 50 वर्षों से जहां प्रति वर्ष लगभग 100, 000 दंगे होते रहे हैं, वह अब घटकर 40, 000 के नीचे आ गए है। भारत आज पूरे विश्व में ही सबसे अधिक शांतिप्रिय देश माना जा रहा है। भारत में महिलाओं के विरुद्ध अत्याचारों, विशेष रूप से रैप के मामलों में, भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। यह कमी भारत के समस्त राज्यों में दिखाई दी है। अपवाद स्वरूप केवल राजस्थान, झारखंड एवं हरियाणा ही रहे हैं। महिलाओं के विरुद्ध अत्याचारों में हुई इस कमी के पीछे सबसे बड़ा कारण भारत में शौचालयों के निर्माण को बताया जा रहा है। क्योंकि पहिले महिलाओं को शौच के लिए बाहरी इलाकों में जाना पड़ता था जिससे महिलाओं पर विभिन्न प्रकार के अत्याचार होने की सम्भावना अधिक बढ़ जाती थी।

चीन से आर्थिक रिश्तों में सावधानी जरूरी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में चीन के साथ भारत के नए सैन्य समझौते के बाद भारत को चीन से आयातों के ढेर से बचने के लिए फूंक-फूंक कर कदम रखना जरूरी दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि 31 अक्टूबर को खुशियों के महापर्व दीपावली के दिन भारत-चीन सीमा पर भारत-चीन दोनों देशों के सैनिकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली मनाई। इस खुशी का कारण यह है कि विगत 23 अक्टूबर को रूस के कजान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच सार्थक और सफल द्विपक्षीय वार्ता हुई और पांच साल बाद हुई इस वार्ता में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध को हल करने के लिए समझौते का स्वागत किया और अधिकारियों को लद्दाख में सीमा विवाद सुलझाने के लिए आगे बातचीत जारी रखने के निर्देश दिए। यही कारण है कि इस वार्ता के बाद सैन्य स्तर पर तत्परतापूर्वक क्रियान्वयन के साथ डेमचोक और डेपसांग मैदानी क्षेत्रों में टकराव वाले दो बिंदुओं से सैनिकों की पूर्ण वापसी के बाद अब पेट्रोलिंग शुरू हो गई है। उल्लेखनीय है कि भारत और चीन के बीच संबंध सामान्य करने की इस वार्ता के सफल और सार्थक होने के पीछे एक बड़ा ही महत्वपूर्ण कारण यह भी रहा है कि चीन इस समय अभूतपूर्व विपरीत आर्थिक हालात का सामना कर रहा है। पिछली कुछ तिमाहियों से चीन की अर्थव्यवस्था लगातार धीमी पड़ रही है। चीन की विकास दर घटी है। 22 अक्टूबर को जारी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024-25 में चीन की विकास दर गिरावट के साथ 4.8 फीसदी होगी, जबकि भारत की विकास दर 7 फीसदी होगी। चूंकि भारत में चीनी निवेश के लिए नियम कड़े हैं और चीन भारत के बाजार में बढा चाहता है, ऐसे में चीन वार्ता के लिए तत्पर हुआ। चीन ने इस बात को भी समझा है कि भारत ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट के माध्यम से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करते हुए आयात घटाने व निर्यात बढ़ाने के अभूतपूर्व प्रावधान किए हैं, ताकि चीन का भारतीय बाजारों पर जो दबदबा बना हुआ है, उसमें भी कमी आ सके। खास बात यह भी है कि हाल ही में अमेरिका के नए राष्ट्रपति चुने गए डोनॉल्ड ट्रंप के द्वारा अमेरिकी उद्योग-कारोबार को हरसंभव तरीके से आगे बढ़ाने की प्राथमिकता के तहत चीन से आयातों पर 60 फीसदी तक टैक्स आरोपित किए जाने की संभावना और विभिन्न यूरोपीय व अन्य कई देशों के द्वारा चीनी आयातों पर असाधारण आयात प्रतिबंध के परिदृश्य के बीच चीन की आर्थिक चिंताएं बढ़ गई हैं। इतना ही नहीं, इस समय चीन अमेरिकी निवेशकों की प्राथमिकता खोता जा रहा है। अमेरिका और चीन में बढ़ते तनाव के माहौल में नई रिपोर्टों में पाया गया कि चीन में कार्यरत अनेक वैश्विक कंपनियां अपना कारोबार चीन से समेटने की तैयारी में हैं।

इस तरह जहां अब चीन के लिए भारतीय बाजार जरूरी है, वहीं भारत को भी अपने मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के लिए चीन से विभिन्न कच्चे माल की सरल आपूर्ति जरूरी है। अब भारत के लिए भी चीन से साथ आर्थिक वार्ता के लाभ हो सकते हैं। ज्ञातव्य है कि चीन 2023-24 में अमेरिका को पीछे छोडकर भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बन गया है। भारत दूरसंचार और बिजली संबंधी कलपुर्जों, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल और औषधियों समेत कई उच्च प्रौद्योगिकी वाली वस्तुओं के लिए चीन पर निर्भर है। ध्यान देने वाली बात है कि सीमा पर तनाव के बावजूद चीन के साथ भारत का व्यापार लगातार बढ़ता रहा है और संतुलन पूरी तरह चीन के पक्ष में झुका हुआ है। हाल ही में प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले छह महीनों यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के दौरान भारत का चीन के साथ अब तक का सर्वाधिक व्यापार घाटा दर्ज किया गया है। इस अवधि में चीन से आयात बढकर 56.29 अरब डॉलर हो गया। जबकि चीन को सिर्फ 6.91 अरब डॉलर का निर्यात किया गया। यदि हम पिछले संपूर्ण वित्त वर्ष 2023-24 में चीन के साथ भारत के व्यापार को देखें तो पाते हैं कि चीन से आयात 101.75 अरब डॉलर हुआ था।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार,19 नवंबर, 2024

संक्षिप्त खबरें

मदन मोहन मालवीय के पौत्र न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय का निधन

प्रयागराज, । काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के संस्थापक महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के पौत्र और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय का सोमवार को यहां उनके आवास पर निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय के पुत्र मनोज मालवीय ने बताया कि उनके पिता की पिछले करीब सात दिनों से तबीयत खराब थी, लेकिन उन्हें कोई गंभीर बीमारी नहीं थी। न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय के परिवार में पत्नी, दो बेटियां और एक पुत्र है। उन्होंने बताया कि गिरिधर मालवीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 1988 से लेकर 1998 तक न्यायाधीश रहे और नवंबर 2018 में उन्हें सर्वसम्मति से काशी हिंदू विश्वविद्यालय का कुलाधिपति चुना गया। मनोज मालवीय ने बताया कि न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय का अंतिम संस्कार मंगलवार को प्रयागराज के रसूलाबाद घाट पर किया जाएगा।

गोंडा में राजस्व विभाग की टीम पर दबाव बनाने के लिये छत से कूदी युवती, मामूली घायल

गोंडा, । उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में सार्वजनिक परिक्रमा मार्ग से अवैध अतिक्रमण हटवाने मौके पर पहुंची पुलिस और राजस्व विभाग की टीम पर अनुचित दबाव बनाने के उद्देश्य से एक लड़की छत से नीचे कूद गई। हालांकि, उसे मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने बचा लिया। अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) राधेश्याम राय ने सोमवार को बताया कि बीते 13 नवंबर को जिले के परसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तेलहा राजा (चौहान पुरवा) में पुलिस एवं राजस्व विभाग की टीम जिलाधिकारी के निर्देश पर सार्वजनिक परिक्रमा मार्ग से अवैध अतिक्रमण हटवाने मौके पर पहुंची थी। उन्होंने बताया कि इस दौरान अतिक्रमण करने वाले परिवार ने इसका विरोध शुरू कर दिया। परिवार की दो युवतियों इसका विरोध करते हुए छत पर चढ़ गईं और उनमें से एक युवती एकता ने टीम पर दबाव बनाने के उद्देश्य से छत से छलांग लगा दिया। एएसपी ने कहा कि मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने उसे बचा लिया। युवती को तत्काल स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद मामूली घायल युवती को मेडिकल कॉलेज भेजा गया। एएसपी ने कहा कि प्रकरण में लेखपाल अवधेश चौबे की तहरीर पर स्थानीय थाने पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर दोनों युवतियों एकता सिंह और साधना सिंह पुत्री गण रघुराज सिंह को अदालत के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि मौके से अवैध अतिक्रमण हटवा दिया गया है। शांति व्यवस्था कायम है। इस बीच सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियों में दिखाया गया हैं कि दोनों युवतियों ने पुलिसकर्मियों पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। महिला कांस्टेबल द्वारा इसका विरोध करने पर उसने महिला कांस्टेबल को थप्पड़ जड़ दिया और छत पर चढ़ गई। जब उसे पकड़ने के उद्देश्य से महिला पुलिस कर्मी भी छत पर चढ़ीं तो उसने चेतावनी देते हुए छत से छलांग लगा दी। इस बीच सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए सरकार को घेरा है। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। सपा मुखिया ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को निशाने पर लेते हुए एक्स पर पोस्ट किया, उप्र के माननीय मुख्यमंत्री जी जब दूसरे प्रदेशों के चुनावी-प्रचार से फुरसत पा जाएं तो अपने प्रदेश का ये वीडियो देख लें। जब उनके अपने प्रदेश में डंका फट रहा है, तो दूसरे प्रदेश में डंका बजाने कैसे जा सकते हैं।

विधानसभा उपचुनाव में मतदान के दिन 20 नवंबर को जिले में अवकाश घोषित

गाजियाबाद, । विधानसभा उपचुनाव के लिए 20 नवंबर को जनपद में अवकाश रहेगा। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा है कि गाजियाबाद में निर्वाचन के प्रयोजन के लिए मतदान के दिन 20 नवंबर (बुधवार) को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। जिले के कोषागार व उप कोषागार भी मतदान दिवस पर बंद रहेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं से अपील की है कि मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। हर जिम्मेदार नागरिक की यह नैतिक जिम्मेदारी है। लोकतंत्र मजबूत करने के लिए मताधिकार का प्रयोग करना आवश्यक है। कोई मतदाता मतदान से वंचित न हो, इसी उद्देश्य से मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। न्यायालय में भी 20 को अवकाश जनपद गाजियाबाद की सदर विधान सभा सीट पर उप निर्वाचन के मद्देनजर जनपद न्यायाधीश, गाजियाबाद द्वारा आदेश पत्र जारी किया कर मतदान दिवस पर अवकाश की जानकारी दी गई है।

महाकुंभ : संगम की कलकल में दिख रही 90 से ज्यादा प्रजातियों के पक्षियों की कलरव

प्रात : किरण, संवाददाता

प्रयागराज,। अद्भुत महाकुंभ का साक्षी बनने लुप्तप्राय इंडियन स्कीमर का 150 जोड़ा आ चुका है। संगम की रेत पर रंग-बिरंगे इन मेहमानों की कलरव गंगा मइया की कलकल से मिलकर अलौकिक राग छेड़ रहा है। इसी बर्ड साउंड थेरेपी के लिए देश-विदेश से लोग आने लगे हैं। अभी दुनिया में सबसे तेज उड़ान वाले पेरेग्रीन फाल्कन का भी इंतजार किया जा रहा है। जापान-चीन की बुलेट ट्रेन से भी तेज रफ्तार वाला यह पक्षी 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार में हवा से बातें करता है। संगम क्षेत्र में यह अलौकिक दृश्य योगी सरकार के प्रदेश में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के प्रयासों में वृद्धि कर रहा है। वन विभाग भी इस अवसर को महाकुंभ से बर्ड फेस्टिवल आयोजित कर सेलिब्रेट करने जा रहा है। प्रयागराज में वन विभाग के आईटी हेड आलोक कुमार पांडेय ने बताया कि महाकुंभ से पहले ही बड़ी संख्या में अप्रवासी पक्षी प्रयागराज आ रहे हैं। इनके साथ लुप्तप्राय इंडियन स्कीमर और साइबेरियन सारस भी बड़ी संख्या में हैं। इतनी बड़ी तादाद में आने वाले देशी और विदेशी पक्षियों की गणना के लिए वाइल्डलाइफ की टीम लगाई गई है, जो दिनरात इन पक्षियों की विशेष निगरानी कर रही है। वाइल्डलाइफ के सामुदायिक अधिकारी केपी उपाध्याय ने बताया कि दुनियाभर में लुप्तप्राय इंडियन स्कीमर के करीब 150 से अधिक जोड़े संगम किनारे आ चुके हैं। यह प्रदूषण को रोकने में काफी हद तक मददगार होती है। यही नहीं ये पानी की शुद्धता को बढ़ाने का भी काम करती हैं। महाकुंभ की शुरुआत से पहले ही इतनी बड़ी संख्या में संगम किनारे पहुंचे ये पक्षी देश-विदेश से आने वाले लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं। इंडियन स्कीमर फिलहाल रेत के टीले पर सुबह-शाम आपको टहलते हुए आसानी से दिख जाते हैं। यहां मां गंगा के किनारे शेखुपुर वन की इंडियन स्कीमर, साइबेरियन, ब्लैक क्रेन, सारस जैसी 90 से अधिक प्रजातियों के पक्षी फिलहाल महाकुंभ के स्वागत के लिए आ गए हैं। अभी दो साल पहले प्रयागराज में पेरेग्रीन फाल्कन को भी देखा जा चुका है, जिसके महाकुंभ के दौरान पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। यह दुनिया का सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी है, जिसकी रफ्तार जापान और चीन की बुलेट ट्रेन से भी अधिक मानी जाती है। यह 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भी अधिक तीव्र गति से उड़ने में सक्षम है। इनके अलावा विभिन्न प्रकार के देशी और विदेशी पक्षी संगम को मुफीद मानते हुए महाकुंभ की शोभा बढ़ाने आ चुके हैं। इनमें साइबेरिया, मंगोलिया, अफगानिस्तान समेत 10 से अधिक देशों से ये विदेशी मेहमान महाकुंभ का आनंद बढ़ाने के लिए आए हैं। पक्षी वैज्ञानिकों ने बताया कि प्रयागराज में बड़ी संख्या में पहुंच चुके इंडियन स्कीमर बहुत ही ज्यादा सैंसिटिव होते हैं। यह अपने अंडों को बचाने के लिए तरह-तरह के इंतजाम करते हैं। खास बात यह है कि अधिकतर तीन ही अंडे देते हैं। मादा जब अपने पंखों से अंडों को ढककर उनकी रखवाली करती है तो नर अपने पंखों में पानी भरने जाता है।

धुंध की वजह से इटावा में स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं को हुई कठिनाई

प्रात : किरण, संवाददाता

इटावा, । उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में सोमवार को चौतरफा कोहरे की चादर में लोग बेहाल दिखे। दृश्य (ता) बहुत कम हो गई है। इस वजह से लोग बाहर जाने से बच रहे हैं। लेकिन, जरूरी काम से बाहर निकलने पर उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि इटावा जिले में एक्यूआई लेवल 311 के आसपास दर्ज किया गया है। इसका व्यापक असर पूरे इटावा में दिखाई दे रहा है। सोमवार तड़के से ही कोहरे की चादर फैल गई है। स्कूल और कॉलेज जाने वाले बुरी तरह से प्रभावित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। सुबह टहलने वालों की संख्या में भी भारी गिरावट देखने को मिली। मौसम विभाग की ओर से कहा जा रहा है कि कोहरे की यह मार 24 घंटे से लेकर के 5 दिन तक हो सकती है। तापमान में भारी गिरावट देखी जा रही है। अनुमान है कि दो या तीन दिन के भीतर न्यूनतम तापमान 10 और 12 डिग्री के आसपास आ सकता है। कोहरे की वजह से यातायात सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। कोहरे के कारण दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर संचालित यात्री रेलगाड़ियों की स्पीड पर भी असर पड़ा है। कई रेलगाड़ियां विलंब से चल रह हैं। कुछ यही हाल सड़क यातायात की भी है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर फर्राटा भरने वाले वाहनों को अपनी स्पीड पर नियंत्रण करना पड़ रहा है। वहीं, कानपुर-आगरा हाईवे पर भी चलने वाले वाहनों को अपनी स्पीड कम करनी पड़ी है। मौसम विभाग के मुताबिक यह कोहरा है। प्रदूषण की धुंध नहीं है। लेकिन, दिल्ली नोएडा में एक्यूआई लेवल के खराब होने का असर इटावा और आसपास के जिलों में भी दिखाई दे रहा है।

पराली व अन्य फसल अवशेष जलाने वालों पर लगाएं जुमार्ना: डीएम

प्रात : किरण, संवाददाता

अमरोहा।जिलधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में पराली व अन्य फसल अवशेष प्रबन्धन के सम्बंध में वैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने उपनिदेशक कृषि व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में जनपद में पराली नहीं जलाई जानी चाहिए फसल अवशेष का प्रबंधन उचित तरीके से हो इस पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए। जुमार्ने की जो बढ़ी राशि जारी की गई है उसको लगाया जाए और दोषियों पर मुकदमा दर्ज कराकर अधिक से अधिक जुमार्ना लगाया जाए। किसी भी स्थिति में पराली व अन्य फसल अवशेष जनपद में किसी मे क्षेत्र में नही जलनी चाहिए इस पर जन जागरूकता कर लोगों को बताया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि गन्ने की पत्तियां अथवा अन्य किसी भी प्रकार के फसल अवशेष को जलाने पर आसमान में घूम रहा सैटेलाइट उसकी गर्मी पकड़ लेता है और उसे खेत की सूचना भेज देता है, जिससे खेत की पहचान हो जाती है यह भलीभांति जन सामान्य को संदेश पहुंच जाए इसके लिये कार्य किया जाय। जिला पंचायत राज अधिकारी ग्रामो में प्रधानों सेक्रेटरी के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाए। इसी प्रकार नगर निकायों में भी जागरूकता के लिए कार्य किया जाए सभी चीनी मिलें और गन्ना क्रयकेन्द्रों में पराली व अन्य फसल अवशेष प्रबन्धन के बारे में लोगों को बताया जाय। जिलधिकारी ने कहा कि सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी फिक्श की जाएगी। बीडीओ द्वारा ग्रामो में बताया जाय कि सेटेलाइट द्वारा पराली की जानकारी ली जा रही है कोई पराली न जलाया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलधिकारी वित्त एवं राजस्व ब्रजेश त्रिपाठी, अपर जिलधिकारी न्यायिक माया शंकर यादव, उप निदेशक कृषि राम प्रवेश सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलधिकारी ने की अभियोजन कार्यो की समीक्षा, दिए दिशानिर्देश

प्रात : किरण, संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह की उपस्थिति में अभियोजन कार्य एवं कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। अभियोजन कार्यो की समीक्षा में जिलाधिकारी ने कोर्ट वार कितने को सजा दी गयी कितने को दोषमुक्त किया गया कितने साक्षी आये कितने अपील की गई कितने बेल की गई सहित अन्य कार्यो की जानकारी ली। कहा कि जिन अपराधियों पर पुराने एवं गम्भीर अपराध दर्ज हैं शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही पूर्णकराकर निस्तारण किया जाये। जिलाधिकारी ने सभी शासकीय अभियोजन अधिकारियों तथा अधिवक्ताओं को निर्देश दिये कि गवाहों की गवाही शत प्रतिशत परिक्षित कराई जाये । कहा कि अपराधियों को किसी भी स्थिति में बख्सा ना जाए जिन पर गंभीर मुकदमे हैं उन पर प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जाए अधिक से अधिक सजा दिलाई जाय। अगली वैठक तक अधिक से अधिक कार्यवाही हो यह सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारी और क्षेत्राधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि भूमाफियाओं को चिन्हित किया जाए उन पर कड़ी कार्यवाही कराया जाए।पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने कहा कि जो टॉप 50 अपराधी हैं जिले में लूट हत्या डकैती जैसे मुकदमे दर्ज हैं सजा नहीं मिली है प्राथमिकता से सजा दिलाया जाय। बैठक में पुलिस अधीक्षक कुं0 अनुपम सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) मायाशंकर, अपर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार, उप जिलाधिकारी अमरोहा, उपजिलाधिकारी धनौरा, सी0ओ0, जिला शासकीय अभियोजन अधिकारी व जिला शासकीय अधिवक्ता गण सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बंटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे वेद का निचोड़ : साक्षी महराज

प्रातः किरण संवाददाता

मैनपुरी, ।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद साक्षी महाराज ने विपक्षी दलों पर सोमवार को निशाना साधा। उन्होंने पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नारे को महामंत्र और वेद का निचोड़ बताया है। भाजपा सांसद सोमवार को मैनपुरी के उपचुनाव में प्रचार के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारे ह्यएक रहेंगे तो सेफ रहेंगेह्ण और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ह्यबंटेंगे तो कटेंगेह्ण को महामंत्र और वेद का निचोड़ बताया। उन्होंने कहा कि एक रहोगे तो सेफ रहोगे, इकट्ठे रहोगे तो बचे रहोगे। विपक्ष लोगों को जातियों में बांटना चाहता है। उसने अंग्रेजों से सीखा है, फूट डालो राजनीति करो, इसलिए सभी हिंदुस्तान के लोगों में जातियां बताकर फूट डालना चाहते हैं, तो हमें कहना ही पड़ेगा बंटेंगे तो कटेंगे। सांसद ने कहा कि इस बार करहल विधानसभा इतिहास रचेगा और ऐतिहासिक तरीके से कमल खिलेगा। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस को ह्यजहरीला सांपह्ण बताने पर भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि जो स्वयं जहरीले सांप हैं, जिन्होंने देश के टुकड़े करवाए, जिन्होंने पाकिस्तान बनवाया और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की बात नहीं मानी, वह बौखला गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने यह भी तो बोला था कि मोदी जी को रोको नहीं तो सनातन मजबूत हो जाएगा, हिंदू मजबूत हो जाएगा। पीडीए और इंडी गठबंधन के लोग राष्ट्र वरिोधी, राम विरोधी, धर्म विरोधी और हिंदू विरोधी हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री योगी की वेशभूषा पर सवाल उठाने पर उन्होंने कहा कि इस पाप का प्रायश्चित भी अखिलेश को करना पड़ेगा। हमारे 13 अखाड़े हैं और अखाड़े तय करते हैं कौन साधु है, कौन साधु नहीं। अखिलेश जिनके पिताजी बलात्कार पर यह कहते थे कि बच्चे हैं गलतियां हो जाती हैं, ऐसे लोगों से कभी भी अच्छे की उम्मीद नहीं की जा सकती। वह अपने लोगों को सर्टिफिकेट दें, योगी जी को नहीं। धीरेंद्र शास्त्री की हिंदू एकता पैदल यात्रा पर साक्षी महाराज ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री जी अपने तरह से हिंदुस्तान में रहने वालों को इकट्ठा कर रहे हैं। हम उनकी प्रशंसा करते हैं।

1993 में देवबंद पुलिस पर ग्रेनेड से हमला करने वाला आतंकी गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

सहारनपुर,। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) को बड़ी सोमवार को बड़ी सफलता मिली। टीम ने 1993 में देवबंद में हुए बम धमाके के आरोपी आतंकी नजीर अहमद वानी उर्फ मुस्तफा को 30 वर्ष बाद जम्मू-कश्मीर के बडगाम से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सागर जैन ने बताया कि 1993 में थाना देवबंद में पुलिसकर्मियों पर ग्रेनेड से हमला किया गया था। इस पर मुकदमा भी दर्ज था। तकरीबन 30 वर्ष से यह न्यायालय की तारीख पर भी नहीं आ रहा था। कोर्ट ने 20 मई 2024 को स्थाई वारंट जारी किए थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने 25 हजार का इनाम घोषित किया था। थाना सहारनपुर और एटीएस की यूनिट संयुक्त टीम ने जम्मू कश्मीर से आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसका नाम नजीर अहमद उर्फ मुस्तफा बानी उर्फ जावेद इकबाल है, जिसको 30 वर्ष बाद जम्मू-कश्मीर के बडगाम से गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को इसे कोर्ट पेश किया जाएगा।1994 में कोर्ट से जमानत लेने के बाद मुस्तफा बानी फरार चल रहा था। यह अपना अलग-अलग नाम और हुलिया रख पुलिस की आंख में धूल झोंक रहा था। यूपी एटीएस और देवबंद पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए जम्मू-कश्मीर में दबिश दी। मुखबिर से मिली सटीक सूचना के बाद मुस्तफा बानी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे आज यानी सोमवार को सहारनपुर लाया गया। पुलिस ने अपने प्रेस नोट में बताया कि 26.08.93 को मुकदमा वादी उपरीक्षक सैयद मुनव्वर हुसैन थाना देवबंद जनपद सहारनपुर ने लिखित तहरीर दी कि अज्ञात मुल्जिम द्वारा वर्ष 1993 में मोहल्ला यूनियन तिराहा कस्बा देवबंद पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर जान से मारने की नियत से ग्रेनेड फेंका गया था, जिसमें ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी कांस्टेबल 1071 कन्हैया लाल, का. 113 अर्जुमन अली व पब्लिक के जय प्रकाश पुत्र मनफूल सैनी निवासी मोहल्ला पठानपुरा, जनपद सहारनपुर, सुखबीर पुत्र रूपलाल निवासी कस्बा व थाना देवबंद, जनपद सहारनपुर घायल हुए थे। जिस संबंध में थाना देवबंद पर अभि 507/1993 धारा 307 व 3 विस्फोटक पदार्थ पंजीकृत किया गया था। उपरोक्त मुकदमे में नजीर अहमद वानी शरीफाबाद थाना पारिमपुरा जिला बडगाम जम्मू कश्मीर का नाम प्रकाश में आया जो दिनांक 26.05.1994 को फर्जी दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पता चला कि अभियुक्त आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन का सक्रिय सदस्य था। जो फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कस्बा देवबंद में रह रहा था, जिसने आम जन में भय व आतंक की भावना बैठाने के लिए ग्रेनेड फेंका था। इसके पास से बरामद फर्जी दस्तावेजों के आधार पर थाना देवबंद पर 265/94 धारा 467/468/471 पंजीकृत कर उपरोक्त अभि० को दोनों मुकदमों मे कोर्ट के समक्ष पेश किया गया। कोर्ट से वर्ष 1994 में जमानत के उपरांत उपरोक्त अभियुक्त पिछले 30 वर्ष उपस्थित नहीं हो रहा था। अपना नाम पता बदल कर रह रहा था जिस संबंध में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा 20.05.2024 को स्थाई वारंट जारी किये गये थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर द्वारा स्थाई वारंट का संज्ञान लेकर वांछित अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु 25000 रुपये का इनाम घोषित करते हुए गिरफ्तारी हेतु आदेश-निर्देश दिये गये थे। आदेश के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी देवबंद के निकट पर्यवेक्षण में थाना देवबंद व सर्विलांस सैल से एक टीम गठित कर एटीएस की मदद लेते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। 17 नवम्बर को सुरागरसी पतारसी कर अभियुक्त के हालिया पते की जानकारी कर अभियुक्त नजीर अहमद शरीफाबाद थाना पारिमपुरा जिला बडगाम जम्मू कश्मीर को उसके हाल पता गांव हाकर मुल्ला निकट कस्बा थाना बडगाम जिला बडगाम जम्मू कश्मीर से मुखबिर की सूचना पर संयुक्त पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया।

नोएडा में मुठभेड़ के बाद तीन बदमाश गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा,। नोएडा में सोमवार और रविवार रात को मुठभेड़ की अलग अलग घटनाओं के बाद पुलिस ने दो इनामी बदमाश समेत तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार, नकदी एवं अन्य सामग्री जब्त की। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि आज तड़के सेक्टर 42 के जंगल के पास जांच कर रही सेक्टर 39 थाने की पुलिस ने मोटरसाइकिल से दो बदमाशों को आते हुए देखा। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाश उन पर गोली चलाकर भागने लगे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बदमाशों का पीछा किया और उन्हें घेर लिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से दोनों बदमाश घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बदमाशों की पहचान हरियाणा के गुरुग्राम निवासी नीरज मल शेख और राजकुमार विश्वास के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से पश्चिम बंगाल के निवासी हैं। मिश्रा ने बताया कि दोनों बदमाशों के खिलाफ सेक्टर 39, सेक्टर 48 सहित नोएडा के कई थानों में विभिन्न धाराओं में मामले दर्ज हैं। इनकी गिरफ्तारी पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। उन्होंने बताया कि बदमाशों के पास से पुलिस ने दो देसी तमंचा, करीब 80 लाख रुपये मूल्य के आभूषण और 1,35,000 रुपये नकद बरामद किए हैं। बदमाशों ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में चोरी की कई वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। अपर उपायुक्त ने बताया कि नीरज मल शेख के खिलाफ गुरुग्राम, नोएडा के विभिन्न थानों में आठ तथा राजकुमार के खिलाफ एनसीआर के विभिन्न थानों में आठ मामले दर्ज हैं। वहीं, रविवार रात को मुठभेड़ के बाद सूरजपुर थाने की पुलिस ने एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि कल रात को मिग्सन ग्रीन तिराहे के पास जांच कर रही पुलिस ने बिना नंबर प्लेट की एक मोटरसाइकिल से एक बदमाश को आते हुए देखा। संदेह होने पर पुलिस ने जब उसे रुकने का इशारा किया तो वह भागने लगा। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बदमाश का पीछा किया और उसे घेर लिया। खुद को पुलिस से घिरा पाकर बदमाश ने पुलिस पर गोली चलाई जिसके जवाब में की गई पुलिस की गोलीबारी में बदमाश घायल हो गया। उसकी पहचान खोड़ा कॉलोनी निवासी मयंक (35) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि बदमाश के पास से पुलिस ने एक देसी तमंचा, कारतूस, लूटा हुआ मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है। उन्होंने बताया कि बदमाश सूरजपुर थाने में दर्ज लूट के एक मामले में वांछित था।

मकान की छत ढही : मलबे में दबकर नाबालिग की मौत, तीन अन्य जख्मी

प्रात : किरण संवाददाता

सुलतानपुर,। उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर जिले के बन्धुआ कलां क्षेत्र में सोमवार को एक मकान की मरम्मत के दौरान अचानक छत ढहने से मलबे में दबकर एक नाबालिग मजदूर की मौत हो गयी तथा तीन अन्य श्रमिक घायल हो गये। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बन्धुआ कलां कस्बे में धनराजी नामक महिला के घर की मरम्मत का काम किया जा रहा था और सोमवार को कमरे की छत तोड़ी जा रही थी तभी वह अचानक ढह गयी। उन्होंने बताया कि इस कार्य में लगे अमन (15) और गोवर्द्धन (40) मलबे में दब गए। इनके अलावा गोवर्द्धन का 10 वर्षीय बेटा आयुष और कर्म राज (40) नामक श्रमिक भी मामूली रूप से जख्मी हो गये। थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मलबे में दबे अमन और गोवर्द्धन को बाहर निकाला, लेकिन तब तक अमन की मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि गोवर्द्धन को गम्भीर चोटें आई हैं तथा उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उनके मुताबिक, बाकी घायलों आयुष और कर्म राज को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है।

डॉ.मनोज वर्मा की सुपुत्री डॉ.आयुषी वर्मा ने चिकित्सा के क्षेत्र में रचा इतिहास, प्राप्त किए नौ मैडल

प्रात : किरण संवाददाता नादिर त्यागी

स्योहारा। जिले व नगर के प्रसिद्ध चिकित्सक रहे स्वर्गीय नृपेंद्र कुमार वर्मा की सुपोत्री तथा प्रसिद्ध चिकित्सक एवं वरिष्ठ समाजसेवी डाक्टर मनोज वर्मा व क्षेत्र की मशहूर गाइनीकोलॉजिस्ट डॉक्टर लिपिसेंन वर्मा की सुपुत्री डॉक्टर आयुषी वर्मा ने एम.बी.बी. एस.कोर्स में टॉप करने के साथ ही साथ सर्वश्रेष्ठ छात्रा का असली गोल्ड का मैडल सहित नो मैडल प्राप्त कर पूरे जनपद का नाम रोशन कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बरेली स्थित रूहेलखंड मेडिकल कॉलेज के दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सम्पर्क प्रमुख रामलाल रहे। दीक्षांत समारोह में डाक्टर आयुषी को एमबीबीएस कोर्स में टॉप करने पर नौ मैडल देकर सम्मानित किया गया। स्टूडेंट्स ऑफ द इयर का शुद्ध सोने से निर्मित गोल्ड मेडल भी अपने नाम कर जनपद का नाम रोशन कर दिया। आपको बतादें कि चिकित्सा के क्षेत्र में डाक्टर आयुषी के दादा स्वर्गीय डाक्टर नृपेंद्र वर्मा भी रोगियों की दिन-रात सेवा करने के लिए जाने जाते थे। उनकी सेवा भाव को देखते हुए तत्कालीन राज्यपाल सम्मानित कर चुके है।

दादा से मिली मेहनत करने की प्रेरणा: आयुषी वर्मा

स्योहारा। एम .बी.बी.एस.कोर्स में टॉप करने एवं सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए नो मैडल जीतने वाली डॉक्टर आयुषी वर्मा ने कहा कि मुझे कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा अपने दादा स्वर्गीय डॉक्टर नपेंद्र कुमार वर्मा से मिली है। मेरे दादा जी भी सेवा भावना से रोगियों की दिन-रात सेवा करते थे। इसी प्रोत्साहन को मेरे माता-पिता डॉ. मनोज कुमार वर्मा व डॉक्टर लिपि सेन वर्मा और पूरे परिवार ने निरंतर जारी रखा। आज मैं इस मुकाम पर अपने परिजनों तथा गुरुजनों के आशीर्वाद से पहुंची हूं मैं सभी का आभार प्रकट करती हूं। उल्लेखनीय है कि इस समय डॉक्टर आयुषी वर्मा पूना मेडिकल कॉलेज से (गायनी एम.एस) स्त्री रोग एवं प्रसूता विशेषज्ञ का कोर्स कर रहीं हैं।

अखाड़ा परिषद की बैठक में भूमि आवंटन पर आम सहमति बनी : महंत रवींद्र पुरी

प्रात : किरण संवाददाता

प्रयागराज,। नगर के कीडगंज थाना अंतर्गत श्री पंचायती अखाड़ा, बड़ा उदासीन में सोमवार को हुई अखाड़ा परिषद की बैठक में महाकुम्भ मेले में भूमि आबंटन को लेकर चल रहा गतिरोध दूर हो गया और सभी के बीच आम सहमति बन गई। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया, हम सभी 13 अखाड़े एकजुट हैं और मेला प्रशासन जो जमीन हमें देगा, हम उस पर तैयार हो गए हैं। हम दोपहर में जमीन का आबंटन लेने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, यहां साधु संतों का कोई विवाद नहीं है। हमारा मेला है, हमारे मुख्यमंत्री योगी जी हैं.. हमारा किसी से कोई विवाद नहीं है। जहां-जहां जमीन हमें आबंटित होगी, हम खुशी से वहां निशान लगाएंगे। महंत रवींद्र पुरी ने कहा, बैठक में सभी की समस्याएं सुनी गईं जिनका हल निकाल लिया गया है। इस बैठक में 10 अखाड़ों के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं.. बाकी तीन अखाड़ों से भी हमारी बात हुई है। हम सब एक हैं। हमने प्रशासन से जमीन और सुविधाएं बढ़ाने की बात कही थी जिसे प्रशासन ने मान ली है। अखाड़ा परिषद की बैठक के बीच में इसमें शामिल हुए अपर मेलाधिकारी (कुम्भ) विवेक चतुर्वेदी ने कहा, महाकुम्भ के लिए जमीन का निरीक्षण पूर्व में ही साधु संतों को कराया गया था। साधु संतों को जमीन का नक्शा दिखाया गया और गंगा के कटान के फलस्वरूप जो जमीन उपलब्ध थी, उसके आधार पर हमने जमीन का आबंटन करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा, पूज्य साधु संतों ने आशीर्वाद दिया है और आज सभी जमीन का आबंटन देखने जा रहे हैं। साधु संतों ने हमारी बात भी सुनी है। और अपना आशीर्वाद दिया है। हमने उन्हें आश्वस्त किया है अधिक से अधिक जमीन हम उपलब्ध कराएंगे। मंगलवार तक जमीन का आबंटन कर दिया जाएगा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 19 नवंबर, 2024

संक्षिप्त खबरें

हादसे में ढाई वर्षीय बच्चे की मौत

बलिया,। जिले के मनियर थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव में एक हादसे में ढाई वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार मनियर थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव में रविवार की शाम यश पांडेय अपने घर के सामने खेल रहा था जहां पर एक ई-रिक्शा खड़ा था। ई-रिक्शा में चाबी लगी हुई थी, जिसे खेलते हुए बच्चे ने चालू कर दिया। ई-रिक्शा तेज गति से मकान की दीवार से टकरा गया। इस हादसे में मासूम यश पांडेय गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घायल यश को मनियर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी रत्नेश दुबे ने सोमवार को बताया कि इस मामले में थाना पर कोई प्रार्थना पत्र नहीं मिला है।

भगवान राम के तिलकोत्सव में मंगलगीतों से गुंजायमान हुई अयोध्या

अयोध्या,। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार नेपाल के जनकपुर धाम स्थित माता सीता के मायके से तिलकहरू स्थापित परम्परा के अनुसार सोमवार को तिलक लेकर राम नगरी पहुंचे। इस दौरान पूरी अयोध्या मंगलगीतों से गुंजायमान हो रही थी। अयोध्या के रामसेवक पुरम समारोह स्थल पर दुल्हन के भाई बने जानकी मंदिर के छोटे महंथ राम रोशन दास और दूल्हे के पिता की भूमिका में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय मुख्य रूप से उपस्थित रहे। तिलक चढ़ाने वालों में नेपाल के मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री सतीश सिंह, जनकपुर के मेयर मनोज साह समेत लगभग 300 लोग शामिल थे। अयोध्या में वर पक्ष की ओर से मुख्य कर्ताधर्ता के रूप में विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मंत्री राजेन्द्र सिंह पंकज ने कार्यक्रम का संचालन किया। तिलक के मौके पर गाए जाने वाले मंगलगीतों के लिए बड़ी संख्या में अयोध्या की महिलाएं जुटी थीं। अवध क्षेत्र में होने वाले तिलकोत्सव के सभी लोकाचार विधि-विधान से सम्पन्न किए गए। वधू पक्ष से इसके लिए हर आवश्यक सामग्री लाई गयी थी।

गाजियाबाद के 26 डाकघरों में बन रहे आधार कार्ड

गाजियाबाद, । अगर आधार कार्ड बनवाने या उसे अपग्रेड कराने के लिए परेशान हैं तो इसके लिए आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसे आप जिले के 26 डाकघरों पर आसानी से बनवा सकते हैं। बुजुर्गों और बच्चों को इंतजार करने की जरूरत भी नहीं है। उनका आधार बिना किसी इंतजार के बनवाया जाता है। इस समय शहर में वसुंधरा, साहिबाबाद, कविनगर, मेरठ रोड, मोदीनगर, हापुड़, शिप्रा सनसिटी, मोहननगर सहित 26 केंद्रों पर आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसकी सूची आप डाकघर की वेबसाइट पर भी देख सकते हैं। एएसपी कौशल कुमार ने बताया कि कई जगह डाकघरों में आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं और जहां नहीं बन रहे हैं, वह आसपास के केंद्रों का पता बता देंगे। जहां मांग होती है, उन सोसायटियों और मोहल्लों में शिविर लगाया जाता है।

जिले के अस्पतालों में आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम नहीं, संचालकों को भेजा नोटिस

गाजियाबाद,। जिले में संचालित 60 अस्पतालों में आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। इस मामले में अग्निशमन विभाग की तरफ से अस्पताल संचालकों को नोटिस भेजा जा चुका है। इसमें सरकारी और प्राइवेट दोनों अस्पताल शामिल हैं। झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के नीकू वार्ड में आग लगने से 10 नवजात की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग भी कागजों में अलर्ट मोड में आया है लेकिन धरातल पर कोई कार्रवाई नहीं है। अग्निशमन विभाग की टीम ने सितंबर और अक्तूबर महीने में सरकारी और प्राइवेट 325 अस्पतालों का निरीक्षण किया था। इनमें से 60 अस्पतालों में आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। इस कारण से सभी अस्पताल संचालकों को नोटिस जारी करने के साथ ही सीएमओ कार्यालय को भी सूचित किया था। सरकारी स्तर पर तीन बड़े जिला अस्पताल, 50 बेड के दो संयुक्त अस्पताल, पांच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (चार सीएचसी) के अलावा दो ब्लॉक स्तरीय पीएचसी पर मरीजों को भर्ती करने की सुविधा है। महिला अस्पताल के अलावा किसी भी सरकारी अस्पताल में फायर फाइटिंग सिस्टम नहीं है। सीएचसी पर सेंट्रलाइज फायर फाइटिंग सिस्टम लगाने के लिए 2018 में शासन ने निर्देश दिए थे कार्यदायी संस्था (कानपुर आवास विकास) को पहली किश्त के रूप में 42 लाख लाख रुपये भी जारी किए गए थे लेकिन, छह साल बाद भी फायर फाइटिंग सिस्टम नहीं लग सके हैं। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अमित विक्रम का कहना है कि कंपनी को नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण लिया जाएगा।

यूपी के स्ट्रीट वेंडर्स बनेंगे ब्रांड एंबेसडर, दूसरों को करेंगे जागरूक

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ,। योगी सरकार द्वारा प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स के लिए एक नई पहल की जा रही है, जिसमें उन्हें जनपद और शहर स्तर पर चिह्नित कर ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त किया जाएगा। योगी सरकार के इस प्रयास का उद्देश्य न केवल स्ट्रीट वेंडर्स को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, बल्कि समाज में उनके योगदान को भी मान्यता देना है। इस पहल के तहत 18 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच चलने वाला इस स्वनिधि भी, स्वाभिमान भी पखवाड़ा का शुभारंभ सोमवार से हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर विकास विभाग को निर्देशित किया है कि इस आयोजन में स्ट्रीट वेंडर्स और उनके परिवारों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप योगी सरकार द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत, टीवीसी (टाउन वेंडिंग कमेटी) के सदस्य एवं एक्टिव पथ विक्रेताओं को स्वनिधि मित्रों के रूप में चिह्नांकित किया गया है, जो अन्य स्ट्रीट वेंडर्स को योजना का लाभ दिलवाने में मदद करेंगे। साथ ही उन्हें योजना के विभिन्न प्रावधानों के बारे में जागरूक करेंगे। योगी सरकार स्ट्रीट वेंडर्स को अधिकतम डिजिटल लेनदेन के लिए प्रेरित कर रही है। इससे पहले भी विभिन्न आयोजनों जैसे स्वनिधि दीपावली, मकर संक्रांति महोत्सव आदि में स्ट्रीट वेंडर्स को सम्मानित किया जा चुका है, जिन्होंने डिजिटल माध्यम से अधिकतम कैशबैक प्राप्त किया। यह कदम प्रदेशभर में डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने और स्ट्रीट वेंडर्स की आमदनी को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। आयोजन के दौरान स्ट्रीट वेंडर्स के लिए मुफ्त चिकित्सा शिविरों और स्वास्थ्य जांच कैंपों का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें उनके और उनके परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाएगा। यह पहल समाज के उस वर्ग को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचाने के प्रयास का हिस्सा है, जो आमतौर पर इन सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। बता दें कि बीते वर्ष 1 जून और 7 जुलाई को सभी जनपदों में स्वनिधि महोत्सव का आयोजन बड़े पैमाने पर किया गया था। आयोजन में स्ट्रीट वेंडर्स और उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए थे। इसके अलावा, दीपावली मेले और मकर संक्रांति मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था, जिसमें चित्रकला, स्लोगन लेखन, मेंहदी, रंगोली, नृत्य-गायन और व्यंजन बनाने की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन आयोजनों का उद्देश्य पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों को एक सकारात्मक और सशक्त मंच प्रदान करना था। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत उठाए गए योगी सरकार के कदम स्ट्रीट वेंडर्स के जीवन में एक सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। उन्हें न केवल आर्थिक सहायता मिल रही है, बल्कि समाज में उनके योगदान को भी सम्मानित किया जा रहा है। इस स्वनिधि भी, स्वाभिमान भी पखवाड़ा के माध्यम से योगी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि पथ विक्रेता आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक सशक्त बनें।

एनसीआर : मौसम ने ली करवट, देर से शुरू हुई ठंड के साथ धुंध और प्रदूषण की दोहरी मार

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा,। एनसीआर में देर से ही सही लेकिन ठंड का आगाज हो चुका है और पारे में गिरावट भी दर्ज की गई है। सोमवार सुबह के वक्त न्यूनतम तापमान 14 डिग्री तक पहुंच गया था। जो आने वाले दिनों में और भी नीचे जाने की उम्मीद है और अधिकतम तापमान भी 26 डिग्री तक बने रहने की उम्मीद है। इसके साथ-साथ धुंध और प्रदूषण की दोहरी मार से भी लोगों को जूझना पड़ रहा है। सोमवार सुबह से ही एनसीआर स्मॉग की एक धुंधली चादर में लिपटा हुआ दिखाई दिया। स्मॉग के चलते विजिबिलिटी काफी कम हो गई थी। रुक-रुक कर चल रही तेज हवाओं ने भी लोगों को ठंड का एहसास करना शुरू कर दिया है। प्रदूषण के चलते भी सड़कों पर निकलने वाले लोग मास्क लगाकर आते जाते दिखाई देने लगे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अधिकतम तापमान में और न्यूनतम तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने बताया है कि पहाड़ों पर हुई बर्फबारी के बाद उसका सीधा असर अब एनसीआर में देखने को मिल रहा है। रविवार सुबह से ही तेज और ठंडी हवाएं एनसीआर में चलने लगी थी लेकिन तब तक पारे में इतनी गिरावट दर्ज नहीं की गई थी। जबकि सोमवार सुबह पारे में काफी ज्यादा गिरावट देखने को मिली है और यह न्यूनतम तापमान 14 डिग्री से 12 डिग्री तक भी पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके साथ-साथ प्रदूषण का बढ़ता स्तर भी लोगों के लिए खतरे की घंटी बज रहा है। दिल्ली में औसतन एक्यूआई 484 रिकॉर्ड किया गया है। जबकि गाजियाबाद में 404 और ग्रेटर नोएडा में भी 400 के करीब एक्यूआई पहुंच गया है। दिल्ली के कई ऐसे इलाके हैं जहां पर एक्यूआई 500 के करीब पहुंच गया है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अब स्थिति बद से बदतर होने वाली है।

महिला की गला रेत कर हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा, ।गौतम बुद्ध नगर जिले के कलौंदा गांव में पड़ोस में रहने वाली विधवा महिला की गला रेत कर हत्या करने के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। ग्रेटर नोएडा के अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) अशोक कुमार सिंह ने बताया कि रविवार रात करीब एक बजे महिला की हत्या किए जाने की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सिंह ने बताया कि कलौंदा गांव में 28 वर्षीय शाहरुख नामक युवक ने पड़ोस में रहने वाली 32 वर्षीय विधवा महिला की चाकू से वारकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि आरोपी विवाहित है और पीड़िता उसकी रिश्तेदार थी। दोनों करीब तीन-चार साल से एक दूसरे को पसंद करते थे। आरोपी को संदेह था कि महिला का किसी और से अवैध संबंध है। इसी बात से नाराज शाहरुख ने रात में महिला के घर में घुसकर चाकू से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। एडीसीपी ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को आज स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

रॉयन इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर 25 रोहिणी ने की कौन बनेगा करोड़पति में भविक गर्ग की ऐतिहासिक विजय का मनाया जश्न

प्रात: किरण, संवाददाता

रायन इंटरनेशनल स्कूल रोहिणी ने कक्षा 5 के छात्र भाविक गर्ग की श्री अमिताभ बच्चन जी द्वारा संचालित प्रतिष्ठित क्विज शो कौएन बनेगा करोड़पति जूनियर में अपनी प्रतिभा एवं दृढ़ निश्चय कापरिचय देने की अनूठी उपलब्धि का जश्न मनाया। भाविक की सफलता को सम्मानित करने एवं उसकी इस अप्रतिम यात्रा के द्वारा उसके सहपाठियों को प्रेरित करने हेतु एक विशिष्ट प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। आयोजन के आरंभ में ईश्वर की प्रार्थना, बाइबल के पवित्र अंशो के उच्चारण एवं प्रार्थना गीतों के साथ एक अद्भुत समां बंध गया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक नृत्य के पश्चात मनोयोग एवं दृढ़ प्रतिज्ञा जैसे गुणों, जो भविक की इस महत्वपूर्ण सफलता यात्रा के आधारभूत गुण थे, पर आधारित एक नाटिका प्रस्तुत की गई। प्रधानाचार्य श्रीमती गीतिका नारंग ने भविक के परिश्रम और दृढ़ प्रतिज्ञता की भूरि भूरि प्रशंसा की एवं उसे सगर्व हमारे आदरणीय प्रबंधक महोदय एवं सम्माननीय प्रबंध निर्देशिका के हर्ष और गर्व के प्रतीक स्वरुप एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया ।केक काटने की रस्म के साथ-साथ भविक को विद्यालय की ओर से पुष्प गुच्छ, प्रशस्ति पत्र, चॉकलेट, पुस्तकें एवं रोपित पौधा प्रदान किया गया। भविक ने केबीसी के अपने अनुभव बताते हुए अपने विद्यालय अपनी अध्यापकों एवं अपने सहपाठियों द्वारा दिए गए समर्थन के लिए उनका धन्यवाद किया। भाविक ने केबीसी में 25 लख रुपए की धनराशि जीतने के साथ-साथ सुपर संदूक के सभी 10 सवालों के सही जवाब देकर श्री अमिताभ बच्चन के साथ उनके निवास स्थान पर उनके साथ रात्रि भोज करने का सुअवसर प्राप्त किया। इसके साथ-साथ भाविक ने अन्य कई पुरस्कार भी प्राप्त किए , जिनमें आकाश संस्था से एक छात्रवृत्ति, एटमबर्ग पंखा , पतंजलि और गोदरेज तिलों की तरफ से उपहार, गो चीज द्वारा एक साल की मुफ्त आपूर्ति एवं गो चीज की फैक्ट्री में जाने का अवसर, केबीसी द्वारा पदक एवं प्रमाण पत्र, एक एशियन पेंट्स रॉयल गलिट्ज मोमेंटो ,श्री अमिताभ बच्चन जी के साथ खींचा गया चित्र उन्हीं के द्वारा हस्ताक्षरित, कल्याण आभूषण विक्रेताओं की तरफ से एक सोने का सिक्का। इस अवसर पर स्कूल बैंड ने भी एक संगीतात्मक प्रस्तुति देकर समस्त वातावरण को उत्साह और गर्व से सारोबार कर दिया।

अवैध खनन रोकने के लिए सख्त से सख्त उठाएं कदम : विक्रम सिंह

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद,। उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि अवैध खनन करने वालों के खिलाफ संबंधित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी सख्त से सख्त कार्यवाही करें तथा अवैध खनन माफिया की धर-पकड़ के लिए नियमित रूप से टीमें गठित कर निगरानी एवं गस्त करें। उपायुक्त विक्रम सिंह आज सोमवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में अवैध खनन को रोकने के लिए गठित की गयी जिला स्तरीय टास्क फोर्स के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दे रहे थे। उपायुक्त विक्रम सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रकार की कार्रवाई को जारी रखते हुए और बढ़ाया जाये। यमुना में किसी भी स्थिति में खनन नहीं होना चाहिए। खनन की रोकथाम के लिए हर आवश्यक कदम उठायें। अवैध खनन करने वालों की शिकायतों और सूचनाओं पर त्वरित कार्यवाही अमल में लाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही अवैध रूप से ओवरलोडिंग को लेकर भी सख्ती से पेश आकर चालान करना सुनिश्चित करें। अतिरिक्त उपायुक्त ने समीक्षा बैठक में खनन विभाग, आरटीए, पुलिस व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों से तालमेल के साथ कार्य करने के दिशा निर्देश दिए। जिला फरीदाबाद में विभिन्न थानों, चौकियों में मुकद्दमें दर्ज करवाने और वाहनों को अवैध खनन परिवहन करते हुए पकड़ा जाने तथा वाहनों से पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि व खनिज की रॉयल्टी व जुमार्ना राशि के रूप में उनसे जुमार्ने की वसूली की धनराशि बारे विस्तृत जानकारी दी जाए। बैठक में एसडीएम फरीदाबाद शिखा, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भरद्वाज, आरटीए सचिव मुनीश सहगल, एसीपी क्राइम अमन यादव सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

महाकुंभ 2025 : स्वच्छता और सुविधा को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने निर्धारित किए मानक

प्रात: किरण, संवाददाता

प्रयागराज,। महाकुंभ 2025 को स्वच्छ महाकुंभ के रूप में स्थापित करने के लिए योगी सरकार पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। इसका उद्देश्य यही है कि महाकुंभ के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को साफ-सुथरे टॉयलेट्स, यूरिनल पॉट्स की सुविधा प्रदान की जा सके, ताकि वो यहां से एक यादगार अनुभव लेकर वापस लौटें। इसके लिए मेला प्रशासन की ओर से गाइडलाइंस जारी की गई हैं। इसके अनुसार, शौचालयों की साफ-सफाई पर फोकस रहेगा। साथ ही, मैनपावर की कमी न हो इसका भी ध्यान रखा जाएगा। सभी वेंडर्स को सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित मानकों के अनुरूप 10 शौचालयों पर एक सफाई कर्मी तैनात किया जाए, जबकि 10 सफाईकर्मियों पर एक सुपरवाइजर नियुक्त किया जाएगा। इसी तरह, 20 यूरिनल्स पर एक सफाईकर्मी और 20 सफाईकर्मियों पर एक सुपरवाइजर तैनात रहेगा। विशेष कार्याधिकारी महाकुंभ मेला आकांक्षा राना के अनुसार, मेला क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालयों और स्वच्छता सुविधाओं की बेहतर देखरेख के लिए जनशक्ति तैनाती पर मेला प्रशासन की ओर से कुछ मानक निर्धारित किए गए हैं, जिन्हें हर हाल में वेंडर्स को सुनिश्चित करना होगा। इन नए मानकों का उद्देश्य सार्वजनिक स्वच्छता को उन्नत करना और श्रद्धालुओं व पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है। इसके तहत, 10 शौचालयों पर 1 सफाईकर्मी, 10 सफाईकर्मियों पर 1 सुपरवाइजर, 20 यूरिनल्स पर 1 सफाईकर्मी और 20 सफाईकर्मियों पर एक सुपरवाइजर की नियुक्ति अनिवार्य होगी। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सफाईकर्मी सफाई करते समय दस्ताने और जूते जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) अवश्य पहने हों। इसके माध्यम से सफाई के साथ-साथ सफाईकर्मियों की सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जाएगा। निर्धारित मानकों के अनुसार, शौचालय, वॉश बेसिन, फर्श और टाइलों को दाग और गंदगी मुक्त रखा जाएगा। टॉयलेट पेपर, साबुन डिस्पेंसर, हैंड सैनेटाइजर और महिला स्वच्छता उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही, फ्लश सिस्टम, नल और शॉवर बिना किसी रिसाव के सही तरीके से क्रियाशील होने चाहिए। साथ ही, गंध नियंत्रण तकनीक का उपयोग करते हुए शौचालय की दुर्गंध को 10-15 मिनट में हटाने और कचरे को 24 घंटे में विघटित करने की व्यवस्था लागू होगी। इससे बार-बार उपयोग होने के बावजूद गंध या गंदगी से निजात मिल सकेगी और बिना किसी हिचकिचाहट के लोग इसका उपयोग कर सकेंगे। प्रमुख स्नान पर्व पर भी यह व्यवस्था पूरी तत्परता से लागू रहेगी, जिससे अत्यधिक भीड़ के बावजूद किसी तरह की कोई समस्या उत्पन्न नहीं होगी। शौचालय इकाइयों में उपयुक्त प्रकाश व्यवस्था अनिवार्यता के साथ लागू की जाएगी। साथ ही, गड्ढे, दरारें या कंक्रीट जोड़ों, विद्युत फिटिंग्स, और साइनेज में किसी भी प्रकार की क्षति का समय पर समाधान किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शौचालय सुविधाएं आसानी से सुलभ स्थानों पर उपलब्ध हों। हर 10 शौचालयों में से कम से कम 1 शौचालय को दिव्यांगों के लिए सुलभ बनाया जाएगा।

25-25 हजार रुपये के दो इनामी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, 80 लाख के आभूषण बरामद

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा,। नोएडा में बीती देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई है।

जिसमें 2 इनामी बदमाश गिरफ्तार हुए हैं।

इनके पास से 80 लाख रुपए कीमत के आभूषण, 1 लाख से ज्यादा कैश और अवैध हथियार बरामद हुए हैं।

पुलिस ने बताया है।

कि पकड़े गए दोनों बदमाश पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं और फिलहाल गुड़गांव में रहकर एनसीआर के अंदर वारदातों को अंजाम देते थे।

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया है कि 17 नवंबर की रात में थाना सेक्टर 39 इलाके के दादरी रोड शशि चौक कट पर पुलिस बल के द्वारा चेकिंग की जा रही थी।

इसी दौरान शशि चौक की तरफ से आते हुए मोटरसाइकिल सवार 2 व्यक्तियों को रोकने का इशारा किया गया ।

जो नहीं रुके और अगाहपुर सेक्टर 49 की तरफ भागने लगे। पुलिस बल ने उनका पीछा शुरू किया तो बदमाश सेक्टर 42 के जंगल में घुस गये।

बदमाशों ने पीछे से आ रही पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी।

जिसमें पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में फायर किये। इस दौरान दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी और वह घायल हो गये।

पुलिस पूछताछ में पकड़े गए ।

घायल बदमाशों के नाम नूरजमाल शेख, जिला वर्धमान पश्चिम बंगाल और राजकुमार विश्वास जनपद मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल पता चले हैं।

इन दोनों पर थाना सेक्टर 39 से 25-25 हजार रुपये के इनामी घोषित हैं।

घायल बदमाशों के कब्जे से 2 तमंचे .315 बोर, 2 जिंदा कारतूस व 2 खोखा कारतूस, करीब 80 लाख रुपये की ज्वैलरी व एक लाख 35 हजार रुपये की नगदी बरामद हुई है। अभियुक्तों को उपचार के लिए । जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। यह कई दिनों से वांछित चल रहे थे पुलिस को उनके तलाश थी।

गाजियाबाद में पुलिस मुठभेड़ में हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

गाजियाबाद ।गाजियाबाद थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा पुलिस मुठभेड़ के दौरान हत्या के आरोपी दो अभियुक्त गिरफ्तार किये गए।

बीते 15-16 अक्टूबर की रात को थाना कोतवाली पुलिस को सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रेलवे लाइन के पास एक अज्ञात शव प्राप्त हुआ था।

जिसका पुलिस द्वारा पंचायत नामा कराया गया था। तीन दिनों तक शव की शिनाख्त न होने पर पुलिस ने ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। 16 नवंबर की रात को परमात्मा नामक एक व्यक्ति द्वारा फोटो के आधार पर शव की पहचान अपने बेटे लाल सिंह के रूप में की गई। उनके द्वारा थाने में एक तहरीर भी दी गई, जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें शक है।

कि कुछ लोगों द्वारा उनके पुत्र की हत्या की गई है।

और जिसके बाद शव को रेलवे लाइन पर फेंक दिया गया। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते ही मुकदमा दर्ज करके जांच के लिए एक टीम का गठन कर दिया।

दरअसल पुलिस को एक मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ वांछित व्यक्ति इंद्रनगर से चिपियाना के रास्ते जा रहे हैं।

जिसके बाद पुलिस की टीम एक्शन मोड में आ गई। दोनों अभियुक्त बाइक पर सवार थे।

पुलिस ने उन्हें रुकने के लिए कहा तो इन्होंने बाइक को पीछे की तरफ भागना शुरू कर दिया।

जब दूसरी पुलिस ने इन्हें रोकने का प्रयास किया तो इन्होंने तमंचे से पुलिस पर फायर कर दिया।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक व्यक्ति के पैर में गोली लगी और दूसरे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

जिस व्यक्ति के पैर में गोली लगी है, उसका नाम अनिल उफ लंबू है और दूसरे का नाम नहीम है।

जब पुलिस ने उनसे पूछताछ की तो पता चला कि इन दोनों आरोपियों ने लाल सिंह की हत्या की थी और उसके शव को रेलवे ट्रैक पर रख दिया था।

बाद में रेलगाड़ी आने पर शव कट गया था।

प्राकृतिक चिकित्सा दिवस पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से सूर्या फाउण्डेशन व इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आगेर्नाइजेशन क्ळड ने आयोजित किया राष्ट्रीय महाधिवेशन

प्रात: किरण, संवाददाता

राष्ट्रीय महाधिवेशन में देश भर से 3 हजार से भी ज्यादा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रतिनिधि पधारे। महाधिवेशन में नेशनल कमिशन आफ योग नेचुरौपैथी मेडिकल बिल 2023 को लागू करने की हुई मांग। दिल्ली 18 अक्टूबर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से सूर्या फाउण्डेशन व इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आगेर्नाइजेशन ;प्छव्द्ध ने तालकटोरा इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में 7वें प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय महाधिवेशन का आयोजन किया। इस राष्ट्रीय महाधिवेशन का उद्घाटन केन्द्रीय कानून व न्याय मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अधिवेशन में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा एवं आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव वर्चुअली उपस्थित रहे। इस अवसर पर कानून मंत्री मेघवाल जी ने कहा कि जो ठं३ड्डल्ल' उड्ढ२२ड्डल्ल ङ्ग१ क्ल्ल्ल्लि टीूल्लिी र८२३ी का बिल रूका हुआ है, उसे पास करवाने की अगर किसी में शक्ति है, तो उसका नाम है नरेंद्र मोदी, जो असंभव को भी संभव कर देते हैं। नारी वंदन बिल का उदाहरण देते हुए बताया कि ये बिल भी अटका हुआ था, उस अटके हुए बिल को संसद में पास कराकर नया इतिहास रचा। उन्होंने आश्वासन दिया नैचुरोपैथी योग का बिल जो अटका हुआ है उसे पास कराने का भरसक प्रयास किया जाएगा क्योंकि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री प्रकृति के पंचमहाभूतों के साथ प्राकृतिक जीवन जीते हैं। इसलिए कहा जाता है कि मोदी है तो मुमकिन है। इसलिए आपका बिल पास होना भी हर हाल में मुमकिन है। उद्घाटन सत्र को वर्चुअली संबोधित करते हुए श्री जे.पी. नड्डा जी ने कहा कि सूर्या फाउण्डेशन क्ळड ने योग-नैचुरोपैथी के प्रचार-प्रसार एवं विकास में अहम भूमिका निभाई है। भारत सरकार पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों के विकास एवं अनुसंधान के कार्य को निरंतर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने महाधिवेशन में देश भर से पधारे योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रतिनिधियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने सभा को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी स्वस्थ रहने के लिए प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाते थे। 78 वर्ष पूर्व आज ही के दिन गांधी जी द्वारा 1946 में पुणे में ऑल इंडिया नेचर क्योर फाउण्डेशन ट्रस्ट की स्थापना की गई थी। इस ट्रस्ट का उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा का ज्ञान व लाभ घर-घर तक पहुंचाना था। मुझे आज यह बताते हुए बड़ी खुशी हो रही है कि आज उसी स्थान पर निसर्ग ग्राम के नाम से पुणे में 250 बेड का अस्पताल बनाया गया है, जिसका उद्घाटन हाल ही में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। श्री जाधव ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा के प्रचार-प्रसार के लिए इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आगेर्नाइजेशन ;क्ळड द्वारा मुझे कई सुझाव मिले हैं। जिस पर मंत्रालय सकारात्मक कार्यवाही कर रहा है और जल्दी ही उसके परिणाम भी मिलेंगे। मैं आपसे आग्रह करूंगा की इस राष्ट्रीय महाधिवेशन के जो भी रेजोल्यूशन हो मुझे अवश्य भेजें आपके सभी सुझावों पर हम विचार करेंगे और उसे लागू करने का भी प्रयास करेंगे। इस अवसर पर सूर्या फाउण्डेशन प्छ० के चेयरमैन पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल ने देश भर से पधारे सभी प्राकृतिक चिकित्सा प्रेमियों को बधाई देते हुए कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा की प्रैक्टिस करने वाले हर डाक्टर को स्वयं पहले इसे अपनाना होगा उसके बाद वो रोगियों को इस पद्धति से स्वास्थ्य लाभ दे पायेंगे। उन्होंने कहा कि हर प्राकृतिक चिकित्सक को सप्ताह में एक बार जल चिकित्सा, उपवास चिकित्सा, मिट्टी चिकित्सा एवं फलाहार करना चाहिए। नेचुरोपैथी का योगदान विषय पर आयोजित इस राष्ट्रीय अधिवेशन में प्छ० के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा अनंत बिरादार ने कहा कि सभी हितधारकों के सुझावों को सम्मलित कर नेशनल कमीशन आफ योग नेचुरौपैथी मेडिकल बिल-2023 जल्दी से जल्दी लागू होना चाहिए साथ ही इसके माध्यम से ही सभी नेचुरोपैथी डाक्टरों का पंजीकरण होना चाहिए।

करण ने बताया क्यों बेची धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी

करण जौहर हिंदी फिल्मों के मशहूर निर्माता-निर्देशक हैं, जिन्होंने दशकों से लगातार दर्शकों का मनोरंजन किया है। उन्होंने हाल में ही अपने धर्मा प्रोडक्शन हाउस का 50 प्रतिशत हिस्सा सीरम इंस्टीट्यूट के प्रमुख अदार पूनावाला को बेचा है। इसके बाद अब उन्होंने धर्मा प्रोडक्शंस के विस्तार और भविष्य की योजनाओं को लेकर खुलकर बात की। करण ने कहा कि उनका लक्ष्य अधिक से अधिक परियोजनाओं का खुद निर्माण करना है, ताकि इसका सारा मुनाफा भी उनका ही रहे। उन्होंने कहा कि बड़े बजट की फिल्मों के लिए उन्हें अभी भी बाहरी मदद की आवश्यकता होगी, लेकिन वे छोटे बजट की फिल्मों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बड़े बजट की फिल्मों को अकेले बनाना संभव नहीं

दिग्गज निर्देशक ने आगे कहा, जब भी हमने बड़ी हिट फ़िल्में बनाईं, तो हम हमेशा मुनाफे को साझा करते रहे। इस परिदृश्य में, यह हमें अपनी मुनाफे को बढ़ाने और फिल्म पर पूरी तरह से स्वामित्व रखने का अवसर देता है। हां, हम ब्रह्मास्त्र जैसे बड़े प्रोजेक्ट बनाएंगे, जिन्हें स्टूडियो के समर्थन की आवश्यकता होगी। अगर मैं 250 करोड़ या 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की फिल्म बनाता हूं, तो अभी भी हमारे स्तर पर उसे पूरी तरह से फंड करना संभव नहीं है।

असली मुनाफा मध्यम बजट की फिल्मों में है

करण ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य बहुत सारे छोटे बजट की फिल्में बनाना है। उन्होंने कहा, यह मध्यम बजट की फिल्म है, जहां मुनाफे की लागत बहुत ज्यादा होती है। ये ऐसी फिल्में हैं, जिन्हें आप पूरी तरह से अपने दम पर फंड कर सकते हैं। आप बड़े मुनाफे का मजा ले सकते हैं और उसका फायदा उठा सकते हैं। मेरा मानना है कि असली पैसा मध्यम बजट की
करण ने स्पष्ट करते हुए कहा कि बड़ी फिल्मों के साथ, रिकवरी की यात्रा अक्सर लंबी होती है और मार्जिन बहुत बड़ा नहीं होता है। उन्होंने कहा,जब आप 65 करोड़ से 80 करोड़ रुपये की विंडो में कोई फिल्म बनाते हैं और आप वाकई बड़ी संख्या में हिट होते हैं, तो मैं उसी फिल्म का पीछा करता हूं। बड़े बजट की फिल्म से ज़्यादा, मैं मध्यम बजट की फिल्म का पीछा करता हूं, जो मुझे बड़ा रिटर्न देती है। हर कोई सोचता है कि जितनी बड़ी फिल्म होगी, उतनी ही बड़ी कमाई होगी, लेकिन यह सच नहीं है।

सूर्या 44 पर पूजा हेगड़े ने दिया बड़ा अपडेट

सूर्या की फिल्म कंगुवा सिनेमाघरों में लगी हुई है। इसी बीच अभिनेता की दूसरी बहुप्रतीक्षित फिल्म सूर्या 44 भी अपने नए अपडेट को लेकर सुर्खियां बटोर रही है। सूर्या ने अपनी 44वें फिल्म के लिए फिल्म निर्माता कार्तिक सुब्बाराज के साथ हाथ मिलाया है। इस प्रोजेक्ट को अस्थायी रूप से सूर्या 44 नाम दिया गया है। इसे एक अलग दौर में सेट की गई एक्शन-ड्रामा फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म से जुड़े पोस्टर ने प्रशंसकों का उत्साह बढ़ाया हुआ है। इसी बीच इसकी मुख्य अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने फिल्म से जुड़ी बड़ी जानकारी साझा की है। पूजा हेगड़े ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर आस्क मी एनीथिंग सेशन का आयोजन किया। इस दौरान उनसे फिल्म के बारे में पूछा गया। इस पर अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए कहा कि फिल्म एक रोमांटिक सेटिंग पर आधारित है और कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित एक रोमांचक रोमांटिक फिल्म होने का वादा करती है।

अभिनेत्री ने की फिल्म के जॉनर की घोषणा

एक प्रशंसक के जरिए फिल्म के बारे में पूछे जाने पर अभिनेत्री ने कहा, अगर कार्तिक सुब्बाराज को एक प्रेम कहानी लिखनी होती, तो वह कैसी होती? वह सूर्या 44 है। फिल्म के जॉनर ने प्रशंसकों के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। प्रशंसक, सूर्या को एक दफा फिर रोमांटिक भूमिका में देखने के लिए रोमांचित हैं। साथ ही देखना चाहते हैं कि कार्तिक सुब्बाराज इसे किस तरह पेश करने वाले हैं।

सूर्या 44 की स्टारकास्ट

सूर्या 44 में सूर्या और पूजा हेगड़े के अलावा जयराम, करुणाकरण और जोजू जॉर्ज अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। संतोष नारायणन गाने और मूल स्कोर की रचना कर रहे हैं। श्रेयस कृष्णा छायांकन संभाल रहे हैं। शफीक मोहम्मद अली संपादन संभाल रहे हैं। सूर्या 44 को सूर्या के होम बैनर, 2डी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित किया गया है।

सूर्या 43 पर भी चल रहा काम

दूसरी ओर सूर्या सुधा कोंगारा के साथ सूर्या 43 के लिए भी काम कर रहे हैं, जिसमें दुलकर सलमान, नजरिया फहद और विजय वर्मा होंगे। दर्शकों को कंगुवा से काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम होती नजर आ रही है। ऐसे में अभिनेता को एक बड़ी हिट की बेहद आवश्यक्ता है।

हैप्पी मैरिड लाइफ चाहते हैं नागा चैतन्य

साउथ सिनेमा के सितारे राणा दग्गुबाती अपने टॉक शो द राणा दग्गुबाती शो के साथ नजर आने वाले हैं। इस शो का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस शो को ओटीटी पर अमेजन प्राइम पर देखा जा सकता है। शो में साउथ के बड़े सितारे पहुंचे और अपने जीवन से जुड़ी कुछ बातें बताएंगे। इस शो में साउथ सिनेमा के बड़े सितारे पहुंचे। शो में राणा दग्गुबात ने पूछा कि नागा अपने जीवन में क्या चाहते हैं। नागा चैतन्य ने बताया कि वे अपने जीवन में एक हैप्पी मैरिड लाइफ और कुछ बच्चे चाहते हैं। इस पर राणा कहते हैं वैंकी अंकल की तरह, तो चैतन्य कहते हैं, नहीं...नहीं..और दोनों जोर से हंसने लगते हैं।
राणा दग्गुबाती का शो इसी साल 23 नवंबर से शुरू होने वाला है। राणा दग्गुबाती द्वारा होस्ट किए जाने वाले इस शो में आठ एपिसोड होंगे। शो में टॉलीवुड हस्तियों के जीवन की एक अनफिल्टर्ड झलक देखने को मिलेगी।

क्या 'कंगुवा' के लिए दिशा पटानी को मिली अब तक की सबसे मोटी फीस?

दक्षिण भारतीय अभिनेता सूर्या की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'कंगुवा' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म हाल के दिनों में आई सबसे महंगी तमिल फिल्मों में से एक के रूप में चर्चा में है। इस पीरियड ड्रामा को हर जगह दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं, दिशा पटानी फिल्म में लीड फीमेल रोल में नजर आई हैं। हालांकि, उनकी भूमिका फिल्म में ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाई है।

दिशा को मिली अब तक की सबसे ज्यादा फीस
मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दिशा पटानी को इस फिल्म में मोटी रकम दी गई है। अभिनेत्री को इस फिल्म के लिए पांच करोड़ रुपये दिए गए हैं। कहा जा रहा है कि यह उनकी अब तक की सबसे ज्यादा फीस है।

फिल्म के संगीत पर होगा दोबारा काम

हाल ही में कंगुवा के निर्माता के के ई ज्ञानवेल राजा ने फिल्म के तेज साउंड डिजाइन की आलोचनाओं के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह फिल्म की साउंड मिक्सिंग है, जो गलत हो गई। उन्होंने आगे कहा कि कंगुवा टीम फिल्म के साउंड मिक्सिंग को फिर से बनाने और वॉल्यूम को कम करने की योजना बना रही है।

कितना है फिल्म का बजट?

कंगुवा को इस साल की सबसे बड़ी और सबसे महंगी फिल्मों में से एक बताया जा रहा है। 350 करोड़ रुपये से ज्यादा के अनुमानित बजट के साथ इसके पुष्पा 2, सिंघम अगेन और कई अन्य बड़ी फिल्मों से बड़ी होने का दावा किया जा रहा है। इसके अलावा इस फिल्म की शूटिंग भारत के विभिन्न महाद्वीपों के सात अलग-अलग देशों में की गई है।

फिल्म में शामिल है ये कलाकार

निर्देशक सिरुथाई शिवा की कंगुवा एक महत्वाकांक्षी फैंटसी एक्शन फिल्म है। फिल्म में सूर्या और बॉबी देओल के अलावा दिशा पटानी, नटराजन सुब्रमण्यम, जगपति बाबू, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, कोवई सरला, आनंदराज, मारीमुथु, दीपा वेंकट, रवि राघवेंद्र और केएस रविकुमार सहायक भूमिकाओं में शामिल हैं।

महारानी बन फिर अपनी सत्ता कायम करने आएंगी हुमा कुरैशी, अभिनेत्री ने किया चौथे सीजन का एलान

अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी सीरीज मिथ्या को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। सीरीज में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इसके साथ ही वे मिथ्या के प्रचार में भी जुटी भी हैं। ऐसे में अब उन्होंने अपने एक और हिट सीरीज महारानी के बारे में बात की। इसके साथ ही अभिनेत्री ने अपनी हिट सीरीज महारानी के चौथे भाग के बारे में भी जानकारी दी।

जल्द आएगा चौथा सीजन

हुमा कुरैशी ने हाल ही में महारानी के चौथे सीजन की पुष्टि की। महारानी के तीन सीजन पहले ही आ चुके हैं, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। अब हुमा ने खुलासा किया कि इस सीरीज का चौथा भाग जल्द आने वाला है। यूं तो हुमा ने कई सीरीज में काम किया है, लेकिन महारानी ने हुमा के करियर में चार चांद लगा दिए। सीरीज में उन्होंने रानी भारती की भूमिका निभाई थी, जो एक अनपढ़ महिला है, जो अपने पति के घायल होने के बाद बिहार की मुख्यमंत्री बन जाती है। दर्शकों ने सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रहे महारानी के तीनों सीजन में हुमा के अभिनय को खूब पसंद किया।

ओटीटी ने बदली जिंदगी

इस साल कोई भी फिल्म रिलीज होने के बावजूद हुमा कुरैशी को महारानी 3 और मिथ्या- द डार्कर चैप्टर के साथ ओटीटी प्लेटफार्मों पर सफलता मिली। ओटीटी के प्रभाव की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, ओटीटी एक बटन के टैप पर मनोरंजन उपलब्ध कराता है और यह बहुत बड़ी शक्ति है, लेकिन मुझे लगता है कि यह एक अलग तरह की विषय-वस्तु के लिए है। कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें बड़े पर्दे पर उसी तरह अनुभव किया जाना चाहिए, जिस तरह से उन्हें फिल्माया गया है। हुमा ने अपने करियर के बारे में बात करते हुए कहा, मैं महारानी से पहले और बाद में अपने करियर को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर सकती हूं। यह वह शो था, जहां लोगों ने वास्तव में मेरी क्षमता पर ध्यान दिया। इसकी सफलता ने लोगों को मेरी ऐसी भूमिकाओं की कल्पना करने पर मजबूर कर दिया, जो वे पहले नहीं कर सकते थे और अब महारानी का सीजन 4 आने वाला है। मुझसे भी अधिक मेरी ओटीटी सफलता ने निर्माताओं को मुझ पर अधिक विश्वास दिलाया है।

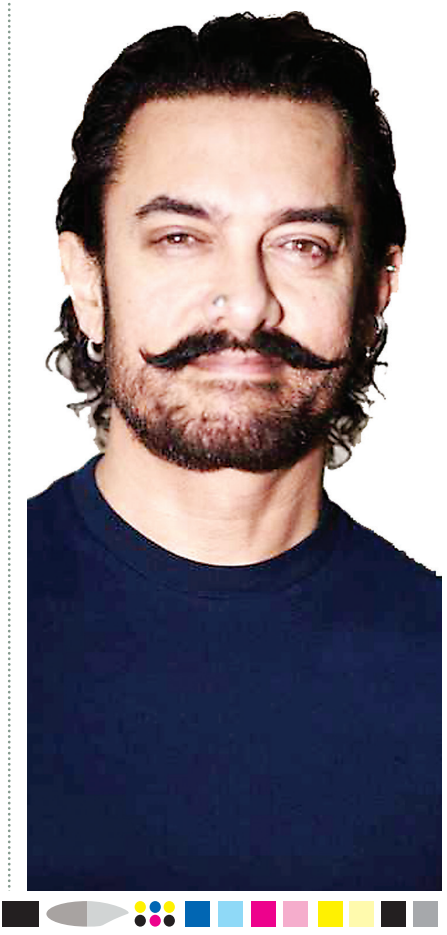

जीवन के आने वाले 10 वर्षों में खूब काम करेंगे आमिर, बोले- नए टैलेंट्स के लिए मंच बनाना चाहता हूं

आमिर खान बॉलीवुड के बड़े सुपरस्टार हैं। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार और बेहतरीन फिल्में दी हैं। 1988 में कयामत से कयामत तक से अपने करियर की शुरुआत करने वाले आमिर खान तीन दशक से भी ज्यादा समय से हिंदी सिनेमा में अपना योगदान दे रहे हैं। हालांकि, महामारी के बाद आमिर ने इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला कर लिया था, लेकिन परिवार ने उन्हें अपने फैसले पर फिर से विचार करने का सुझाव दिया। अब हाल ही में, आमिर ने अपने आने वाले दस साल के प्लान के बारे में बताया है। जब आमिर अपने ब्रेक से लौटे, तो उन्होंने तुरंत छह प्रोजेक्ट हाथ में ले लिए, जो उनके करियर में पहली बार है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, अभिनेता ने इसके पीछे की वजह का खुलासा किया। हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया को दिए गए इंटरव्यू में आमिर ने कहा, मैंने अपनी जिंदगी में कभी भी एक साथ छह फिल्में नहीं की हैं। इस बार, मेरे पास इसके लिए अपनी वजह थी।

अगले दस साल की प्लानिंग की साझा

अभिनेता ने आगे कहा, जब मैंने आखिरकार तय किया कि, ठीक है, मैं अभी फिल्में नहीं छोड़ूंगा, तो मेरे दिमाग में अगला विचार आया कि शायद ये मेरे कामकाजी जीवन के आखिरी 10 साल हैं। उन्होंने आगे कहा, आप जीवन पर भरोसा नहीं कर सकते, हम कल मर सकते हैं। इसलिए, मैं कह रहा हूं कि मेरे पास जीवन के लगभग 10 साल हैं। अगले दस साल तक करेंगे दर्शकों का मनोरंजन यही नहीं, अभिनेता ने आगे कहा, मैं 59 साल का हूं। जब तक मैं 70 साल का हो जाऊंगा, तब तक मैं उम्मीद करता हूं कि मैं अपना काम से लोगों को कुछ न कुछ देता रहूंगा। इसलिए, फिर मैंने सोचा कि मुझे अपने आखिरी 10 साल सबसे अधिक काम कर के लोगों का ज्यादा से ज्यादा मनोरंजन करना चाहिए। इसलिए मैंने ज्यादा फिल्में करने का फैसला किया।

नानी ने अगली फिल्म के लिए इस मशहूर निर्देशक के साथ मिलाया हाथ

साउथ सुपरस्टार नानी ने हाल ही में मलयालम सिनेमा के प्रति अपनी गहरी रूचि व्यक्त की और भविष्य में इंडस्ट्री के दिग्गज फिल्म निर्माताओं और लेखकों के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। वहीं, अब अभिनेता की नई फिल्म को लेकर खबर आ रही है। ताजा खबर है कि नानी अब मलयालम इंडस्ट्री के मशहूर निर्देशक विपिन दास के साथ उनकी अगली फिल्म के लिए काम करने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, नानी आखिरकार मलयालम फिल्म उद्योग की प्रतिभाओं के साथ काम करने की अपनी पुरानी इच्छा को पूरा करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता अपनी अगली फिल्म के लिए मशहूर निर्देशक विपिन दास के साथ हाथ मिलाने के लिए तैयार हैं, जिन्होंने जय जय जय हे और ब्लॉकबस्टर गुरुवायुरम्बल नादायिल का निर्देशन किया था। कहा गया कि अभिनेता और फिल्म निर्माता बहुत जल्द अपने पहले सहयोग की घोषणा करने की योजना बना रहे हैं।

2026 में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

दावा किया गया कि शाइन स्क्रीन के बैनर तले नानी की लोकप्रिय फिल्म टक जगदीश को निर्मित करने वाले साहू गरपति इस फिल्म का निर्माण करने के लिए तैयार हैं। निर्देशक ने हाल ही में अभिनेता को एक कहानी सुनाई, जिसे उन्होंने तुरंत पसंद कर लिया। नानी ने तुरंत फिल्म के लिए हां कह दिया और इस प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट पर काम शुरू हो चुका है।

संक्षिप्त समाचार

राठी स्टील एंड पॉवर लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में शानदार कमाई की घोषणा की

Rathi Steel And Power Ltd
Building infrastructure for the Nation
Since 1972

गाज़ियाबाद, एजेंसी। स्टेनलेस स्टील उत्पादों जैसे वायर रॉड्स, बिलेट्स, फ्लैट्स में अग्रणी राठी स्टील एंड पॉवर लिमिटेड ने 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही और छह महीने की अवधि के लिए अपनी आय की घोषणा की है।वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में राजस्व 121.43 करोड़ रुपये था, जबकि वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में यह 126.70 करोड़ रुपये था। यह मुख्य रूप से थोड़ी कम प्राप्तियों और पिछली समान अवधि में नौकरी के काम और व्यापार से अधिक बिक्री के कारण है। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए एबिटा (अन्य आय को छोड़कर) 5.14 करोड़ रुपये था, जबकि एबिटा मार्जिन 4.23 प्रतिशत था। लागत दक्षता उपायों का प्रभाव स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिए परिवर्तित बाजार स्थितियों से ऑफसेट हो गया था। लंबे मानसून और चीन, दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से फ्लैट स्टील के नियमित प्रवाह ने समग्र बाजार भावनाओं को प्रभावित किया। तिमाही के लिए शुद्ध लाभ 6.94 करोड़ रुपये था, जबकि वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में यह 0.82 करोड़ रुपये था।वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही के लिए राजस्व 249.15 करोड़ रुपये था, जबकि वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही में यह 273.26 करोड़ रुपये था। यह मुख्य रूप से अवधि के शुरुआती महीनों में नियोजित संयंत्र बंद होने के कारण है।

हार्डविन इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में शानदार वित्तीय परिणाम घोषित किये

मुंबई, एजेंसी। आर्किटेक्ट्रल हार्डवेयर और ग्लास फिटिंग्स में अग्रणी कंपनी, हार्डविन इंडिया लिमिटेड ने 14 नवंबर, 2024 को अपनी बोर्ड बैठक में 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही और छह महीने की अवधि के लिए मजबूत आय की घोषणा की है। इसके अलावा, बोर्ड ने 2:5 के अनुपात में बोनस इम्टि शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है, अर्थात् कंपनी के सदस्यों द्वारा रिकॉर्ड तिथि को रखे गए प्रत्येक 05 (पाँच) मौजूदा इम्टि शेयरों के लिए 02 (दो) इम्टि शेयर, आवश्यक मंजूरियों के अधीन, जैसा कि आवश्यक हो सकता है। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, परिचालन से राजस्व में 61.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024 में रु. 3193.52 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में रु. 5164.74 लाख हो गया। एबिटा में 168.50त्न की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024 में रु. 235.01 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में रु. 631.01 लाख हो गया। एबिटा मार्जिन में 7.34 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 12.20त्न हो गया, जो 486 बीपीएस की वृद्धि है। शुद्ध लाभ में 172.54 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024 में रु. 148.24 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में रु. 404.01 लाख हो गया। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए, परिचालन से राजस्व में 34.56 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही में रु. 6879.66 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में रु. 9257.49 लाख हो गया। एबिटा में 112.03 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही में रु. 414.46 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में रु. 878.80 लाख हो गया।

सोयाबीन-कपास के किसानों को मिलेंगे प्रति हेक्टेयर 5000, ओएनजीसी में दूसरी तिमाही के नतीजे जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि सोयाबीन और कपास की खेती करने वाले किसानों के बैंक खातों में अतिरिक्त 5,000 रुपये प्रति हेक्टेयर भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मलयेशिया और इंडोनेशिया से खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाकर 27.5 फीसदी कर दिया गया है, ताकि घरेलू बाजारों में तेल की मिलें घरेलू किसानों से सोयाबीन खरीद सकें। केंद्रीय मंत्री ने भावांतर भुगतान योजना के बारे में भी बताया। भावांतर भुगतान योजना एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसमें सरकार किसानों को एमएसपी और जिस दर पर वे अपनी फसल बेचते हैं, उसके अंतर की भरपाई करती है। उन्होंने कहा, दूसरी योजना में, आईसीएआर आलू, प्याज और टमाटर जैसी फसलों के लिए आदर्श दर निर्धारित करेगा और उत्पादन लागत पर किसानों को 50 फीसदी का लाभ देगा।

ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के परिणामों को मंजूरी दी है। इसमें वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी ने 17.1 फीसदी की वृद्धि के साथ 11,984 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है। साथ ही 6 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है। घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर निरंतर जोर देने के साथ ओएनजीसी कच्चे तेल के उत्पादन में गिरावट की प्रवृत्ति को पलटने में सक्षम रही है। वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के दौरान स्टैंडअलोन कच्चे तेल का उत्पादन (कंडेनसेट को छोड़कर) 4.576 एमएमटी था, जो वित्त वर्ष 24 की इसी तिमाही की तुलना में 0.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज करता है।

निवेशकों में जागरूकता फैलाने के प्रयास के तहत सेबी ने एनआईएसएम, बीएसई, एनएसई, एमसीएक्स, एनसीडीईएक्स, सीडीएसएल, एनएसडीएल और एएमएफआई के साथ मिलकर 43वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में भारत का शेयर बाजार मंडप स्थापित किया है। मंडप का उद्घाटन सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश सी. वार्ष्णेय ने किया। सेबी भौतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता फैलाने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। सेबी इन्वेस्टर वेबसाइट वीडियो लर्निंग मॉड्यूल, वित्तीय कैलकुलेटर और वित्तीय स्वास्थ्य जांच जैसे उपकरण प्रदान करती है।

एनटीपीसी ने मेथनॉल के लिए स्वदेशी उत्प्रेरक किया विकसित

एनटीपीसी की अनुसंधान एवं विकास शाखा नेत्रा ने भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (आईआईपी), देहरादून के सहयोग से कार्बन डाईऑक्साइड (सीओ2) को मेथनॉल में हाइड्रोजनीकरण करने के लिए स्वदेशी उत्प्रेरक विकसित किया है। किसी भी रासायनिक संश्लेषण के लिए उत्प्रेरक एक आवश्यक घटक है। उत्प्रेरक के लक्षण-निर्धारण के बाद, उत्प्रेरक के दीर्घकालिक मात्रात्मक और गुणात्मक प्रदर्शन का मूल्यांकन विशेष रूप से डिजाइन किए गए 10 किलोग्राम/दिन मेथनॉल पायलट प्लांट में किया जा रहा है।

गेल (इंडिया) लिमिटेड ने एडीएनओसी गैस के साथ 2026 से शुरू होने वाले 0.52 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) तक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की डिलीवरी के लिए 10 साल के बिक्री और खरीद समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए। यह किसी भारतीय खरीदार के साथ एडीएनओसी गैस का पहला एसपीए है। गेल के निदेशक (विपणन) संजय कुमार ने कहा कि देश में विविध क्षेत्रीय पैटर्न में प्राकृतिक गैस की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एलएनजी की मांग बढ़ रही है।

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हडको) ने वित्तीय वर्ष 2025 की प्रथम छमाही में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जो दर्शाता है कि इस वृद्धि से प्रमुख वित्तीय मापदंड के क्षेत्र में नए रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। वित्तीय वर्ष 2025 की प्रथम छमाही में हडको के परिणामों की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार है। इसमें ऋण स्वीकृति में अब तक के सबसे बड़े ऋण के संबंध में स्वीकृतियां हासिल की। ऋण संवितरण में गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3,723 करोड़ रुपये से लगभग 6 गुना की उत्तरोत्तर वृद्धि दर्ज की, जो अब तक की सबसे अधिक 21,699 करोड़ रुपये की राशि का प्रथम छमाही का ऋण संवितरण है।

बीएचईएल पावर प्लांट के लिए सफल बोलीदाता के रूप में उभरा

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल), एनटीपीसी लिमिटेड के तेलंगाना स्टेज- 2 सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट (3×800 मेगावाट) के मुख्य संयंत्र पैकेज की स्थापना के अनुबंध में सफल बोलीदाता के रूप में उभरा है। इस अनुबंध के तहत, बीएचईएल के कार्य क्षेत्र में डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, निर्माण, कमीशनिंग और सिविल निर्माण शामिल हैं। वर्तमान में बीएचईएल को इस सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के लिए मुख्य संयंत्र पैकेज के बुनियादी इंजीनियरिंग कार्य शुरू करने के लिए एनटीपीसी लिमिटेड से आगे बढ़ने के लिए सीमित नोटिस (एलएनटीपी) प्राप्त हुआ है। यह परियोजना एनटीपीसी के साथ बीएचईएल की साझेदारी को और मजबूत करती है, जहां बीएचईएल ने देश भर में एनटीपीसी के थर्मल पावर परियोजनाओं में 57 फीसदी से अधिक का योगदान दिया है।

गेल के निदेशक (वित्त) राकेश कुमार जैन सम्मानित

गेल (इंडिया) लिमिटेड के निदेशक (वित्त) राकेश कुमार जैन को एक निजी चैनल की ओर से आयोजित राष्ट्रीय आर्थिक विकास शिखर सम्मेलन 2024 में भारत में शीर्ष 50 दूरदर्शी सीएफओ के रूप में सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके असाधारण नेतृत्व और गेल की सफलता में वर्षों से योगदान के लिए मिला है। वह पेशे से कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट हैं। वे 1992 में गेल में मैनेजमेंट ट्रेनी के तौर पर शामिल हुए थे।

टैक्सपेयर्स को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने रविवार को टैक्सपेयर्स को आगाह किया है कि यदि इनकम टैक्स रिटर्न में विदेश में स्थित संपत्ति या विदेशी स्रोत से अर्जित आय का खुलासा नहीं किया गया तो काला धन कानून के तहत 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जा सकता है। विभाग ने हाल ही में एक कंप्लायंस और अवेयरनेस कैंपेन शुरू किया है, जिसके अंतर्गत टैक्सपेयर्स को यह जानकारी देने के लिए पब्लिक एडवाइजरी जारी की गई है कि वे असेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए अपने जीएसटी में ऐसी जानकारी दर्ज करें। ट्रस्ट जिसमें व्यक्ति ट्रस्टी है, विदेश में रखी कोई अचल संपत्ति, अभिरक्षक खाते, इक्विटी या ऋण हित, और हस्ताक्षर प्राधिकारी वाले खाते। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने बताया कि जिन टैक्सपेयर्स की विदेशी संपत्ति या विदेशी स्रोत से आय है, उन्हें आईटीआर में विदेशी संपत्ति या विदेशी स्रोत से आय की जानकारी को अनिवार्य रूप से दर्ज करना होगा। यह नियम उन पर भी लागू होता है जिनकी आय कर योग्य सीमा से कम है या जिन्होंने विदेश में संपत्ति प्रकट स्रोतों से अर्जित की है।

सस्ता हो रहा सोना, अच्छे फायदे के लिए करें निवेश

आगे दाम में आ सकती है तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक विपरीत आर्थिक स्थितियों के बीच शेयर बाजारों से लेकर सोने-चांदी में पिछले 50 दिनों से भारी गिरावट जारी है। सोना और चांदी हाल के दिनों मे सस्ता हो चुके हैं। ऐसे में सोने में निवेश का गणित बताती रिपोर्ट- सोना और चांदी एक ऐसी बहुमूल्य संपत्ति है जो देश के हर घरों में एक भावनात्मक लगाव रखती है। हालांकि, पिछले कुछ समय से यह निवेश के साधन के तौर पर भी उपयोग में आने लगा है। खासकर, जब से सरकार ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की शुरुआत की है। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े देखें तो इन बहुमूल्य धातुओं ने शेयर बाजारों या किसी और निवेश के साधनों की तुलना में ज्यादा रिटर्न दिया है। ऐसे में इस समय गिरावट के बाद सोने में निवेश करना फायदेमंद हो सकता है।

मजबूत डॉलर और अमेरिकी महंगाई से उपजी चिंता के कारण सोना अपने शीर्ष स्तर से अब तक 5,350 रुपये प्रति दस ग्राम सस्ता हो चुका है। 30 अक्तूबर को सोने का दाम 82,400 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव पर था। अब यह 77,050 रुपये पर आ गया है। ऐसे में अगर सोना अपने पुराने भाव पर भी हाल फिलहाल पहुंचता है तो आपको प्रति दस ग्राम 5,350 रुपये का फायदा हो सकता है। सोने का इतिहास रहा है कि इसने हमेशा लंबे समय में फायदा दिया है। जब आर्थिक स्थितियां बिलकुल विपरीत होती हैं तो सोना सबसे ज्यादा रिटर्न देता है। उदाहरण के तौर पर कोरोना के समय सोने ने मालामाल कर दिया था। उस साल में सोने के भाव में 45.64 प्रतिशत की तेजी आई थी। अक्षय तृतीय को आधार मानें तो सालाना आधार पर इसका रिटर्न उम्दा रहा है। 2024 में इसने 18.16 फीसदी का फायदा दिया है। 2023 में 19.32 फीसदी, 2022 में 6.50 फीसदी, 2021 में 2.52 फीसदी का मुनाफा दिया है।

विश्लेषकों का मानना है कि जैसे ही आर्थिक स्थितियों में सुधार होगा और शेयर बाजारों में तेजी आएगी, वैसे ही सोने के दाम फिर वापस लौटेंगे। वैश्विक स्तर पर कई देशों के बीच तनाव जारी है। महंगाई भी ऊपर है। ब्याज दरों में कटौती का चक्र अभी भी थमा हुआ है। ऐसे में आगे चलकर सोने के दाम फिर से तेज रफ्तार से बढ़ सकते हैं। अक्तूबर में शेयर बाजारों में गिरावट से पहले सोने के दाम भी अपने ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच चुके थे। लेकिन बाजारों में गिरावट के साथ सोने का भाव भी गिरता गया।

निवेशकों को शेयर बाजार में घाटे के बाद बैंकों में बढ़ा जमा, 15 दिन में 2.35 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में पिछले 48 दिनों से जारी तेज गिरावट के बीच निवेशकों ने अब बैंकों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। आरबीआई के आंकड़े बताते हैं कि एक नवंबर को समाप्त पखवाड़े में बैंकों के जमा में 2.35 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर के पहले पखवाड़े में बैंकों से 1.12 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। यह पैसे सीधे तौर पर इक्विटी बाजार में निवेश किए गए थे। अक्तूबर में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स करीब छह फीसदी टूट गया था। इससे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ, जिससे वे सुरक्षित माने जाने वाले बैंक का सहारा लेने लगे।

सितंबर में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) सेंसेक्स 85,800 के पार अपने शीर्ष पर था। उस समय लगातार बाजार में निवेश आ रहा था। तब सूचीबद्ध कंपनियों की पूंजी 478 लाख करोड़ रुपये हो गई थी। रिजर्व बैंक के आंकड़े बताते हैं कि सेंसेक्स के रिकॉर्ड से पहले अगस्त के अंतिम पखवाड़े में बैंकों का कुल जमा 215.50 लाख करोड़ रुपये था।

आंकड़ों के अनुसार, सितंबर के पहले पखवाड़े में जमा 45,000 करोड़ रुपये घटकर 215.05 लाख करोड़ रुपये रह गया। लेकिन जब सितंबर के अंत में बाजार में गिरावट शुरू हुई तो जमा और बढ़ गया। यह 4 अक्तूबर को 219 लाख करोड़ रुपये और 18 अक्तूबर को 218 लाख करोड़ रुपये रहा। अगस्त से लेकर 18 अक्तूबर तक बैंकों के कुल कर्ज में चार लाख करोड़ जबकि जमा में 5 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है।

आंकड़े बताते हैं कि इस साल मार्च से लेकर अक्तूबर तक बैंकों का जमा 7.7 फीसदी बढ़कर 220 लाख करोड़ रुपये के करीब हो गया है।

निवेशकों के लिए शानदार मौका, बाजार में गिरावट के बीच यह बैंक दे रहे एफडी पर ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में एफडी कई व्यक्तियों की वित्तीय योजना का अहम हिस्सा बने हुए हैं, जो स्थिर और अनुमानित रिटर्न प्रदान करते हैं। वित्तीय बाजारों के उतार-चढ़ाव के बावजूद, एफडी भारत में एक लोकप्रिय निवेश विकल्प के रूप में बनी हुई है, खासकर उन निवेशकों के लिए जो स्थिरता और विश्वसनीय रिटर्न को प्राथमिकता देते हैं। चाहे आप शॉर्ट-टर्म या लॉन्ग-टर्म निवेश की योजना बना रहे हों, कई बैंक और वित्तीय संस्थान आकर्षक ब्याज दरों के साथ एफडी की पेशकश कर रहे हैं। वर्तमान में स्मॉल फाइनेंस बैंकों द्वारा प्रदान की जा रही ब्याज दरें अधिक आकर्षक हैं, जो इन बैंकों में एफडी करने के लिए निवेशकों को प्रोत्साहित कर रही हैं। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक सामान्य नागरिकों के लिए 5.30प्रतिशत से 5.40प्रतिशत ब्याज दर प्रदान करता है, जबकि सीनियर सिटीजन्स को 5.80प्रतिशत से 6.20प्रतिशत ब्याज मिलता है। फिक्स्ड डिपॉजिट एक सुरक्षित निवेश विकल्प है, जिसमें निवेशक एक निर्धारित अवधि के लिए एक तय ब्याज दर पर अपनी राशि जमा करते हैं। अगर निवेशक सीनियर सिटीजन होते हैं, तो उन्हें उच्च ब्याज दर की पेशकश की जाती है। इस स्कीम के तहत निवेशकों को एकमुश्त राशि जमा करने की आवश्यकता होती है और यह राशि एक निश्चित अवधि के लिए जमा रहती है।

डिजिटल कॉमर्स के दम पर आए बदलाव से एमएसएमई को मिला सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। दो दशक पहले डिजिटल कॉमर्स का पदार्पण हुआ और एमएसएमई के संचालन का तरीका हमेशा के लिए बदल गया। अब नतीजा स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है ङ्क रेडसियर की तरफ से एमएसएमई को लेकर जारी हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 6.4 करोड़ एमएसएमई संचालन में है और इनमें से 12 प्रतिशत यानी करीब 77 लाख एमएसएमई डिजिटल रूप से सशक्त हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। आइए जानते हैं इस विषय पर फ्लिपकार्ट ग्रुप के रजनीश कुमार की राय।

चाहे अर्थव्यवस्था बड़ी हो या छोटी, हर अर्थव्यवस्था में कुछ कंपनियां ऐसी होती हैं, जो हमेशा चर्चा में रहती हैं। हालांकि चकाचौंध से दूर किसी भी देश के कारोबार का झंडा बुलंद करने वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) ही होते हैं। पारंपरिक तौर पर पहले एमएसएमई की बाजार, टेक्नोलॉजी और फंड तक पहुंच सीमित हुआ करती थी। टेक्नोलॉजी या तो उनके काम की नहीं होती थी या फिर उस तक पहुंच मुश्किल होती थी। दूसरी ओर, फंड बहुत महंगे होते थे।

श्रेष्ठा फिनवेस्ट लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही के लिए आय की घोषणा की, राजस्व में 883.51त्न की वृद्धि

Srestha Finvest Limited

मुंबई, एजेंसी। श्रेष्ठा फिनवेस्ट लिमिटेड(बीएसई- 539217), जो वित्तीय समाधानों में अग्रणी है, ने 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही और अर्धवार्षिक के लिए आय की घोषणा की है। तिमाही प्रदर्शनः 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, ऑपरेशनों से राजस्व में 70.31त्न की वृद्धि हुई, जो कि वित्त वर्ष 2024 दूसरी तिमाही में 210.21 लाख रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 दूसरी तिमाही में 357.98 लाख रुपये हो गया।

अर्धवार्षिक प्रदर्शनः 30 सितंबर 2024 को समाप्त अर्धवार्षिक के लिए, ऑपरेशनों से राजस्व में 883.51त्न की बढ़त हुई है, जो वित्त वर्ष 2024 पहली छमाही के 438.02 लाख रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में 4307.99 लाख रुपये हो गया। इस दौरान, शुद्ध लाभ बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में 1619.12 लाख रुपये हो गया।

श्रेष्ठा फिनवेस्ट लिमिटेड के बोर्ड ने पहले 100 करोड़ रुपये तक की राशि जुटाकर इम्टि शेयर जारी करने की मंजूरी दी थी, जो कि आवश्यक अनुमोदनों के अधीन है। इसके तहत, बोर्ड ने 93 करोड़ रूपये तक के कन्वर्टिबल वॉरंट्स को निवेशकों के लिए प्राथमिकता के आधार पर 1.05 रुपये प्रति वॉरंट के इश्यू प्राइस पर जारी करने की मंजूरी दी है।

करियर में लिया सिर्फ 1 विकेट

अब आरसीबी में हुई एंट्री, आईपीएल 2025 से पहले विराट की टीम का बड़ा फैसला

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से पहले आरसीबी ने बड़ा फैसला लेते हुए मुंबई की रणजी टीम के हेड कोच को अपनी टीम में शामिल किया है. बात हो रही है ओमकार साल्वी की जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नए फास्ट बॉलिंग कोच होंगे. ओमकार साल्वी घरेलू क्रिकेट की कोचिंग में बड़ा नाम हैं. ओमकार साल्वी ने 2023-24 रणजी ट्रॉफी के लिए मुंबई का दामन थामा था और उनकी कोचिंग में ही ये टीम 8 साल बाद रणजी ट्रॉफी जीतने में कामयाब रही. यही नहीं साल्वी की ही कोचिंग में मुंबई की टीम ने ईरानी कप भी जीता. ये प्रतिष्ठित ट्रॉफी मुंबई ने 27 साल के बाद जीती.

आरसीबी में ओमकार साल्वी की एंट्री

आरसीबी के सूत्रों के मुताबिक ओमकार साल्वी मार्च 2025 के बाद टीम से जुड़ेंगे. घरेलू सीजन खत्म होने के बाद ही वो आरसीबी का दामन थामेंगे. रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीएल 2025 का आगाज मार्च के अंतिम हफ्ते में हो सकता है. साल्वी का उस समय तक मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के साथ करार है.

ओमकार साल्वी का अनुभव

ओमकार साल्वी का बतौर खिलाड़ी कोई ज्यादा अनुभव नहीं है. वो साल 2005 में रेलवे के लिए सिर्फ एक मैच खेले हैं.उन्होंने करियर में सिर्फ एक ही विकेट हासिल किया. लेकिन खिलाड़ियों के बीच में वो बतौर कोच काफी पॉपुलर हैं. इस साल भी उनकी कोचिंग में मुंबई रणजी ट्रॉफी के एलिट ग्रुप में तीसरे नंबर पर है. टीम ने 5 मैचों में 22 अंक बनाए हुए हैं. साल्वी को आईपीएल का भी अनुभव है. वो कोलकाता नाइट राइडर्स के असिस्टेंट बॉलिंग कोच भी रह चुके हैं.

आविष्कार साल्वी के भाई हैं ओमकार

ओमकार साल्वी टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज आविष्कार साल्वी के भाई हैं. आविष्कार साल्वी ने टीम इंडिया के लिए 4 वनडे मैच खेले, जिसमें उनके नाम 4 विकेट थे. साल्वी ने फर्स्ट क्लास मैचों में 62 मैचों में 169 विकेट हासिल किए. लिस्ट ए में साल्वी ने 52 मैचों में 71 विकेट हासिल किए. आविष्कार ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व भी किया है और वो 7 मैचों में 7 विकेट हासिल करने में कामयाब रहे.

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ने एक हाथ से की बैटिंग, दर्दनाक चोट के बावजूद टीम का नहीं छोड़ा साथ

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी एश्टन एगर ने क्रिकेट के मैदान पर बहादुरी का एक नया नमूना पेश किया है. उन्होंने जो हिम्मत दिखाई उसकी हर कोई तारीफ कर रहा है. दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के घरेलू फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड के एक मैच के दौरान वह कंधे में दर्दनाक इंजरी होने के बावजूद वह अपनी टीम के लिए बैटिंग करने उतरे. वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले एगर को दर्द बर्दाश्त नहीं हो रहा था. फिर भी वह एक हाथ से विक्टोरिया के पेस और स्पिन अटैक का सामना करते रहे.

अंतिम विकेट के लिए जोड़े इतने रन – वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की टीम ने दूसरी पारी में 310 रन के स्कोर पर 9 विकेट गंवा दिए थे. इसके बाद से दर्द से जूझ रहे एश्टन एगर नंबर 11 पर बल्लेबाजी के लिए आए. उन्होंने विक्टोरिया के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए शतक जड़ चुके साथ खिलाड़ी जोएल कर्टिस का साथ दिया और टीम के लिए महत्वपूर्ण 15 रन की साझेदारी की. इस साझेदारी की मदद से उनकी टीम 325 रन के स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही.

हालांकि, इसमें उनके एक रन का भी योगदान नहीं था, क्योंकि वह कंधे की इंजरी की वजह से कोई भी शॉट नहीं खेल पा रहे थे. एगर हर गेंद को बस डिफेंस कर रहे थे. उनकी ये साहसी पारी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई और वह 5 गेंद खेलकर बिना खाता खोले आउट हो गए. सैम इलियट ने शानदार यॉर्कर से एगर को बोल्ड करके उनका शिकार कर लिया. लेकिन सोशल मीडिया पर हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है.

साहस नहीं आया काम – हालांकि, एश्टन एगर का साहस उनकी टीम के काम नहीं आा पाया. विक्टोरिया ने इस मुकाबले को 8 विकेट से अपने नाम कर लिया. दरअसल, विक्टोरिया की टीम ने टॉस जीतकर वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के बुलाया और उसे महज 167 रन के स्कोर पर ढेर कर दिया. फिर जवाब में373 रन बनाकर पहली पारी में 206 रन की भारी बढ़त हासिल की. वहीं दूसरी पारी में एगर की टीम ने अच्छी बल्लेबाजी और 325 रन बनाए लेकिन पहली पारी में जल्दी आउट होने के कारण यह स्कोर काफी नहीं रहा. उनकी टीम दूसरी पारी में महज 119 रन की बढ़त ले पाई, जिसे विक्टोरिया ने 8 विकेट रहते चेज कर लिया ।

तिलक वर्मा और सुरेश रैना के बीच हैं दिलचस्प समानताएं, नहीं कर पाएंगे अनदेखा

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में तिलक वर्मा शानदार फॉर्म में थे। पहले और दूसरे टी20 में बल्लेबाज को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था और उन्होंने क्रमशः 18 गेंदों पर 33 और 20 गेंदों पर 20 रन बनाए। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने खुलासा किया कि तिलक ने उनसे तीसरे टी20 में बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आने का अनुरोध किया। जैसा कि देखा जा सकता है, दक्षिणपंथी ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा। उन्होंने 56 गेंदों पर 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से नाबाद 107 रन बनाए। उन्होंने दूसरे टी20 में भी अपना दबदबा जारी रखा और सिर्फ 47 गेंदों पर 9 चौकों और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 120 रन बनाए। तीसरे टी20 में उनका स्ट्राइक रेट 191.07 और चौथे टी20 में 255.32 रहा। उन्हें तीसरे और चौथे टी-20 में प्लेयर ऑफ द चुना गया और वह सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी रहे। इस बात की चर्चा हर जगह हो रही है कि तिलक भारत के एक और बेहतरीन बल्लेबाज सुरेश रैना के साथ एक सांख्यिकीय डेजा वू का हिस्सा हैं। भारत के पूर्व क्रिकेटर और तिलक के बीच एक बहुत बड़ी समानता सामने आई है, जिन्होंने भारत के लिए 20 टी20आई और चार वनडे मैच खेले हैं।

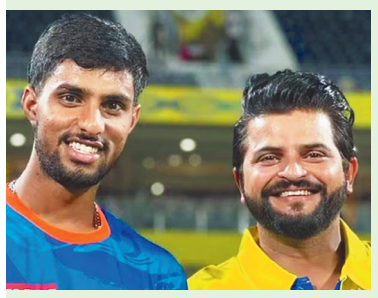

न्यूजीलैंड के क्रिकेटर पर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने के बाद लगा प्रतिबंध

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डग ब्रेसवेल इस साल की शुरुआत में कोकीन के लिए पॉजिटिव पाए गए थे और तब से उन पर एक महीने का प्रतिबंध लगा हुआ है। न्यूजीलैंड स्पोर्ट इंटीग्रिटी कमीशन द्वारा सोमवार को पहली बार प्रतिबंध का विवरण सार्वजनिक किया गया। 34 वर्षीय खिलाड़ी जिन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 28 टेस्ट खेले हैं, जनवरी में सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स और वेलिंगटन के बीच घरेलू टी-20 मैच के बाद पॉजिटिव पाए गए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। आयोग द्वारा लगाए गए शुरुआती तीन महीने के प्रतिबंध को इस शर्त पर घटाकर एक महीने कर दिया गया कि ब्रेसवेल उपचार कार्यक्रम पूरा कर लें। एक महीने का प्रतिबंध फिर अप्रैल से लागू कर दिया गया जिसका मतलब है कि अब वह क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। आयोग ने कहा, यह स्वीकार किया गया कि उन्होंने प्रतियोगिता से बाहर और खेल प्रदर्शन से असंबंधित कारणों से कोकीन का सेवन किया था।

अमेरिका पहुंचा चैंपियंस ट्रॉफी का मामला

पाकिस्तान ने भारत पर उठाया सवाल, मिला ये जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया है. भारतीय बोर्ड के इस फैसले के बाद से ही बवाल मचा हुआ है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड बौखलाया हुआ है और भारतीय टीम को अपने देश में लाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहा है. इसके लिए वह हर जगह से अपने पक्ष में मदद जुटाने की लगा हुआ है. पहले पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी इंग्लैंड के समर्थन के लिए लंदन पहुंचे थे. अब इसमें पाकिस्तानी पत्रकार भी उसका साथ दे रहे हैं. इंग्लैंड के बाद उन्होंने इस मामले को अमेरिका तक पहुंचा दिया है और इस मुद्दे पर अपने पक्ष में समर्थन जुटाना चाहा लेकिन निराशा हाथ लगी.

अमेरिका ने चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर क्या कहा – पाकिस्तान की कोशिश है कि चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत के पक्ष को वैश्विक स्तर पर गलत ठहराकर दबाव बनाया जाए. इसलिए एक पाकिस्तानी पत्रकार ने दुनिया के सबसे मजबूत देश माने जाने वाले अमेरिका के सामने इस मुद्दे को उठाकर उनके रुख को जानना चाहा. लेकिन उसे सभी के सामने मुंह की खानी पड़ी. दरअसल, विदेश विभाग की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पाकिस्तानी पत्रकार ने अमेरिकी अधिकारी से बताया कि 'यह टूर्नामेंट वर्ल्ड कप के बाद दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट इवेंट है और इसका आयोजन पाकिस्तान में होना है और भारतीय टीम को इसमें हिस्सा लेना था लेकिन उनकी सरकार ने इसके लिए मना कर दिया है. राजनीतिक तनाव की वजह से टीम इंडिया 2008 के बाद से पाकिस्तान नहीं आई है.' पत्रकार ने ये बताने के बाद पूछा कि 'क्या आपको लगता खेल के साथ राजनीति को मिलाना एक अच्छा आइडिया है? इस पर आपकी क्या राय है? ' इसके बाद अमेरिकी अधिकारी ने मामले पड़ने से साफ तौर पर इनकार कर दिया. उन्होंने कहा कि ये दो देशों का मामला है और वह इस पर कुछ नहीं बोल सकते. इस मामले को भारत-पाकिस्तान को आपस में सुलझाना होगा. वो इसमें शामिल नहीं हो सकते. हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि बिना किसी शक के खेल एकजुट करने वाली शक्ति है.

इंग्लैंड ने दिया था साथ –क्रिकेट की दुनिया में इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड का एक बड़ा कद है. इसलिए बीसीसीआई से विवाद के बाद उसका साथ पाने के लिए मोहसिन नकवी लंदन पहुंच गए थे. उन्होंने ईसीबी के चेयरमैन रिचर्ड थॉम्पसन से मुलाकात कर उनका साथ मांगा. मीटिंग के बाद ईसीबी ने दबे शब्दों में ही सही लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी के मुद्दे पर पाकिस्तान का साथ दिया. थॉम्पसन ने इशारों-इशारों में बीसीसीआई के सुरक्षा की चिंता वाली बात को काटने की कोशिश की थी. उन्होंने कहा था कि इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान का दौरा बेहद ही शानदार था. थॉम्पसन ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान को अपनी शुभकामनाएं भी दे दी. इसके बाद नकवी ने थॉम्पसन को आश्वासन दिया था कि पाकिस्तान ने सारी तैयारी कर ली है और टूर्नामेंट की सफल मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है.

भारत ने जूनियर एशिया कप हॉकी के लिए टीम का ऐलान किया

इन 20 खिलाड़ियों को मिला मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। डिफेंडर आमिर अली मस्कट में 26 नवंबर से होने वाले पुरूष जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम के कप्तान होंगे। यह टूर्नामेंट अगले साल होने वाले जूनियर विश्व कप का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है। भारत ने रिकॉर्ड चार बार टूर्नामेंट जीता (2004,2008,2015, 2023) है। उसने पाकिस्तान को पिछले साल 2-1 से हराकर खिताब जीता था। इस साल टूर्नामेंट में 10 टीमों को 5-5 के दो पूल में बांटा गया है। भारत के साथ चीनी ताइपे, जापान, कोरिया और थाईलैंड पूल ए में हैं जबकि बांग्लादेश, मलेशिया, चीन, ओमान और पाकिस्तान पूल बी में हैं। भारत ने मेजबान होने के नाते एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप के लिये स्वतः क्वालीफाई कर लिया है। कोच पी आर श्रीजेश के मार्गदर्शन में टीम जोहोर कप की सफलता को दोहराना चाहेगी। श्रीजेश ने कहा, 'जोहोर कप कई खिलाड़ियों के लिए पहला अनुभव था लेकिन उन्होंने जबर्दस्त प्रदर्शन किया। मैं उनके प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। खिलाड़ियों ने बेंगलुरू में राष्ट्रीय शिविर में काफी मेहनत की है और हमने अपने खेल में कुछ बदलाव भी किए हैं।

भारतीय टीमः

- **गोलकीपर**– प्रिंसदीप सिंह, बिक्रमजीत सिंह
- **डिफेंडर**– आमिर अली (कप्तान), टी प्रियब्रत, शारदानंद तिवारी, योगेम्बर रावत, अनमोल इक्का, रोहित
- **मिडफील्डर**–अंकित पाल, मनमीत सिंह, रोशन कुजूर, मुकेश टोप्पो, थोकचोम किंगसन सिंह
- **फॉरवर्ड**–गुरजोत सिंह, सौरभ आनंद कुशवाहा, दिलराज सिंह, अर्शदीप सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल
- **वैकल्पिक खिलाड़ी**–सुखविंदर और चंदन यादव

सिनर ने फिट्ज को हराकर जीता एटीपी फाइनल्स

ट्यूरिन, एजेंसी। जैनिक सिनर ने अपने शानदार सत्र का समापन वर्ष के आठवें खिताब के साथ किया, जिसमें उन्होंने अपना पहला निट्टो एटीपी फाइनल्स ट्रॉफी जीता। घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टेलर फिट्ज को 6-4, 6-4 से हराया और टूर्नामेंट के 55 साल के इतिहास में पहले इतालवी चैंपियन बने।

इसके अलावा, सीधे सेटों में जीत के साथ सिनर 1986 में इवान लेंडल के बाद बिना कोई सेट गंवाए एटीपी फाइनल जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए, जिससे उनके शानदार सत्र का पता चलता है, जिसकी शुरुआत ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जीत के साथ हुई और घरेलू धरती पर उनके पहले खिताब के साथ समाप्त हुई।

उन्होंने अक्टूबर में शंघाई मास्टर्स के दौरान एटीपी ईयर-एंड नंबर 1 का खिताब भी हासिल किया था। सिनर ने कहा, मुझे वास्तव में लगता है कि अभी भी सुधार की बाकी है। आप जितना उच्च स्तर पर खेलेंगे, उतनी ही अधिक बारीकियां फर्क पैदा करेंगी। मैं हमेशा एक खिलाड़ी के रूप

में सुधार करने की कोशिश करता रहता हूं और यह समझने की कोशिश करता हूं कि मैं क्या बेहतर कर सकता हूं। एटीपी फाइनल्स ट्रॉफी जीतकर, सिनर को 4,881,500 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली, जो टूर के इतिहास में विजेता को मिलने वाली सबसे बड़ी पुरस्कार राशि है। एटीपी आंकड़ों के अनुसार, इटालियन खिलाड़ी ने इस सत्र के लिए 12,032,935 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश किया, जिससे 2024 में उनकी कुल राशि 16,914,435 अमेरिकी डॉलर हो गई।

वह नोवाक जोकोविच और रोजर फेडरर के साथ एक ही वर्ष में ऑस्ट्रेलियन ओपन, यूएस ओपन और निट्टो एटीपी फाइनल जीतने वाले एकमात्र पुरुष खिलाड़ी बन गए। इस साल सिनर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन में जीत हासिल कर अपने पहले दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते। वह ओपन एरा में एक ही सीजन में अपने पहले दो मेजर जीतने वाले सिर्फ तीसरे व्यक्ति बन गए। यह उपलब्धि हासिल करने वाले अंतिम व्यक्ति गिलर्मो विलास थे, जिन्होंने 1977 में रोलां गैरो और यूएस ओपन जीता था। जिमी कोनर्स ने 1974 में तीन स्लैम जीते थे। नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर सभी 20 या उससे अधिक मेजर में विजयी हुए हैं, लेकिन उन्होंने भी एक ही सीजन में अपने पहले दो स्लैम नहीं जीते।

पाकिस्तान-ऑस्ट्रेलियाः

बाबर आजम टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने, तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज के आखिरी मुकाबले में पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने टीम के लिए पारी की शुरुआत साहिबजदा फरहान के साथ की। इस मैच में उन्होंने 28 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 41 रन की पारी खेली और इस पारी के दम पर वो टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए और विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया।

- **कोहली को बाबर ने छोड़ा पीछे** – बाबर आजम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे मैच में 41 रन की पारी के दौरान विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए । बाबर आजम के टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अब 4192 रन हो गए हैं जबकि कोहली ने अपने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट करियर में 4188 रन बनाए थे । कोहली अब टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं ।

पर्थ-एडिलेड में कोहली अतिरिक्त आत्मविश्वास महसूस करेंगेः सुनील गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने एडिलेड और पर्थ के मैदानों पर विराट कोहली के पिछले लगातार प्रदर्शन पर प्रकाश डाला, साथ ही कहा कि इन स्थानों पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी पिछली सफलता उन्हें आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के दौरान अतिरिक्त आत्मविश्वास प्रदान करेगी। कोहली ने इस साल अपने छह टेस्ट मैचों में केवल 22.72 का औसत बनाया है जो ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में उनके औसत 54.08 और उनके कुल करियर औसत 47.83 से काफी कम है। इस महीने की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भारत की 3-0 की हार में केवल 91 रन बनाने के बाद वह अपने पांचवें ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं।

कोहली ने जनवरी 2012 में एडिलेड में पहले टेस्ट शतक में 116 रन बनाए थे, इसके बाद 2014 में उसी स्थान पर 115 और 141 रन बनाए, जहां उन्होंने पहली बार टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी। पूर्व कप्तान ने 123 रन भी बनाए जो 2018 में नए पर्थ स्टेडियम में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया पहला टेस्ट शतक था, जहां उन्होंने अंततः भारत को 2-1 से सीरीज जीत दिलाई, जो ऑस्ट्रेलिया में उनकी पहली टेस्ट सीरीज जीत थी।

गावस्कर ने कहा, उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ रन नहीं बनाए हैं, इसलिए वे बहुत भूखे

होंगे। एडिलेड टेस्ट मैच में भी, जहां दूसरी पारी में हम 36 रन पर ऑल आउट हो गए थे, पहली पारी में कोहली ने रन आउट होने से पहले 70 से ज़्यादा रन बनाए थे। उन्होंने एडिलेड में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए यह उनके लिए एक जाना-पहचाना मैदान है। और एडिलेड से पहले, यह पर्थ है, जहां उन्होंने 2018-19 में बेहतरीन टेस्ट शतकों में से एक खेला। एक शानदार शतक। इन मैदानों पर प्रदर्शन करने के बाद उन्हें अतिरिक्त आत्मविश्वास महसूस होगा। बेशक, शुरुआत में आपको थोड़ी किस्मत की जरूरत होती है, लेकिन अगर वह अच्छी शुरुआत करते हैं, तो वे बड़े रन बना सकते हैं।

भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने भी इस बारे में अपना दृष्टिकोण दिया कि कप्तान पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन जैसे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज कोहली को कैसे चुनौती दे सकते हैं, खासकर ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर उनका परीक्षण, जब 22 नवंबर को पर्थ में सीरीज शुरू होगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि विराट को अच्छी तरह से पता है कि क्या योजना बनाई जा रही है। वे ऑफ स्टंप के बाहर की लाइन से शुरुआत करेंगे और समझेंगे कि उनकी मानसिकता क्या है। इन दिनों वह अक्सर ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों को छोड़ देते हैं और पिच की गई किसी भी चीज को ड्राइव करने की कोशिश करते हैं। ऑस्ट्रेलिया भी उन्हें जगह देने की कोशिश कर सकता है और उनके शरीर पर हमला कर सकता है क्योंकि उन्हें आगे की ओर बढ़ना पसंद है।

उन्होंने कहा, यह एक ऐसी रणनीति थी जिसका न्यूजीलैंड ने प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया। अगर वह ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर ध्यान केंद्रित करता है, तो जोश हेजलवुड जैसे गेंदबाज मिडिल स्टंप पर वर्नोन फिलेंडर की खास लाइन को निशाना बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया कई तरह की रणनीतियों का परीक्षण करेगा और विराट कोहली इस बात से पूरी तरह वाकिफ हैं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

जब रैली को संबोधित करते समय रो पड़ीं शिवसेना नेता संजना जाधव

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सियासी बिछात काफी दिलचस्प है। यहां कई सीटों पर करीबी रिश्तेदार आमने-सामने हैं। ऐसी एक सीट है कन्नड़ विधानसभा सीट। यहां पर निर्दलीय उम्मीदवार हर्षवर्धन जाधव अपनी अलग रह रही पत्नी और शिवसेना उम्मीदवार संजना जाधव के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। संजना, भाजपा के वरिष्ठ नेता रावसाहेब दानवे की बेटी हैं। रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान वह इमोशनल हो गईं और रो पड़ीं। उन्होंने अपने पति हर्षवर्धन जाधव के ऊपर कई गंभीर आरोप भी लगाए और कहाकि मेरी जगह किसी और लाया गया। इस मौके पर संजना जाधव ने यह भी कहाकि रावसाहेब दानवे सिर्फ इसलिए चुप रहे क्योंकि वह एक बेटी के पिता हैं। संजना जाधव ने कहाकि हर्षवर्धन जाधव से शादी करने के बाद मुझे बहुत दुख हुआ। मैंने शादी कर ली और एक महीने के भीतर घर आ गई। जब मैंने अपने पिता को इसके बारे में बताया तब उन्होंने कहाकि एक बच्चा होने दो, फिर यह आदमी सुधर जाएगा। एक बच्चा होने के बाद, मेरे पिता ने कहाकि जब आप 40 साल के हो जाते हैं, तो सुधार आ जाता है। अब मैं अपने 40 के दशक में हूं। इस दौरान मैंने बहुत कुछ सहन किया है। संजना ने आगे कहाकि आपको पता है मेरी जगह किसे लाया गया। यह कहकर वह फूट-फूटकर रोने लगीं। उन्होंने कहाकि मेरे पिता पर आरोप लगाया गया। लेकिन सच यह है कि उन्होंने बहुत कुछ बर्दाश्त किया है, क्योंकि वह एक बेटी के पिता है। अगर वह एक बेटे के पिता होते तो सड़कों पर उतर आते। लेकिन लड़के का पिता होने के नाते वह चुपचाप बैठे रहे। इसलिए उसने कुछ नहीं कहा। संजना ने कहाकि मैं पहले कभी नहीं रोई। मैंने कभी किसी चीज के बारे में बात नहीं की। शहर में हर कोई जानता है कि मैंने क्या किया और क्या नहीं किया। उनके भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

हाथ में मशाल और साइकिल रैली; कोलकाता कांड के 100 दिन, ट्रेनी डॉक्टर को न्याय दिलाने की जंग जारी

कोलकाता , एजेंसी। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में न्याय की मांग जारी है। इसे लेकर रविवार को 100 साइकिल सवारों ने श्यामबाजार इलाके से अस्पताल तक 10 किलोमीटर की रैली निकाली। ट्रेनी डॉक्टर के साथ यह घटना अगस्त में हुई थी। पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट के प्रदर्शनकारी चिकित्सकों के 'अभय मंच' और नागरिक समाज संगठनों के सदस्यों की ओर से यह साइकिल रैली निकाली गई, जो सोदेपुर ट्रैफिक मोड़ से शुरू हुई। साइकिल रैली जहां से शुरू हुई वह स्थान मृतक ट्रेनी डॉक्टर के उत्तर 24 परगना जिले में घर से ज्यादा दूर नहीं है। साइकिल सवारों ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से लगभग 200 मीटर दूर श्यामबाजार क्रॉसिंग तक पहुंचने के लिए बेलघिया, रथतला, डनलप और सिंथिर मोड़ जैसे विभिन्न स्थानों को पार किया। मृतक की मां ने साइकिल सवारों में से एक को प्रतीकात्मक मशाल सौंपी और उन्हें आशीर्वाद दिया। प्रदर्शनकारियों ने मृतका का नाम अभया (निडर और अपराजित) रखा है। हर एक साइकिल सवार के हाथ में थी मशाल रैली के दौरान प्रत्येक साइकिल सवार ने एक मशाल थामी हुई थी। साइकिल रैली का आयोजन नौ अगस्त को हुई घटना के 100 दिन बीत जाने के मौके पर किया था। वहीं, माकपा ने कहा कि 21 नवंबर को कोलकाता के सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित सीबीआई कार्यालय तक मार्च निकाला जाएगा। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार और उसकी हत्या के मामले की जांच शीघ्र पूरी करने की मांग होगी। यह मार्च कलकत्ता उच्च न्यायालय की ओर से मामले को केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंपे जाने के 100वें दिन निकाला जाएगा।

उनके पास खुद का वोट बैंक तक नहीं, हम ही असली शिवसेना: एकनाथ शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव करीब आने के साथ सियासी हमले भी तेज हो चले हैं। इसी कड़ी में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिंदे शिवसेना के मुखिया एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर हमला बोला है। उन्होंने कहाकि उद्धव ठाकरे के पास खुद का कोई वोट बैंक नहीं है। वह कांग्रेस के वोट बैंक पर आश्रित हैं। इसके अलावा शिंदे ने महायुति गठबंधन में किसी भी तरह की दरार होने से भी इनकार किया। साथ ही यह भी कहाकि महायुति गठबंधन आगामी चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगा। शिंदे ने उद्धव ठाकरे के शिवसेना चुराने के आरोप का भी जवाब दिया। 288 सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। मतगणना 23 नवंबर को होगी।

एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर करारा हमला बोलते हुए कहाकि लोकसभा चुनाव में उन्होंने जो बढ़त हासिल की थी वह कांग्रेस के दम पर थी। इंडिया टुडे के मुताबिक महाराष्ट्र के सीएम ने कहाकि उद्धव ठाकरे के पास अपना नहीं, बल्कि कांग्रेस का वोट

बैंक है। इसका ही असर लोकसभा चुनाव में दिखा था। उन्होंने कहाकि शिवसेना के जो बेस वोटर्स हैं वो हमारे साथ हैं। शिंदे ने इसके लिए वोटिंग आंकड़ों का भी हवाला दिया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहाकि आम चुनाव में महाराष्ट्र के वोटरों ने अपना नजरिया स्पष्ट कर दिया। शिंदे के मुताबिक उद्धव का स्ट्राइक रेट 42 परसेंट था, जबकि हमारा स्ट्राइक रेट 48 परसेंट। शिवसेना के नाम पर जो 19 फीसदी वोट पड़े उसमें 13 परसेंट हमारा था। कोंकण, ठाणे और संभाजी नगर में जिस तरह से उनकी पार्टी नाकाम रही, उससे यह स्पष्ट हो जाता है। शिंदे ने कहाकि ऐसे ही नतीजे विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिलेंगे।

इस दौरान शिंदे ने उद्धव ठाकरे के उस आरोप का भी जवाब दिया, जिसमें वह शिवसेना चुराने की बात कहते हैं। इसके जवाब में उन्होंने आदर्शों के अंतर की बात कही। उन्होंने कहाकि बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र के आदर्श हैं। पूरी जिंदगी वह कभी भी कांग्रेस के साथ जाने के पक्ष में नहीं रहे। लेकिन उनका बेटा होने के बावजूद उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस से गठबंधन करके बालासाहेब के सिद्धांतों से समझौता किया। उन्होंने निजी फायदे के लिए शिवसेना-भाजपा गठबंधन को मिले बहुमत का गलत इस्तेमाल किया।

एकनाथ शिंदे ने आगे भी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व की आलोचना की। उन्होंने कहाकि उद्धव ने मुख्यमंत्री बनने के लिए अपने पिता के आदर्शों को किनारे कर दिया। वह तो बालासाहेब के नाम का इस्तेमाल करने के भी हकदार नहीं हैं। महायुति में मुख्यमंत्री पद के लिए चर्चाओं को लेकर शिंदे ने कहाकि सत्ताधारी गठबंधन में ऐसी कोई रेस नहीं है। हमारे साथियों का पूरा ध्यान गठबंधन को बड़ी जीत के साथ वापस सत्ता में आने पर है।

कैग ने भी माना, बीजेपी ने कर्ज में डूबो दिया प्रदेश, आज 4.50 लाख करोड़ का कर्जा : हुड्डा

चंडीगढ़, एजेंसी। एक के बाद एक ताबड़तोड़ घोटालों को अंजाम देने में जुटी बीजेपी ने स्वास्थ्य सेवाओं में भी जमकर घोटाले किए हैं। ना सिर्फ सरकार ने जनता का करोड़ों रुपया लूटा है, बल्कि लोगों की जिंदगी से भी खिलवाड़ किया है। कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) की ताजा रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि कैग की रिपोर्ट ने बीजेपी के घोटालों को पूरी तरह उजागर कर दिया है। रिपोर्ट से स्पष्ट है कि नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं और डॉक्टर मुहैया करवाने की बजाय सरकार करोड़ों रुपए के घोटालों को अंजाम देने में लगी हुई है। रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि कई मात्र 42 से 209 किलोमीटर का सफर कई एंबुलेंस ने 1,05,000 से लेकर 5 लाख रुपए में तय किया। यानी लगभग 2500 रुपये प्रति किलोमीटर में एंबुलेंस ने अपनी सेवाएं दीं। इतना ही नहीं एंबुलेंस के मरीजों तक पहुंचने के समय में भी जमकर झोल किया गया है। सीएजी रिपोर्ट में कहा है कि लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करते हुए सरकार ने ब्लैक लिस्टेड कंपनियों से भी दवाइयां और उपकरण खरीदे। इतना ही नहीं, सरकार ने ऐसी 15 एंजेसियों को 5.67 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया है, जिनकी दवाएं कई बार घटिया साबित हो चुकी हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आई है, उसने प्रदेश के शिक्षा व स्वास्थ्य तंत्र को पूरी तरह नजर अंदाज किया है। यही वजह है कि आज प्रदेश में लगभग 30त्न डॉक्टरों और 42 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मियों के पद खाली पड़े हुए हैं। हुड्डा ने कहा कि इस बार खुद नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने भी कांग्रेस के आरोपों पर अपनी मुहर लगा दी है। क्योंकि कांग्रेस ने बार-बार हरियाणा की जनता को बताया कि भाजपा ने प्रदेश को साढे चार लाख करोड रुपए के कर्ज तले दबा दिया है। अब खुद कैग की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि मार्च 2023 तक प्रदेश पर चार लाख करोड़ रुपए का कर्ज चढ़ चुका था। उसके बाद भी इस सरकार ने कर्ज लेना जारी रखा, जो आज 4.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो चुका है।

शरद पवार की पत्नी को बारामती हाई-टेक टेक्सटाइल्स पार्क के परिसर में जाने से रोका

बारामती , एजेंसी। राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार की पत्नी प्रतिभा पवार को रविवार को पुणे जिले के बारामती हाई-टेक टेक्सटाइल्स पार्क के परिसर में प्रवेश करने से कथित तौर पर आधे घंटे तक रोका गया। बारामती से सांसद सुप्रिया सुले के कार्यालय ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार बारामती हाई-टेक टेक्सटाइल्स पार्क की अध्यक्ष हैं। सुप्रिया के कार्यालय की ओर से साझा किए गए एक वीडियो में प्रतिभा पवार और सुप्रिया की बेटी रेवती सुले की महिला सहायक पार्क के एक सुरक्षा गार्ड से गेट खोलने के लिए कहते हुए दिखाई दे रही हैं। प्रतिभा और रेवती पार्क में कुछ खरीदारी करने के लिए पहुंची थीं। गार्ड ने उन्हें बताया कि उसे अनिल वाघ नाम के व्यक्ति ने गेट न खोलने का निर्देश दिया है। प्रतिभा और रेवती के साथ मौजूद एक पुरुष सहायक ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में घटना की पुष्टि की और बताया कि उन्हें कम से कम 30 मिनट तक परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई। टेक्सटाइल पार्क के मुख्य प्रबंधक अनिल वाघ ने संपर्क किए जाने पर बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि प्रतिभा पवार परिसर का दौरा करने वाली हैं। अनुमति नहीं थी, इसलिए मैंने गेट पर सुरक्षाकर्मियों को निर्देश दिया कि वे किसी को भी अंदर न आने दें। वाघ ने कहा कि जब मुझे सूचना दी गई कि प्रतिभा काकी आई हैं, तो मैंने तुरंत सुरक्षाकर्मियों से गेट खोलने और उन्हें अंदर जाने देने को कहा।

अब छत्तीसगढ़ के कांकेड़ में मुठभेड़, डिप्टी कमांडर रैंक के दो नक्सली ढेर

कांकेर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के कांकेर जिले के पखांजूर थाना क्षेत्र में रविवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो बड़े कैडर के नक्सली मारे गए। एक दिन पहले शनिवार को अबूझमाड़ इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में पांच नक्सली मारे गए थे। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के कांकेर जिले के पखांजूर थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में दो बड़े कैडर के नक्सली मारे गए। यह मुठभेड़ जिले के मुसफर्सी काकुर गांव के नजदीक हुई, जहां दोनों पक्षों के बीच करीब एक घंटे तक गोलीबारी चलती रही। मारे गए नक्सलियों की पहचान रंजीत और संतोष के रूप में हुई है। दोनों डीवीसीएम (डिप्टी कमांडर) रैंक के थे। इस मुठभेड़ को सुरक्षाबलों की एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

अबूझमाड़ इलाके में शनिवार को हुई मुठभेड़ के बाद जवान इलाके में सर्चिंग कर रहे थे। मुठभेड़ की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने तत्काल क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों का एक बड़ा ग्रुप देर रात मुफरसी के जंगल में छिपा हुआ था। मौका देखते हुए नक्सलियों ने जवानों पर हमला कर दिया। पहले से सतर्क पुलिस ने नक्सलियों पर जवाबी कार्रवाई की, जिससे मुठभेड़ में बड़ी सफलता मिली। इस मुठभेड़ में डिप्टी कमांडर रैंक के रंजीत और संतोष की मौत हो गई। ये दोनों लंबे समय से इलाके में सक्रिय थे और कई बड़े नक्सली हमलों में शामिल थे।

इन दोनों नक्सलियों के मारे जाने से नक्सली संगठन को एक बड़ा झटका लगा है। पुलिस ने घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और नक्सली साहित्य भी बरामद किया है। मारे गए नक्सलियों की शिनाख्त के बाद स्पष्ट हो पाया कि उनके खिलाफ कई संगीन अपराधों के मामले दर्ज थे। गौरतलब है कि शनिवार को छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले की सीमा पर अबूझमाड़ इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में पांच नक्सली मारे गए थे। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के दो जवान भी घायल हुए थे।

भारत में अधपका खाना खाने से, दिमाग में घुस गया था कीड़ा, ट्रंप के स्वास्थ्य मंत्री का अनोखा बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। कंप्यूटर साइंटिस्ट लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट में बात करते हुए उन्होंने बताया था कि किसी प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए वो भारत आए थे। लेकिन शायद भारत में अधपका पॉर्क खाने की वजह से उन्हें ब्रेनवॉर्म हो गया था। जिसे शुरुआत में डॉक्टरों ने ट्यमर समझा था। बाद में कैनेडी ने साफ किया था कि फूड प्वॉइजनिंग की वजह से ऐसा हुआ था कि ना कि ब्रेनवॉर्म की वजह से।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर को अपना स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री नामित किया है। जूनियर कैनेडी को वैसे तो उनके विवादित बयानों की वजह से जाना जाता है। देश के नए स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनके चयन के बाद वो लगातार चर्चा में बने हुए हैं। उनका एक पुराना बयाव फिर से वायरल होने लगा। इसमें उन्होंने अपनी भारत प्रवास का जिक्र किया था। कैनेडी ने कुछ महीने पहले एक इंटरव्यू में दावा

किया था कि 2010 में भारत की यात्रा के दौरान उनके दिमाग में कीड़ा घुस गया था। उन्होंने कहा कि भारत में अधपका पॉर्क खाने की वजह से ऐसा हुआ था।

कंप्यूटर साइंटिस्ट लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट में बात करते हुए उन्होंने बताया था कि किसी प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए वो भारत आए थे। लेकिन शायद भारत में अधपका पॉर्क खाने की वजह से उन्हें ब्रेनवॉर्म हो गया था। जिसे शुरुआत में डॉक्टरों ने ट्यमर समझा था। बाद में कैनेडी ने साफ किया था कि फूड प्वॉइजनिंग की वजह से ऐसा हुआ था कि ना कि ब्रेनवॉर्म की वजह से।

गौरतलब है कि हाल ही में एक इंटरव्यू में कैनेडी जूनियर ने ट्रंप के खाने को जहर बताया था। उन्होंने कहा था कि प्रचार अभियान के दौरान ट्रंप का आहार वास्तव में खराब था। कैनेडी ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि वह जो सामान खाता है वह वास्तव में खराब है। आपके पास एक विकल्प है। आपके पास कोई विकल्प नहीं है, आपको या तो केएफसी या बिग मैक दिया जाएगा। यह ऐसा है, जैसे, जब आप भाग्यशाली होते हैं, और फिर बाकी सामान को मैं अखाद्य मानता हूं।

जांच कराई जाए कि गाजा पर इजराइल का हमला 'जनसंहार' की श्रेणी में तो नहीं : पोप

रोम , एजेंसी। कैथोलिक ईसाई धर्म के शीर्ष नेता पोप फ्रांसिस ने यह तय करने के लिए जांच का आह्वान किया है कि क्या गाजा में इजराइल के हमले 'नरसंहार' हैं। 'पोप जुबली ईयर' से पहले रविवार को जारी एक नई पुस्तक के अंशों से यह जानकारी दी गई। पोप फ्रांसिस ने पहली बार गाजा पट्टी में इजराइल की सैन्य कार्रवाई के दौरान 'नरसंहार' के आरोपों की जांच के लिए खुलकर मांग की है। उन्होंने सितंबर में कहा था कि गाजा और लेबनान में इजराइल के हमले 'अनैतिक' और असंगत हैं और उसकी सेना युद्ध नियमों से परे चली गई है।

हर्नान रेयेस अलकेड द्वारा लिखित और पोप के साथ साक्षात्कार पर आधारित इस पुस्तक का शीर्षक है ''आशा कभी निराश नहीं करती। बेहतर दुनिया की ओर मुसाफिर''। इस किताब का लोकार्पण पोप फ्रांसिस की ''2025 जुबली'' से पहले किया जाएगा। उम्मीद है कि फ्रांसिस की एक साल चलने वाली 'जुबली' को मनाने के लिए तीन करोड़ से अधिक यात्री रोम आएंगे। प्रकाशित अंशों के मुताबिक पोप ने कहा, ''कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, गाजा में जो कुछ हो रहा है, उससे नरसंहार के लक्षण मिले हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमें सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए कि क्या यह न्यायविदों और अंतरराष्ट्रीय निकायों द्वारा तैयार की गई। तकनीकी परिके अनुरूप है।

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में जहाज को निशाना बनाकर संदिग्ध हमला किया

दुबई, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के दक्षिणी छोर से गुजर रहे एक वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाकर संदिग्ध हमला किया। हालांकि इस हमले में जान-माल की कोई हानि नहीं हुई। हूती विद्रोही जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाकर पिछले कई महीनों से हमला कर रहे हैं। इस जलमार्ग से आम तौर पर प्रति वर्ष एक हजार अरब अमेरिकी डॉलर का माल गुजरता है। यह हमला गाजा में इजराइल-हमास युद्ध और लेबनान में इजराइल के जमीनी हमले के कारण हुआ है।

ब्रिटेन की सेना के 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन सेंटर' (यूकेएमटीओ) ने 'अलर्ट' जारी कर कहा कि जहाज जब लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाले बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के पास से गुजर रहा था, तभी उसके कप्तान ने देखा कि ''जहाज के बहुत करीब मिसाइल गिरी''। यह हमला यमन के बंदरगाह शहर मोचा से लगभग 48 किलोमीटर पश्चिम में हुआ। यूकेएमटीओ ने कहा, ''जहाज और चालक दल सुरक्षित हैं तथा अपने अगले बंदरगाह की ओर बढ़ रहे हैं।'' हूतियों ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

जमात-ए-इस्लामी प्रमुख ने बलूचिस्तान, केपी में सुरक्षा संकट को हल करने के लिए बातचीत का आह्वान किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। जमात-ए-इस्लामी (जेआई) के प्रमुख हाफिज नईमुर रहमान ने सरकार से बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा (के-पी) में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति सहित महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने के लिए संबंधित हितधारकों के साथ बातचीत शुरू करने का आह्वान किया है. रविवार को जेआई के इस्लामाबाद कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने संकटग्रस्त क्षेत्रों में जीवन की सुरक्षा के लिए नीतियों को संशोधित करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का जीवन कीमती है. सरकार को अपनी नीति पर फिर से विचार करने की जरूरत है. रहमान ने अफगानिस्तान की तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार से जिम्मेदारी से काम करने और यह सुनिश्चित करने की भी अपील की कि अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल पाकिस्तान सहित अन्य देशों के

खिलाफ न किया जाए. सहयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए, उन्होंने पाकिस्तानी सरकार से आपसी चिंताओं को हल करने के लिए अफगानिस्तान के साथ बातचीत करने का आग्रह किया.

जेआई प्रमुख ने विशेष रूप से बिजली की लागत संकट के मद्देनजर आर्थिक राहत के अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए सरकार की आलोचना की. रहमान ने कहा कि संघीय सरकार ने इस साल की शुरुआत में आयोजित धरना-प्रदर्शनों के बाद जेआई के साथ किए गए समझौतों को लागू नहीं किया है. उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा हाल ही में घोषित शीतकालीन बिजली राहत पैकेज को अपर्याप्त बताते हुए इसे मजाक और जनता के लिए धोखा करार दिया. प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अल्लामा मुहम्मद इकबाल की जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम के दौरान एक बिजली राहत पैकेज का अनावरण किया, जिसमें सर्दियों के महीनों के दौरान घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 26.7 पाकिस्तानी रुपये प्रति यूनिट, औद्योगिक उपयोगकर्ताओं के लिए 15.5 पाकिस्तानी रुपये प्रति यूनिट और वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं के लिए 22.71 पाकिस्तानी रुपये प्रति यूनिट तक की कटौती का वादा किया गया. हालांकि, रहमान ने पैकेज की आलोचना की और इसकी प्रासंगिकता और स्थिरता पर सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि कोई 500 यूनिट की खपत क्यों करेगा? जनता को बेवकूफ बनाने का यह नाटक बंद होना चाहिए. उन्होंने कहा कि 60 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर का ईंधन शुल्क का बोझ नागरिकों पर पड़ रहा है. रहमान ने सौर ऊर्जा को एक व्यवहार्य समाधान के रूप में बढ़ावा देने का सुझाव दिया. उन्होंने पाकिस्तान के सामने आने वाली आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए व्यावहारिक और दीर्घकालिक समाधानों की वकालत करने के लिए जेआई की प्रतिबद्धता को दोहराया.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129